हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 185, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 21 दिसम्बर, 2021 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

वंशवाद, परिवारवाद करने वालों ने उप्र को कर रखा था बदहाल : सीएम योगी

यूपी चुनाव 2022 : नितिन गडकरी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे जौनपुर

जौनपुर। कई विकास परियोजनाओं की सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी सोमवार को जौनपुर के मछलीशहर पहुंचे। फौजदार इंटर कॉलेज में जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा समेत पूरे विपक्ष पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि वंशवाद और परिवारवाद करने वालों ने यूपी को बदहाल कर दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि समस्या का जो समाधान करे वही सरकार है। परिवारवाद और वंशवाद के आधार पर जिन लोगों ने नौजवानों के साथ खिलवाड़ किया, वे विकास नहीं करा सकते थे। जब कोई नौकरी निकलती थी तो खानदान निकल पड़ता था वसूली पर। हमने पांच लाख युवाओं को पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरी दी है। पिछली सरकारों की सोच संकुचित थी, छोटी थी इसलिए परिवार तक सीमित थे। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए भारत की 135 करोड़ की आबादी ही उनका परिवार है। डबल डोज की सरकार है तो अन्न का डबल डोज भी मिलेगा। कुछ लोग वैक्सीन का विरोध कर जीवन के साथ खिलावाड़ कर रहे थे। देश की लड़ाई को कमजोर कर रहे थे। उन्होंने कहा कि श्रमिकों का सम्मान होते हुए कभी देखा था...? पिछली सरकारों को फुर्सत नहीं थी, गरीब की चिंता नहीं थी। आज श्रमिक, किसान, युवा, बाल-बेटियों को सम्मान देते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को साकार किया जा रहा है

साढ़े चार वर्षों में एक भी दंगा यूपी में नहीं- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक तरफ बुलडोजर सड़क बनाने का काम करेगा तो दूसरी तरफ पेशेवर माफियाओं की छाती पर चलाने का काम भी करेगा। साढ़े चार वर्षों में एक भी दंगा यूपी में नहीं हुआ। यही 'नया यूपी' है। आज अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण प्रारंभ हो चुका है। 2023 तक रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे, हम सबको आशीर्वाद देंगे। हमारी पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि हम इस भव्य मंदिर को अपने आंखों के सामने बनते हुए देख रहे हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या समेत जिले के तमाम भाजपा नेता मौजूद हैं। कार्यक्रम स्थल पर भारी सुरक्षा व्यवस्था है। जौनपुर में कार्यक्रम के बाद केंद्रीय मंत्री परिवहन व राजमार्ग भारत सरकार नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य मिजार्पुर आएंगे। अतरैला राजा टोल प्लाजा पर आयोजित कार्यक्रम में 3037 करोड़ की लागत से बने 146 किलोमीटर लंबे चार राष्ट्रीय राजमार्गों का लोकार्पण करेंगे। यहां भी कार्यक्रम स्थल पर भीड़ जुट रही है।

अखिलेश पर साधा निशाना- सीएम योगी ने कहा कि हम समस्या को समस्या नहीं बनने देना चाहते। हम समस्या के समाधान करना चाहते हैं। पूर्व की सरकारों ने परिवारवाद और वंशवाद के आधार पर नौजवानों को जाति के नाम पर आपस में लड़ाने का काम किया। उन्हें नौकरी से दूर रखा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकार सरकारी खजाने में डकैती डालने का काम करती थी। शासन की योजनाओं को सिर्फ अपने चहेतों को दिया जाता था। गरीब व किसान तो सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रहते थे। लेकिन भाजपा सरकार में आज हर गरीब व किसान को योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। अब वंशवाद के नाम पर राजनीति करने वालों का बोरिया बिस्तर बंधने लगा है। पहले नौकरियों के नाम पर विज्ञापन निकलते ही वसूली शुरू हो जाती थी। एक परिवार के लोग झोला लेकर निकल जाते थे। कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बेहतर कार्य कर रही है। कोरौना काल में भी हमने वैक्सीन से लेकर तमाम सरकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाया। कहा कि वैक्सीन का विरोध करने वाले का अब जनता विरोध कर रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनने की ओर अग्रसर है। आज जो गरीबों को राशन मिल रहा है वो 2017 के पहले माफियाओं के पास चला जाता था। अकेले जौनपुर में दो लाख प्रवासी वापस आए। इनके जीवन बचाने के साथ-साथ उन्हें काम देने का काम किया गया। गांव के अंदर विकास कार्य कराने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इसके लिए भी सरकार ने काम किया। त्रिस्तरीय पंचायत के प्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ाने का काम किया।

दिल्ली में ओमिक्रॉनः हर कोरोना मरीज की होगी जीनोम सिक्वेंसिंग, बूस्टर डोज की इजाजत दे केंद्र : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली में ओमिक्रॉन के बढ़ते खतरे को देखते हुए सोमवार को कैबिनेट और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बैठक के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि ओमिक्रॉन के खतरे से लड़ने के लिए दिल्ली पूरी तरह से तैयार है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र से गुजारिश की है कि वह राजधानी में बूस्टर डोज लगाने की इजाजत दे। केजरीवाल ने मुफ्त राशन वितरण को लेकर किए गए बड़े फैसले और टीचर्स यूनिवर्सिटी पर भी जानकारी दी। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने बताया कि आज एलजी साहब की अध्यक्षता में डीडीएमए की बैठक हुई जिसमें कई विशेषज्ञ मौजूद थे। उन्होंने ओमिक्रॉन के बारे में कई बातें बताईं जैसे कोरोना का यह वैरिएंट बहुत तेजी से फैलता है लेकिन इसके लक्षण बेहद हल्के होते हैं। इसमें बहुत कम मामलों में अस्पताल जाना पड़ता है और मौतें भी बहुत कम होती हैं।

'हमने कर रखे हैं पूरे इंतजाम'- सीएम ने कहा कि दिल्ली के लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। अगर आपको अस्पातलों और दवाओं की जरूरत पडेगी तो दिल्ली सरकार ने पूरे इंतजाम कर रखे हैं। हमने बेड से लेकर दवाओं तक सभी इंतजाम कर रखे हैं। केजरीवाल ने कहा कि ओमिक्रॉन के मामलों से निपटने के लिए हमें अपने होम आइसोलेशन प्रोग्राम को सुदृढ़ करने की जरूरत होगी जिसके लिए हम 23 दिसंबर को बैठक करेंगे।

हर केस की होगी जीनोम सिक्वेसिंग- सीएम ने कहा कि दूसरा फैसला ये लिया गया है कि दिल्ली में अब जितने भी कोरोना के मामले आएंगे उन सबको जीनोम सिक्वेसिंग के लिए लैब भेजा जाएगा। इससे यह पता लगाया जा सके कि दिल्ली में ओमिक्रॉन और अन्य वैरिएंट के कितने केस हैं ताकि उस हिसाब से आगे की रणनीति बनाई जा सके।

मास्क ही सबसे बड़ा बचाव- कोरोना के हर वैरिएंट से लड़ने में मास्क सबसे जरूरी हथियार है, यही वजह है कि केजरीवाल ने भी लोगों ने मास्क पहनकर ही घर से बाहर निकलने की अपील की। उन्होंने कहा कि मास्क हर हाल में लगाएं वरना कोरोना संक्रमण का खतरा बना रहेगा।

केंद्र से की बूस्टर डोज लगाने की इजाजत देने की अपील- केजरीवाल ने ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए केंद्र से अपील की है कि वह दिल्ली को लोगों को बूस्टर डोज लगाने की इजाजत दे। सीएम बोले कि दिल्ली में बूस्टर डोज लगाने के लिए पूरी आधारभूत संरचना है ऐसे में कोरोना से बचाव के लिए बूस्टर डोज लगाने की इजाजत दी जाए। राजधानी दिल्ली समेत पूरे देश में कोरोना का ओमिक्रॉन वैरिएंट तेजी से अपने पांव पसार रहा है। सोमवार को दिल्ली में ओमिक्रॉन के एक साथ चार मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही दिल्ली में ओमिक्रॉन संक्रमितों की कुल संख्या 26 हो गई है। बताया जा रहा है कि यह चारों मरीज दिल्ली के निजी अस्पताल मैक्स में भर्ती हैं। हालांकि चिंताजनक खबरों के बीच राहत की बात ये है कि कुल 26 मरीजों में से 12 ठीक होकर अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुके हैं।

फिर आंदोलन की राह पर किसानः कर्ज माफी और नौकरी के लिए किसानों ने देवीदासपुरा में रोकी ट्रेन

चंडीगढ़। पंजाब में किसान फिर आंदोलन की राह पर हैं। किसान मजदूर संघर्ष समिति ने विभिन्न मांगों को लेकर

देवीदासपुरा, अमृतसर में 'रेल रोको' आंदोलन किया, जिसमें किसान आंदोलन में मारे गए किसानों के परिवारों के लिए कृषि ऋण माफी, मुआवजा और नौकरी और सरकार द्वारा दिए गए आश्वासनों को पूरा करना शामिल है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है। किसान मजदूर संघर्ष मेटी पंजाब के महासचिव स्वर्ण सिंह पंधेर ने कहा कि किसान अमृतसर-दिल्ली ट्रैक पर देवीदासपुरा पर रेल रोको आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों ने अपनी मांगों के समर्थन में शनिवार को 5 जोनों में कन्वेंशन कर इसका एलान किया था। इन कन्वेंशनों में जोन जंडियाला गुरु बाबा नोध सिंह जी, अजनाला, गुरु का बाग और जोन गग्गोमाहल में सैकड़ों गांवों के किसानों ने हिस्सा लिया। किसान नेता पंधेर ने बताया कि कन्वेंशनों के बाद ही रेल रोको आंदोलन के प्वाइंट्स का एलान किया गया।

इसमें माझा में देवीदासपुरा अमृतसर से दिल्ली ट्रैक, तरनतारन रेलवे स्टेशन, मालवा में बस्ती टैंका वाली फिरोजपुर, दोआबा में दसूहा, जम्मू से जालंधर मेन ट्रैकर होशियारपुर आदि जगहों पर यह मोर्चा शुरू किया गया। किसान नेता लखविंदर सिंह वरियाम, सकत्तर सिंह कोटला, गुरलाल सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार अपने चुनावी वादे पूरे करे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा पंजाब सरकार मंजूर की गई मांगों से भाग रही है।

परिसीमन आयोग की बैठक जारी, जम्मू संभाग में छह और कश्मीर में एक विधानसभा सीट बढ़ाने का प्रस्ताव

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा सीटों के पुनर्निर्धारण की स्थिति लगभग साफ हो गई है। सूत्रों के मुताबिक परिसीमन आयोग की बैठक में जम्मू संभाग में छह और कश्मीर में एक विधानसभा सीट बढ़ाने का प्रस्ताव रखा गया। आयोग की बैठक सोमवार को नई दिल्ली में हुई। केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा सीटों को फिर से तैयार करने के लिए गठित परिसीमन आयोग ने अपने पांचों सहयोगी सदस्यों के साथ विस्तार से चर्चा की। सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में एसटी के लिए नौ और एससी के लिए सात सीटों का प्रस्ताव रखा गया है। यह पहली बार है जब जम्मू-कश्मीर में एसटी के लिए सीटों को आरक्षित किया जा रहा है। बैठक में जम्मू कश्मीर के पांच सांसद मौजूद रहे। इनमें केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला शामिल थे। परिसीमन आयोग की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई कर रही हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा पैनल के पदेन सदस्य हैं। उधर, जम्मू संभाग में सीटें बढ़ाने का नेकां और पीडीपी ने विरोध किया है। परिसीमन आयोग की रिपोर्ट को अगर लागू कर दिया जाता है तो जम्मू-कश्मीर में विधानसभा में 90 सीटें हो जाएंगी। पिछली विधानसभा में 87 सीटें थीं। घाटी में 47 और जम्मू क्षेत्र में 36 सीटें थीं। जम्मू-कश्मीर में अनुसूचित जनजातियों, अनुसूचित जाति आदि के लिए विधानसभा क्षेत्र आरक्षित होंगे, जो इस केंद्र शासित प्रदेश के लिए अलग राजनीतिक परिदृश्य पेश करेंगे। पिछली राज्य विधानसभा में पीडीपी के खाते में 28, भाजपा को 25, नेशनल कांफ्रेंस को 15 और कांग्रेस के पास 12 सीटें थीं। वहीं प्रदेश के प्रत्येक छोटे-बड़े राजनीतिक दल की नजरें परिसीमन आयोग की बैठक पर टिकी हुई हैं। सियासत गरम है। हर कोई यह जानने को उत्सुक है कि क्या राजनीतिक बदलाव होगा। कौन-कौन सी सीटें आरक्षित होंगी और किन-किन क्षेत्रों को हटाया जाएगा।

ईडी दफ्तर पहुंचीं ऐश्वर्या राय बच्चन पनामा पेपर्स लीक मामले में होगी पूछताछ

नई दिल्ली। बहुचर्चित पनामा पेपर्स लीक मामले में बच्चन परिवार की बहू और एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन कुछ देर पहले ईडी दफ्तर पहुंची हैं। ईडी ने उन्हें इससे पहले तीन बार समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया था। पनामा पेपर्स मामले की लंबे समय से जांच चल रही है, इस मामले में अभिषेक बच्चन से भी पूछताछ हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक ED के अधिकारियों ने ऐश्वर्या से पूछने वाले सवालों की लिस्ट तैयार कर ली है। हालांकि ऐश्वर्या राय ने पहले भी इन दस्तावेजों को पूरी तरह से झूठ का पुलिंदा करार दिया है। इन दस्तावेजों में फिल्मी सितारों और उद्योगपतियों सहित 500 भारतीयों के नाम शामिल हैं। इस पेपर लीक में अमिताभ बच्चन और ऐश्वर्या राय समेत कई भारतीय हस्तियों के नाम थे। सभी लोगों पर टैक्स धोखाधड़ी के आरोप लगे थे। इस मामले में नाम सामने आने के बाद अमिताभ ने कहा था कि उन्होंने भारतीय नियमों के तहत

ही विदेश में धन भेजा है। उन्होंने पनामा पेपर्स में सामने आई कंपनियों से भी किसी तरह का संबंध होने से मना किया था। टैक्स हेवेन कहे जाने वाले देश पनामा की एक लॉ फर्म मोसेक फोंसेका का 40 साल का डेटा 3 अप्रैल, 2016 को लीक हो गया था। इसमें खुलासा हुआ कि कैसे दुनियाभर के अमीर और प्रभावशाली लोग टैक्स बचाने के लिए पैसा ऑफ-शोर कंपनियों में लगा रहे हैं। इस तरह से बड़े तौर पर टैक्स चोरी और मनी लॉन्ड्रिंग तक हो रही थी। इन दस्तावेजों में फिल्मी सितारों और उद्योगपतियों सहित 500 भारतीयों के नाम शामिल हैं। इनमें बच्चन परिवार का नाम भी सामने आया था। दावा किया गया कि ऐश्वर्या राय देश से बाहर एक कंपनी की डायरेक्टर और शेयरहोल्डर थीं। ऐश्वर्या के अलावा उनके पिता के. राय, मां वृंदा राय और भाई आदित्य राय भी कंपनी में उनके पार्टनर थे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में बताया था कि पनामा पेपर लीक मामले में भारत से संबंधित लोगों के संबंध में कुल 20,078 करोड़ रुपये की अघोषित संपत्ति का पता चला है।

अजय मिश्र टेनी के इस्तीफे की मांग पर अड़ी कांग्रेस बोली- आरोपित का पिता कैसे कर सकता है न्याय?

नई दिल्ली। कांग्रेस लखीमपुर मामले को लेकर सरकार पर हमलावार है। लगातार मुख्य अभियुक्त के पिता अजय मिश्रा को उनके पद से हटाने की मांग की जा रही है। अब कांग्रेस की तरफ से कहा गया है कि अगर मुख्य अभियुक्त का पिता अजय मिश्रा टेनी देश का गृह राज्य मंत्री बना रहेगा तो न्याय की उम्मीद कैसी की जा सकती है? कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि लखीमपुर खीरी नरसंहार में शहीद किसानों के परिवार यही सवाल पूछ रहे हैं। बता दें कि लखीमपुर मामले में मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत याचिका पर आज कोर्ट सुनवाई करेगा। बीते शुक्रवार को आशीष मिश्रा की दूसरी जमानत याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया था, जिसके बाद मुख्य आरोपित की तरफ से दोबारा जमानत अर्जी दाखिल की थी, जिस पर कोर्ट सुनावाई करेगा। दरअसल, मामले की जांच कर रही एसआइटी ने बीते दिनों आशीष मिश्रा मामले में शामिल 13 आरोपियों पर गैर इरादतन हत्या की धाराओं को हटा कर सोची समझी साजिश के तहत हत्या की धाराओं को कोर्ट के आदेश पर जोड़ा था। जांच अधिकारी की अर्जी पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने आशीष मिश्रा समेत 13 आरोपियों की रिमांड नई धाराओं के तहत बनाई थी। लखीमपुर खीरी के तिकुनिया में 3 अक्टूबर को चार किसानों को एक एसयूवी कार द्वारा कथित तौर पर कुचल दिया गया था। जब वे एक कार्यक्रम में कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर लौट रहे थे। कार्यक्रम में उप-मुख्यमंत्री केशव मौर्य और केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी मौजूद थे। किसानों का आरोप है कि एसयूवी अजय मिश्रा टेनी की थी और उसमें उनका बेटा आशीष मिश्रा के होने का आरोप है। मामले में आशीष मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया गया है और किसान अब केंद्रीय मंत्री को बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं क्योंकि वह भी इस मामले में आरोपी हैं।

शेयर मार्केट पर ओमिक्रॉन की 'नजर': चंद मिनटों में 10 लाख करोड़ रुपये का नुकसान, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

मुंबई। कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन की 'नजर' पैसों पर ही लग गई है। शेयर बाजार पर इसका असर इतना खतरनाक हुआ है कि एक ही झटके में पैसों को पानी में बहा दिया । सोमवार को शेयर बाजार खुलते ही धड़ाम से नीचे जा गिरा। सेंसेक्स में 1000 अंक और निफ्टी में 200 अंकों से ज्यादा गिरावट के साथ ही बाजार पूरी तरह हिल गया। चंद मिनटों के भीतर ही पूरा बाजार धड़ाम से नीचे आ गया। जिससे निवेशकों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। बाजार खुलने के 10 मिनट के भीतर 10 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

1400 अंकों तक टूटा सेंसेक्स- शुरूआती आधे घंटे में बाजार को देखें तो सेंसेक्स 1000 अंक से ज्यादा टूट गया। सेंसेक्स 1076.46 अंक यानी 1.89 फीसदी की गिरावट के साथ 55,935.28 पर लाल निशान के साथ कारोबार पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई का निफ्टी

322.30 अंक यानी 1.9 फीसदी की कमजोरी के साथ 16,662.90 पर था। सुबह 11: 30 बजे के बाद बीएसई सेंसेक्स करीब 1,400 अंकों तक टूटा गया। वहीं, बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 11.31 लाख करोड़ रुपये गिरकर 252.72 लाख करोड़ रुपये पर आ गया।

प्री-ओपन सेशन में घरेलू बाजार 0.50 फीसदी से अधिक की गिरावट में थे। जैसे ही सेशन ओपन हुआ, बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों एक फीसदी से अधिक फिसल गए। सुबह 10:30 बजे तक यह गिरावट करीब ढाई फीसदी तक पहुंच गई। बाजार में चारों तरफ हाहाकार का माहौल रहा। सेंसेक्स के 30 में से 29 शेयरों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई इस गिरावट में इन्वेस्टर्स ने चंद मिनटों के कारोबार में हजारों करोड़ गंवा दिए।

कुछ मिनटों में करोड़ रुपये गंवा दिए निवेशक- चंद मिनटों में कई करोड़ रुपये के नुकसान से निवेशकों में मायूसी का माहौल छाया हुआ है। मार्केट एक्सपर्ट्स की मानें तो बाजार में अभी और हाहाकार मचने की आशंका है। क्योंकि यूरोपियों देशों में ओमिक्रॉन का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। ब्रिटेन, जर्मनी समेत कई यूरोपियन देशों में कोरोना संक्रमण के मामले फिर से हजारों की संख्या में आ रहे हैं। इसका सीधा असर वैश्विक और घरेलू बाजार पर दिखेगा।

दिल्ली-एनसीआर : निर्माण और तोड़फोड़ कार्यों पर लगी रोक हटी, ट्रकों के सीमा में प्रवेश की भी इजाजत

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर की हवा में लगातार हो रहे सुधार को देखते हुए केंद्रीय वायु गुणवत्ता आयोग की बैठक में राजधानी में निर्माण कार्य और तोड़-फोड़ पर लगी रोक आज से हटा ली जाएगी। साथ ही बाहरी राज्यों से आने वाले ट्रकों की एंट्री से भी बंदिश हटा दी गई है। आयोग ने अपनी बैठक में दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता के कुछ दिनों से आ रहे बेहतर आंकड़ों को देखते हुए यह फैसला लिया है। पिछले तीन दिनों में एनसीआर में हवा की गुणवत्ता में सुधार को देखते हुए आयोग निर्माण क्षेत्र में प्रतिबंधों को लेकर ढील दे रहा है। गौरतलब है कि बीते शुक्रवार को आयोग ने दिल्ली-एनसीआर में निर्माण और विध्वंस गतिविधियों पर अगले आदेश तक प्रतिबंध जारी रहने के लिए कहा था। हालांकि, सार्वजनिक उपयोगिताओं, रेलवे, मेट्रो, हवाई अड्डों और आईएसबीटी, राष्ट्रीय सुरक्षा, रक्षा, स्वास्थ्य सेवा, राजमार्ग, सड़कों, फ्लाईओवर, बिजली और पाइपलाइनों से संबंधित परियोजनाओं को छूट दी

गई थी। वहीं, कक्षा छह और उससे ऊपर के छात्रों, कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों के लिए शारीरिक कक्षाएं फिर से शुरू करने की अनुमति दी थी। साथ ही यह भी कहा था कि पांचवीं कक्षा तक के छात्रों के लिए 27 दिसंबर से शारीरिक कक्षाएं शुरू हो सकती हैं।

चिंतन मनन

ओमिक्रॉन का बढ़ता खतरा

अभी कुछ समय पहले ही जब दक्षिण अफ्रीका में कोरोना के नए बहुरूप ओमिक्रॉन का मामला सामने आया था, तभी कई विशेषज्ञों ने चेतावनी दे दी थी कि अगर समय रहते इससे निपटने के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए तो यह खतरनाक रूप ले सकता है। हालांकि कोरोना की पहली और दूसरी लहर के त्रासद अनुभवों से सबक लेते हुए दुनिया भर में इस चेतावनी की अनदेखी तो नहीं की गई, लेकिन ऐसा लगता है कि इसे सीमित करने के प्रयास ज्यादा शिद्दत से किए जाने चाहिए थे। खबर आने के बावजूद ज्यादातर जगहों पर लोगों ने अपने स्तर पर सावधानी बरतना जरूरी नहीं समझा। अब भारत में भी ओमिक्रॉन ने अपने पांव पसारने शुरू कर दिए हैं। शुरूआती दौर में कर्नाटक सहित कुछ राज्यों में इसकी मौजूदगी के संकेत पाए गए, लेकिन अब गुजरते दिन के साथ अन्य इलाकों में भी इसका खतरा बढ़ता जा रहा है। देश भर में अब ओमिक्रॉन से संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यों भारत जैसे इतने बड़े देश में कुल संख्या के लिहाज से देखें तो संक्रमण का दायरा फिलहाल बहुत बड़ा नहीं दिखता है। लेकिन शुरूआती दौर से कोरोना के विषाणु के फैलाव का जो स्वरूप रहा है, उसके मद्देनजर कहा जा सकता है कि अगर वक्त रहते इसकी रोकथाम के इंतजाम नहीं किए गए, लोगों ने अपने स्तर पर एहतियात बरतना जरूरी नहीं समझा तो आने वाले दिनों में यह संकट बड़ा हो सकता है। यह किसी से छिपा नहीं है कि पिछले साल अप्रैल-मई में गंभीर स्थिति में पहुंचने से पहले कोरोना के मामले इक्के-दुक्के ही बताए गए थे और इसके बाद दूसरी लहर के पूर्व भी हालात नियंत्रण में लग रहे थे। लेकिन दोनों बार इसके कहर को दुनिया ने देखा। अभी ओमिक्रॉन अपने असर में भले गंभीर नहीं दिख रहा है, लेकिन यह ध्यान रखने की जरूरत है कि यह भी कोरोना विषाणु का एक नया बहुरूप है। पिछले करीब दो सालों के दौरान इसके असर के जैसे त्रासद अनुभव रहे हैं, उसके मद्देनजर इसे हल्के में लेना खतरनाक साबित हो सकता है। वैज्ञानिक भी बार-बार चेता रहे हैं कि ओमिक्रॉन भयानक रूप ले सकता है। अब तो विदेश में ओमिक्रॉन से मरने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। अब यह आशंका गहरा रही है कि आने वाले दिनों में एक बार फिर दुनिया के सामने कोरोना के इस नए बहुरूप से निपटना बड़ी चुनौती साबित होगी। विडंबना है कि भारी तादाद में लोगों के कोरोना विषाणु से संक्रमित होने और मारे जाने के बावजूद अब तक इसे लेकर पर्याप्त गंभीरता नहीं दिखाई देती है। हालांकि भारत में टीकाकरण की रफ्तार अपनी गति से चल रही है और अब तक बड़ी आबादी को टीके की खुराक दी जा चुकी है। मगर यह ध्यान रखने की जरूरत है कि टीका लेने के बावजूद किसी को संक्रमण से पूरी तरह सुरक्षित नहीं माना जा सकता। अब तक इस विषाणु की जैसी प्रकृति देखी गई है, उसमें टीकाकरण के बाद भी संक्रमण से बचाव के सभी उपायों को निरंतरता में बरतने की सावधानी बनी रहनी चाहिए। इसी में लापरवाही संक्रमण के फैलाव को नया मौका मुहैया करा सकती है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि ओमिक्रॉन बहुरूप को हर स्तर पर गंभीरता से लिया और समय रहते इसके असर को नियंत्रित किया जाए।

प्रकिया है तेज !

सुन रहे हैं फोन ।
है ऐसा इल्जाम ।।
प्रकिया है तेज ।
आया उनका नाम ।।
मामला है उथल-पुथल ।
शोर मचा है भारी ।।
नई-नई गाड़ियों में ।
चढ़ रहे सवारी ।।
कहना है अभी मुश्किल ।
कौन किस पर भारी ?
अपने-अपने ढंग से ।
हो रही तैयारी ।।
झोंक दिया है ताकत ।
पांव रहे पसार ।।
है भविष्य के गर्भ ।
बनते क्या आसार ?

-कृष्णेन्द्र राय

दिल्ली से 'विजेता' बनकर यूँ ही नहीं लौटे 'आंदोलनजीवी'

कृषि प्रधान देश भारत में किसानों के आंदोलनों का वैसे तो लंबा इतिहास रहा है। परन्तु एक वर्ष तक चलने के बाद पिछले दिनों समाप्त हुआ किसान आंदोलन पूरे विश्व में चर्चा का विषय बना। संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा संचालित यह किसान आंदोलन निश्चित रूप से स्वतंत्र भारत के इतिहास का सबसे चुनौतीपूर्ण आंदोलन था। इसमें एक और केंद्र की पूर्ण बहुमत प्राप्त सत्ता थी। उसके समर्थन में भाजपा शासित राज्य सरकारें थीं। मुख्य धारा का 'गोदी मीडिया ' खुलकर तीनों विवादित कृषि कानूनों व सरकार का पक्ष ले रहा था। इन सबके पीछे देश के जाने माने उद्योगपति खड़े थे। लगभग पूरा केंद्रीय मंत्रिमंडल अपने मंत्रालय के काम काज छोड़ 'लेखक' बनकर संपादकीय पृष्ठों पर काले कृषि कानूनों के हक में आलेख लिखकर अपने 'आका ' को खुश करने में लगा था। सरकार द्वारा अरबों रुपए के विज्ञापन पूरे देश के समाचार पत्रों के मुख्य पृष्ठ पर एक दो नहीं बल्कि कई कई बार प्रकाशित कराये गये जिसमें सरकार द्वारा तीनों कृषि कानूनों को किसानों का हितैषी कानून बताया जाता था। स्वयं प्रधानमंत्री ने संसद में इन्हीं किसान नेताओं को 'आन्दोलनजीवी' बताया तो किसी मंत्री ने 'आन्दोलनजीवी' से भी एक कदम आगे बढ़कर आंदोलनकारी किसानों को 'मवाली ' भी बताया। हरियाणा के मुख्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने तो अपनी पार्टी से जुड़े किसानों को उकसा कर उन्हें लठ्ठ धारण कर आंदोलनकारी किसानों का मुकाबला करने की बात तक कही । बाकी नक्सल,अर्बन नक्सल,खालिस्तानी,विपक्ष के हाथों की कठपुतली,लाल किले पर तिरंगे का अपमानकर्ता, विदेशी फण्डिंग से चलने वाला आंदोलन आदि न जाने क्या क्या उपाधियाँ पहले ही दे डाली थीं।

परन्तु झूठ,अहंकार और साजिश चूँकि कभी स्थायी विजय नहीं पा सकते। जीत भले ही देर से हो परन्तु अंततोगत्वा जीत सच्चाई,विनम्रता और बलिदान की ही होती है। वही अन्नदाताओं के इस आंदोलन के साथ भी हुआ। ऐसे में यह सवाल जरूरी है कि क्या सरकार को इन्हीं 'आन्दोलनजीवियों ' व 'खालिस्तानियों', 'देश विरोधियों' व 'मवालियों' के आगे

झुकना पड़ा ? या फिर सरकार ने यह मान लिया कि वास्तव में यह मवाली या खालिस्तानी नहीं बल्कि यह 'देश का अन्नदाता' है ? धरनास्थल पर लगभग 700 किसानों की कुर्बानी देने के बाद किसानों ने जो जीत हासिल की है,जिस तरह ठिठुरती ठण्ड,बारिश,भयंकर गर्मी के बीच आंदोलनकारी किसानों उनके बुजुर्गों व महिलाओं ने दिन रात धरना स्थल पर बैठकर आंदोलनकारियों व सभी आगंतुकों की सेवा सत्कार करते हुये आंदोलन में फतेह हासिल की है उसकी दूसरी मिसाल दुनिया में कहीं नहीं मिल सकती।

गोदी मीडिया को किसान आंदोलन अराजक,राष्ट्र विरोधी और दिल्ली में लोगों का रास्ता रोके बैठे विपक्षी दलों द्वारा उकसाये जाने वाले मुठ्ठी भर किसानों का ही आंदोलन नजर आया क्योंकि उसकी आँखों पर बेशर्मी का पर्दा पड़ा था। अन्यथा वास्तव में यह आंदोलन कई राज्यों में जगह जगह फैला हुआ था। विपरीत मौसम की परवाह किये बिना पूरे वर्ष किसानों के शिक्षित बच्चे विभिन्न शहरों के मुख्य चौराहों पर सारा दिन खड़े होकर कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन करते तथा जनसमर्थन जुटाते। चंडीगढ़ सहित अनेक शहरों में किसानों के परिजन ' ठङ्ग त्रं१२-ठङ्ग ङ्गङ्ग' की तख़्तियां लेकर रेड लाइट पर खड़े होते और लोगों से अपने वाहनों का हॉर्न बजाकर समर्थन मांगते। यह सिलसिला पूरे वर्ष सैकड़ों शहरों व कस्बों में चला। परन्तु गोदी मीडिया पर सत्ता की चाटुकारिता का ऐसा नशा सवार था और अभी भी है कि उसे किसानों व उनके परिजनों का यह संघर्ष व कुबार्नी कभी नजर नहीं आयी।

दिल्ली की सीमाओं से किसानों की 'घर वापसी ' की चर्चा वैसे तो 19 नवंबर को प्रधानमंत्री की कृषि कानून वापसी की घोषणा के बाद ही शुरू हो गयी थी। परन्तु किसानों ने इसे संसद में वापस लेने व अपनी अन्य मांगें मनवाने की प्रतीक्षा की और 11 दिसंबर को आधिकारिक रूप से सरकार को अपनी मांगों व समझौतों संबंधित कुछ चेतावनियां देकर धरनास्थल से हटने की घोषणा की। जिस तरह दुनिया ने इस आंदोलन की गंभीरता,इसमें शामिल किसानों के जुझारूपन को तथा किसानों की मांगों की गंभीरता को देखा ठीक उसी तरह यह किसान अपनी मांगें मनवाकर दिल्ली की सीमाओं से भी 'फातेह ' अथवा 'विजेता' बनकर घर वापस लौटा। जिस धैर्य व साहस से अन्नदाताओं ने एक वर्ष दुःख तकलीफ व परेशानियां झेलीं, अपने साथ रोजाना दिल्ली द्वार पर बैठकर लाखों गरीबों व जरूरतमंदों को तीनों समय का भोजन उपलब्ध कराया व तरह तरह के पकवान आम लोगों को बनाकर खिलाये जाहिर है उन लाखों लोगों की दुआएं भी इन अन्नदाताओं के साथ थीं।

कृषि कानूनों की वापसी के बाद दिल्ली से पंजाब-हरियाणा-राजस्थान-उत्तर प्रदेश की ओर अपने घरों-खेतों की ओर वापस जाने वाले किसानों का सैकड़ों किलोमीटर लंबे रास्तों में जिस तरह पूरे रास्ते आम लोगों ने स्वागत किया वह दृश्य अत्यंत भावुक था। प्रत्येक रास्तों में जगह जगह फूल वर्षा की गयी,ढोल नगाड़े बजे,पूरे रास्ते मिठाइयां बांटी गयीं,कुछ जगहों पर हैलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गयी। पंजाब के किसान नेताओं की वापसी की ही तरह राकेश टिकैत भी जब गाजीपुर बार्डर से आंदोलन समाप्त करने की घोषणा कर वापस गये तो उनका भी एक 'विजेता' के रूप में भव्य स्वागत किया गया। जगह जगह आतिशबाजियाँ छोड़ी गयीं। जाहिर है यह टिकैत के 'भावुकतापूर्ण आंसुओं' की जीत तो थी ही साथ ही उनके इस संकल्प की भी जीत थी जिसमें टिकैत कहा करते थे कि 'मैं रोटी को पूंजीपतियों की तिजोरी में बंद नहीं होने दूंगा '।

जाहिर है प्रधानमंत्री ने जिस अंदाज में कानून वापसी की घोषणा की और कानून वापसी की घोषणा में जिन शब्दों का चयन किया उससे भी यह स्पष्ट है कि सरकार अब भी इस बात पर अड़ी है कि कानून तो अच्छे थे,किसानों के हित में थे परन्तु सरकार 'कुछ लोगों को' समझा नहीं सकी'। यह भी समझ से परे था कि सरकार ने इन 'किसान हितैषी' कानूनों को वापस लेते समय भी इन पर संसद में चर्चा क्यों नहीं कराई ? जाहिर है पूर्ण बहुमत की अड़ियल व पूंजीपतियों की खुले तौर पर हितैषी यह सरकार जिसने साम-दाम-दण्ड भेद सभी उपाय किसानों पर आजमा डाले परन्तु सरकार को आखिरकार किसानों की एकता व एकजुटता के समक्ष घुटने टेकने ही पड़े। कहना पड़ेगा कि किसान विरोधी कानून वापसी के बाद दिल्ली से यूँ ही 'विजेता' बनकर नहीं लौटे हैं ये 'आंदोलनजीवी '।

मुर्दा तक तनाव में है कि स्वर्ग की हूरें मिलेंगी कि नर्क के यमदूत

एमिटी विश्वविद्यालय के नैनो टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट ने आनंद उत्पन्न करने वाले अणु "आनंदमाईड" को मापने के लिए एक ऐसा सेंसर तैयार किया हैं जिसकी मदद से ये पता चल पायेगा की आप "आनंद" में हैं "तनाव" में हैं या "अवसाद" में' जैसे शुगर की जाँच के लिए थोड़े से खून की जरूरत होती है वैसे ही इसके लिय्रे भी पड़ेगी ' आनंद या तनाव को नापने के लिए आपको मात्र दो सौ पचास रुपए खर्च करने पडेंगे ' अपनी तो समझ से बाहर है कि आनंद या तनाव मापने के लिए इतनी बड़ी खोज करने और अणु को ढूंढ निकालने के लिए इतनी मेहनत करने की जरूरत ही क्या है ' ये तो चेहरा देख कर से ही पता लग जाता है कि आदमी आनंद में है या तनाव में' अपने हिसाब से तो इस देश का बच्चा बच्चा तनाव और अवसाद में है' शुरू करते हैं नेताओं से, हर मंत्री इस तनाव में है कि मंत्री की कुर्सी न छिन जाये, विधायक को इस बात का तनाव है कि अगली बार टिकिट मिलेगी या नहीं और अगर मिल गयी तो जीतेंगे या नहीं, वोटर को इस बात का तनाव और अवसाद है कि इस बार भी किसी झूठे वायदे करने वाले को वोट तो देना ही पड़ेगा' व्यापारी को इस बात का तनाव है कि माल तो भर लिया है बिकेगा भी या नहीं, डाक्टर इस बात से अवसाद में है कि उसका मरीज बचेगा या नहीं और मरीज इस तनाव में है कि जैसे ही ठीक होकर अस्पताल से डिस्चार्ज होगा तो लाखों का बिल उसके सामने होगा उसे वो चुकाएगा कैसे' जनता इस तनाव में है कि मंहगाई से कैसे लड़ें , इनकम तो उतनी ही है लेकिन मंहगाई सुरसा की तरह मुंह फैला रही है ' नौजवानों को इस बात का अवसाद डुबो रहा है कि डिग्री तो ले ली है लेकिन काम नहीं मिला पा रहा है , बिल्डर को अपने मकान न बिक पाने का तनाव है तो खरीददार को उनकी कीमत से तनाव है ' लड़कियों का तनाव इसलिए है कि उन्हें अच्छा पति मिलेगा या नहीं और लड़कों को इस बात की चिंता है कि एक बार शादी हो जाएगी तो जिंदगी भर बीबी की डांट खाते रहना पड़ेगा ' बेटी के बाप को दहेज देने का तनाव है तो लड़के वालों को इस बात का कि बारात का स्वागत ठीक से होगा या नहीं वरना लड़के का "फूफा" नाराज हो जाएगा ' बच्चे इस तनाव में जी रहे है कि ढाई साल के होते ही स्कूल में भर्ती कर दिए जायेंगे भले ही वो प्ले ग्रुप हो गर्भ में पल रहे शिशु को भी भारी तनाव है कि बहुत जल्द इस जालिम दुनिया में जन्म लेना पड़ेगा, उधर उसकी अम्मा इस तनाव में है कि लड़का होगा या लड़की, यानि जिसे देखो वो तनाव और अवसाद में है' ये सेंसर आनंद नापने के लिए बनाया गया है देख लेना अपन बताये देते हैं कि आनंद मापने के इस सेंसर का रिजल्ड "जीरो" ही आएगा हाँ अवसाद और तनाव जब नापा जाएगा तो उसका रिजल्ड "हंड्रेड परसेंट" होगा' तनाव और अवसाद की तो ये हालत है कि चिता पर लेटे मुर्दे को भी इस बात का तनाव है कि यमराज उसे नर्क में ले जाएंगे या स्वर्ग में, उसे "हूरो" के संग मस्ती करने का मौका मिलेगा या फिर उसे नर्क में यमदूत हण्टरों से पीटेंगे, उसे खूबसरत "अप्सराएं" अपने हाथों से सुरा पान करवाएंगी कि काळा भयानक यमदूत उसे गर्म तेल की कढ़ाही में डाल कर तलेंगे ' अब आप खुद ही सोचो जब मरने के बाद भी इंसान तनाव और अवसाद में है तो फिर जिंदा तो तनाव में रहेगा न।

जान बचा ली आपकी कांग्रेसियों

कांग्रेसियों को इस बात के लिए मध्यप्रदेश की बीजेपी की सरकार और उसके "वन मंडल अधिकारी" का तो शुक्र गुजार होना चाहिए कि उसने आप लोगों की जान पर आने वाले संकट से आपको बचा लिया' अब आप पूछोगे कि कैसे तो हम बतलाये देते हैं ' आपको तो पता ही है इस समय प्रदेश की राजनीति में दो ही मुद्दे छाये हुए हैं ' पहला "आदिवासी समाज" और दूसरा "ओबीसी आरक्षण" ' दोनों ही पार्टियां आदिवासियों को लुभाने जी जान से जुटी हुई हैं हाल ही में मध्यप्रदेश में आदिवासी सम्मलेन हुआ जिसमें प्रधान मंत्री तक ने शिरकत की, उधर जबलपुर में कमलनाथ दिग्विजय सिंह शामिल हो गए ' मध्य प्रदेश की मामाजी की सरकार ने "हबीबगंज स्टेशन" का नाम बदलकर "रानी कमलापति" रेलवे स्टेशन कर दिया , अब कांग्रसियों को लगा कि मामाजी तो सारा श्रेय लूटे ले रहे हैं तो उन्होंने कहा कि भले ही स्टेशन का नाम रानी कमलापति के नाम पर कर दिया हो बीजेपी की सरकार ने, लेकिन गिन्नौरगढ में उनका जो किला हैं वो बहुत बुरी हालत में है और उसका जीर्णोद्धार करने का बीड़ा हम लोगो ने यानि कांग्रेस ने उठा लिया है' कमलनाथ जी ने सज्जनसिंह वर्मा के नेतृत्व में पांच लोगों की टीम भी बना दी कि वो किले में जाए और देखे कि उसका जीर्णोद्धार कैसे किया जा सकता है, ये बात बीजेपी को भला कैसे सहन हो सकती थी सो उसके इशारे पर वंहा के वनमंडल अधिकारी ने इस प्रतिनिधिमंडल को आने से रोक दिया और बताया कि वहां "बाघ" का मूवमेंट हैं और बाघों की गणना की जा रही है अब कांग्रेस नाराज हैं कि हमें वंहा जाने से रोका गया है ' अरे भी ये तो सोचो आप लोग वहां चले जाते वहां बाघों के कुनबे के कुनबे मौजूद हैं ऐसे में यदि बाघ आप लोगो पर आक्रमण कर देते तो क्या होता , फिर आप लोग सरकार पर आरोप लगा देते कि ये बाघों का हमला सरकार के इशारे पर हुआ हैं , आपकी तो जान बचा ली उस वनमंडल अधिकारी ने, आपको तो धन्यवाद् अदा करना चाहिए उसका और बीजेपी सरकार का कि उसने आपकी इतनी चिंता की फिर भी यदि आपको किले की हालत देखना ही है तो हवाई निरीक्षण कर लो जैसे नेता लोग बाढ़ का सर्वे करते हैं और इसमें तो हर पार्टी के नेता सिद्धहस्त हैं।

सरकारी धन से चुनाव प्रचार की रीति... कहाँ तक ठीक...?

आपको याद होगा प्रसिद्ध विचारक अब्राहम लिंकन द्वारा रचित प्रजातंत्र की वह परिभाषा जिसमें प्रजा को अहम् बताते हुए कहा गया था- सरकार जनता की, जनता के लिए और जनता के द्वारा (गवर्तमेंट ऑफ द पिपुल, फॉर द पिपुल एण्ड ऑफ द पिपुल)। किंतु मौजूदा राजनीति ने इस परिभाषा को बदलकर जनता (पिपुल) की जगह सत्ता को बैठा दिया है, अर्थात अब प्रजातंत्र की परिभाषा सरकार सत्ता के लिए, सत्ता के द्वारा और सत्ता की हो गई है, अब प्रजातंत्र से प्रजा को लोप हो गया है और तंत्र सत्ता का सेवक बनकर रह गया है, यहाँ सत्ता से मतलब स्वार्थ की राजनीति से है। आज की राजनीति का एक मात्र लक्ष्य जनसेवा नहीं, सिर्फ और सिर्फ सत्ता रह गया है। अर्थात आज की सरकारें जितने भी जनसेवा का नबाक ओढ़कर कार्य करता है, वे सब स्वार्थपूर्ण राजनीति व सत्ता की चासनी में लिपटे होते है। जनता से करों के रूप में वसूली गई भारी धनराशि से जितने भी कथित विकास कार्य किये जा रहे है उन विकास कार्यों के पीछे भी जनसेवा कम राजनीतिक ढ़िंढोरा ज्यादा होता है, फिर वे चाहे हजारों किलोमीटर की सड़कों के निर्माण हो या अन्य कोई कार्य और अब तो यह रीत ही बन गई है कि जनता से एकत्र सरकारी धन ऐसे कार्यों पर खर्च करो जिनसे राजनीतिक स्वार्थ सिद्धी ज्यादा हो, फिर चाहे वे जनता के लिए उपयोगी हो या नहीं?

....और अब तो उत्तरप्रदेश ने कुछ ऐसी स्वार्थ सिद्धी की पवित्र नदियों के नाम पर राजपथ निर्माण की ऐसी आंधी चलाई कि वह सभी भाजपाशासित राज्यों में तेजी से फैलती जा रही है, उत्तरप्रदेश में गंगा के नाम पर तो मध्यप्रदेश में नर्मदा के नाम पर लम्बे राजपथ तैयार किये जा रहे है। यह तो हुई जनता की गाढ़ी कमाई की बबार्दी की चर्चा, अब यदि मौजूदा राजनीति को प्रजातंत्र के अन्य मूल सिद्धांतों की कसौटी पर कस कर देखें तो हमें हर तरफ निराशा ही निराशा महसूस होने लगती है। निराशा का मूल कारण अब राज कार्यों में राजनीतिक स्वार्थ की मात्रा अधिक होना व जनसेवा का अंश कम होना है।

आज हर कहीं यही देखने को मिलता है कि जिस भावना से चुनाव लड़े जाते है और जिस अपेक्षित भावना से जनता अपने प्रतिनिधि चुनती है दोनों तत्वों के बीच सोच-समझ का काफी अंतर पैदा हो गया है, चुनावी घोषणा-पत्र अब सिर्फ जनता को आकर्षित करने के माध्यम ही बनकर रह गए है न इन घोषणा-पत्रों की घोषणाओं को मूर्तरूप मिल पाता है और न लाखों मतदाताओं के सामने किये गए वादें ही पूरे हो पाते है, पांच सालों के साढ़ महीनों में एक या दो महीने जनता (मतदाता) की पूछ-परख के होते है, बाकी अट्ठावन महीनें मतदाता ही याचक बने रहने को मजबूर होता है, यह भी आजकी आम राजनीति का मुख्य चलन बन गया है। यह बात मैं किसी राजनीतिक दल विशेष के बारे में नहीं बल्कि राजनीति के पूरे कुएँ में घोली गई स्वार्थ की भाँग की बात कर रहा हूँ। आज सत्ता प्राप्ति तक सत्ता हथियाने के हथकंड़ों पर जोर दिया जाता है और सत्ता का सिंहासन प्राप्त होने के बाद इस सिंहासन को दीर्घजीवी बनाने के जोड़-तोड़ शुरू हो जाते है और यह प्रक्रिया अगले चुनाव होने तक अनवरत जारी रहती है और इन्हीं प्रयासों या जोड़-तोड़ की धुंध में जनसेवा का लोप हो जाता है, आज की राजनीति की यही त्रासदी है। आज शासन की सेवा करने वाला आम सरकारी मुलाजिम अपनी जिन्दगी के तीन दशक पूरे आत्म समर्पण भाव से सरकार को सौंपने के बाद भी उसे शेष जिन्दगी गुजारने के लिए वे सब संसाधन नहीं मिल पाते जो महज पांच साल सरकार में अहम पदों पर रहकर लूटमार करने वाले राजनेताओं को मिल जाते है, सेवा करने और सेवा का ढ़िंढोरा पीटने वालों के बीच आज के प्रजातंत्र में यही मूल अंतर है, क्या यही सब दिखाने के लिए हमारे पूर्वज शहीदों ने अपना सर्वस्व लुटाकर आजादी प्राप्त की थी, अभी देश की जनता की इस दिशा में तंद्रा टूटी नहीं है, जिस दिन जनता जागृत हो जाएगी तो फिर क्या होगा? कल्पना से परे है?

इलाज में देरी क्यों ?

भारत में शिक्षा और चिकित्सा पर सरकारों को जितना ध्यान देना चाहिए, उतना बिल्कुल नहीं दिया जाता। भारत के सरकारी अस्पतालों में न तो नेता लोग जाना चाहते हैं, न साधनसंपन्न लोग और न ही पढ़े-लिखे लोग। हमारे सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए जानेवाले लोगों में मध्यम या निम्न मध्यम वर्ग या मेहनतकश या गरीब लोग ही ज्यादातर होते हैं। दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान इस मामले में थोड़ा अपवाद है। सरकारी अस्पतालों की दशा पर नीति आयोग ने फिलहाल एक विस्तृत जांच करवाई है। इसके परिणाम चौंकानेवाले हैं। देश के कई महत्वपूर्ण राज्यों के अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या औसत से भी बहुत कम है। यों तो माना जाता है कि भारत में एक लाख की जनसंख्या पर हर जिले में कम से कम 22 बिस्तर या पलंग उपलब्ध होने चाहिए लेकिन पिछले दो वर्षों में हमने देखा कि पलंगों के अभाव में मरीजों ने अस्पतालों के अहातों और गलियारों में ही दम तोड़ दिया। मध्यप्रदेश में प्रति लाख 20 पलंग है तो उत्तर प्रदेश में 13 और बिहार में तो सिर्फ 6 ही हैं। 15 राज्य ऐसे हैं, जिनमें ये न्यूनतम पलंग भी नहीं हैं। कुछ राज्यों में कई गुना पलंग है, यह अच्छी बात है लेकिन वहां चिंता का विषय यह है कि उनके आपात्कालीन विभागों में भी लगभग अराजकता की स्थिति है। नीति आयोग की एक ताजा रपट से पता चलता है कि आपात्कालीन वार्ड में आनेवाले लगभग एक-तिहाई मरीज तो इसलिए मर जाते हैं कि या तो उनका इलाज करनेवाले यथायोग्य डॉक्टर वहां नहीं होते या मरीजों के लिए उचित चिकित्सा का कोई इंतजाम नहीं होता। यह अप्रिय निष्कर्ष निकाला है, नीति आयोग ने। उसने 29 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 100 बड़े अस्पतालों का अध्ययन करके यह बताया है कि यदि मरीजों को तत्काल और यथायोग्य इलाज दिया जा सके तो उनकी प्राण-रक्षा हो सकती है। कई अस्पतालों में सिर्फ हड्डी के डॉक्टर या किसी साधारण रोग के डाक्टर ही आपात्कालीन वार्डों में नियुक्त होते हैं। कई बार आवश्यक दवाईयां भी उपलब्ध नहीं होतीं। दुर्घटनाग्रस्त मरीजों को अस्पताल तक लानेवाली एंबुलेंस गाड़ियां और उनके कर्मचारियों की गुणवत्ता में भी भारी सुधार की जरुरत है। उसके अभाव में मरीज कई बार रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं। आजकल दिल्ली के कई बड़े सरकारी अस्पतालों का हाल यह है कि कई डॉक्टर डर के मारे अस्पताल ही नहीं आते।

बुध प्रदोष व्रत से आती है घर में सुख-शांति

प्रदोष व्रत त्रयोदशी तिथि को किया जाता है। इस बार 24 फरवरी 2021 (बुधवार) को माघ महीने के शुक्ल पक्ष का प्रदोष व्रत मनाया जा रहा है। प्रदोष व्रत में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की जाती है।

आज बुध प्रदोष व्रत है। बुधवार के दिन प्रदोष व्रत होने के कारण इसे बुध प्रदोष व्रत कहा जाता है। प्रदोष व्रत में भगवान शिव की पूजा का विधान है तो आइए हम आपको बुध प्रदोष व्रत के विधि तथा महत्व के बारे में बताते हैं। जानें माघ शुक्ल प्रदोष व्रत के बारे में

प्रदोष व्रत त्रयोदशी तिथि को किया जाता है। इस बार 24 फरवरी 2021 (बुधवार) को माघ महीने के शुक्ल पक्ष का प्रदोष व्रत मनाया जा रहा है। प्रदोष व्रत में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही प्रदोष काल में ही प्रदोष व्रत की पूजा होती है। ऐसी मान्यता है कि प्रदोष के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की एक साथ पूजा करने से कई जन्मों के पाप धुल जाते हैं और मन पवित्र हो जाता है।

सभी इच्छाओं को पूरा करता है प्रदोष व्रत

प्रदोष व्रत में शिव जी की आराधना होती है। ऐसे जो भी व्यक्ति सुख-सुविधाएं चाहते है या धन अर्जन की इच्छा रखते हैं, उनके लिए इस व्रत को करने की परंपरा है। जिस शुक्रवार को प्रदोष पड़े उस दिन इसे करना चाहिए। दीघार्यु की कामना से भी इस व्रत को किया जाता है। धार्मिक शास्त्रों की मानें तो जिस त्रयोदशी को रविवार पड़े उस दिन इस व्रत को आरंभ करना चाहिए। संतान की प्राप्ति के लिए शनि त्रयोदशी का व्रत करें। साथ ही कर्ज से मुक्ति हेतु सोम प्रदोष का व्रत करें।

बुध प्रदोष व्रत में ऐसे करें पूजा

इस दिन सबसे पहले प्रदोष व्रत करने के लिए आपको सुबह जल्दी चाहिए। उसके बाद स्नान के पश्चात स्वच्छ वस्त्र पहनें और भगवान शिव का ध्यान करें। इसके बाद भगवान शिव का अभिषेक करना करें। पंचामृत और पंचमेवा का भगवान को भोग लगाएं उसके बाद व्रत का संकल्प लें। शाम में भगवान शिव की पूजा से पहले स्नान अवश्य करें तथा प्रदोष काल में शिव जी की आराधना प्रारम्भ करें।

जानें बुध प्रदोष व्रत की पौराणिक कथा

हिन्दू धर्म में बुद्ध प्रदोष व्रत के विषय में एक कथा प्रचलित है। इस कथा के अनुसार एक पति अपनी पत्नी को लेने उसके मायके गया। ससुराल में घर के लोग बुधवार के दिन दामाद और बेटी को विदा न करने की आग्रह करने लगे। लेकिन पति अपने ससुराल वाली की बात पर ध्यान नहीं दिया और उसी दिन अपनी पत्नी को साथ लेकर अपने घर को चल दिया। रास्ते में दोनों पति-पत्नी जाने लगे तभी पत्नी को प्यास लगी तो पति ने कहा मैं पानी की व्यवस्था करके आता हूं। वह पानी लेने जंगल में चला गया। पति के लौटने पर उसने देखा कि पत्नी किसी और के साथ हंस रही है और दूसरे के लोटे से पानी पी रही है। यह देखकर वह काफी क्रोधित हो गया। तब उसने सामने जाकर देखा तो वहां पत्नी जिसके साथ बात कर रही थी वे कोई और नहीं बल्कि उसी का हमशक्ल था। पत्नी भी दोनों में सही कौन है इसकी पहचान नहीं कर पा रही थी ऐसे में पति ने भगवान शिव से प्रार्थना किया और कहा कि पत्नी के मायके पक्ष की बात न मान कर उसने बड़ी भूल की है। यदि वह सकुशल घर पहुंच जाएगा तो नियमपूर्वक बुधवार त्रियोदशी को प्रदोष का व्रत करेगा। ऐसा करते ही भगवान शिव की कृपा से दूसरा हमशक्ल गायब हो गया। उसी दिन से दोनों पति-पत्नी बुध प्रदोष का व्रत करने लगे।

बुध प्रदोष व्रत में इन गलतियों से बचें

बुध प्रदोष व्रत विशेष प्रकार का व्रत है इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की गलती से बचें। पंडितों का मानना है कि इस दिन साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखें। इस दिन नहाना नहीं भूलें। काले वस्त्र न पहनें और व्रत रखें। क्रोध पर नियंत्रण रखें और ब्रह्मचर्य का पालन करें। साथ ही मांस-मदिरा का सेवन न कर केवल शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

बुध प्रदोष व्रत का महत्व

हिन्दू धर्म में प्रदोष व्रत का खास महत्व होता है। हमारे शास्त्रों में वर्णन किया है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा करने से घर में सुख-शांति आती है। संतान की इच्छा रखने वाली स्त्रियों के लिए यह व्रत फायदेमंद होता है। अच्छे वर की कामना से कुंवारी कन्याएं इस व्रत को करती हैं।

श्रीराम से बालि को नहीं मारने का अनुरोध क्यों करने लगे थे सुग्रीव?

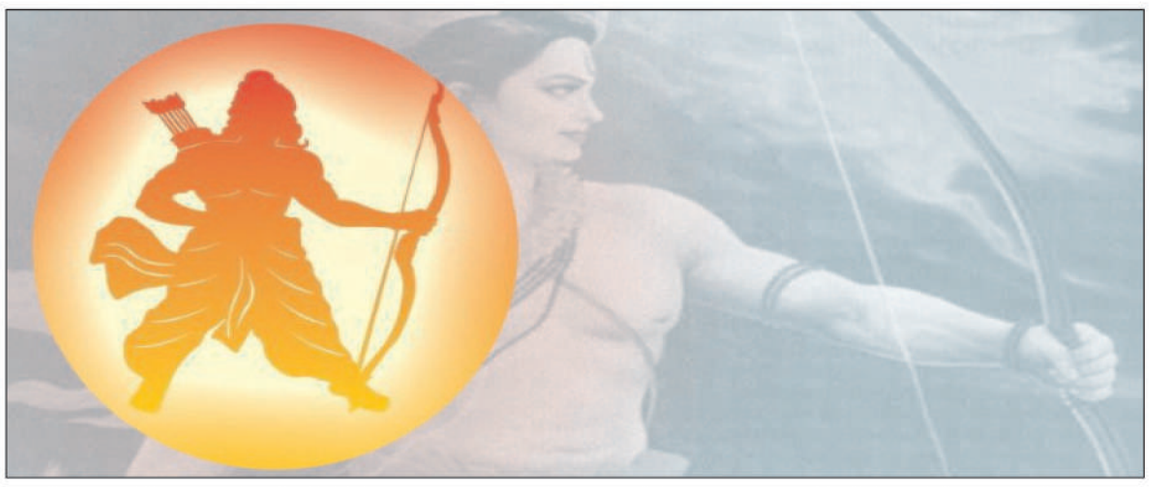

सज्जनों श्रीराम जी के समग्र जीवन में देखेंगे तो पाएँगे कि क्रोध तो उन्हें किसी पर आता ही नहीं। वे तो अपने परम शत्रु पर भी दया लुटाने को तत्पर हो उठते हैं। लेकिन सुग्रीव जब कहते हैं कि प्रभु मुझे बालि के प्रति अब रोष व शत्रुता नहीं है तो आप उन्हें मत मारें।

श्री रामजी ने सुग्रीव की बात सुनी तो हँस पड़े क्योंकि श्रीराम जी जानते थे कि सुग्रीव का वैराग्य क्षणिक व परिस्थितिजन्य है। परिस्थिति बदलेगी तो सुग्रीव की बैरागी अवस्था भी परिवर्तित हो जाएगी। लेकिन सुग्रीव को प्रभु श्रीराम जी सदा यूं ही बिन पेंदे के लोटे की तरह थोड़ी रखना चाहते थे। जिसमें जिधर चाहो लोटा उधर ही लुढ़क जाता है। उसे स्थिर होना है तो उसका पेंदा अर्थात आधार होना अति आवश्यक है। वास्तव में विश्वास ही वह आधार है जिस पर एक साधक सदा टिका रह सकता है। इसलिए भगवान ने भी थोड़ी सख्ती दिखा दी कहा कि सुग्रीव देखो तुम्हें अब बदलना होगा। मैं भले ही अब तक वैसा ही करता रहा जैसा तुम कहते व चाहते रहे। लेकिन अब मैं अपने दिए वचन से नहीं मुड़ूँगा। मेरा कहा अटल होता है मैंने जब यह प्रण ले ही लिया कि मैं बालि को मारूंगा ही मारूंगा और तुम्हें राज्य सिंघासन पर भी अवश्य बिठाऊँगा तो समझ लो कि दोनों प्रसंग घटित होकर ही रहेंगे। इसलिए अब तुम्हें अपने मन की अवस्था मेरे वचनों के अनुसार ही निर्मित करनी पड़ेगी। श्रीराम जी ने सुग्रीव को मानों बड़े तरीके से कह दिया-

जो कछु कहेहु सत्य सब सोई।
सखा बचन मम मृषा न होई।।

श्रीराम कहते हैं कि हे सुग्रीव निःसंदेह तुम्हारी बातें सत्य की चाशनी में डूबी हैं। लेकिन क्या करूं मैंने जब वचन दे ही दिया है तो इसका अर्थ कि बालि का मरना तो निश्चित ही है।

श्रीराम जी तो दया के सागर हैं, करूणा निधान हैं, उन्हें किसी के प्रति कोई शत्रुता कहाँ। अगर शत्रुता का भाव उन्हें कण मात्र भी छुआ होता तो श्रीराम मंथरा को तो अवश्य ही दंडित करते। दंड देने की बात तो छोड़िए पूरी रामायण खंड में एक भी ऐसा लघु से लघु प्रसंग भी प्रतीत नहीं होता जिसमें प्रभु श्रीराम मंथरा के लिए कोई कटु शब्द बोलते हों। क्योंकि देखा जाए तो मंथरा ही तो प्रभु श्रीराम जी के बनवास के लिए पृष्ठ भूमि तैयार करती है। कैकेई को भड़काती है और श्रीराम तो अपनी माता कैकेई को भी कभी अपशब्द नहीं कहते। अपने पिता राजा दशरथ पर तो फिर भी असंतोष का कारण बनता था क्योंकि माना कि माता कैकेई तो सौतेली थी उन्हें कोई व्यक्तिगत पीड़ा कैसे होती। परंतु राजा दशरथ तो उनके सौतेले पिता न थे। सायंकाल तो वे घोषणा करते हैं कि सुबह श्रीराम को अयोध्या को सिंघासन पर बिराजमान करेंगे। और सुबह हुई तो निर्णय पलट देते हैं। मात्र निर्णय ही पलटते तो कोई बात न थी, लेकिन यहाँ तो वे सीधा भाग्य ही पलट देते हैं। श्रीराम जी को 14 वर्ष का बनवास दे डाला। पिता वाला कोई स्नेह, प्रेम व दुलार की कोई परंपरा की कोई लाज ही न रखी। कितना अन्याय, अत्याचार व शोषित व्यवहार होने पर भी श्रीराम जी के उनके प्रति व्यवहार, सत्कार व प्यार में कोई त्रुटि नहीं आती अपितु श्रीराम जी कहते हैं कि अरे! किसने कहा कि मुझे मेरे पिता ने अयोध्या का राजपाठ न देकर अन्याय किया। अयोध्या का राजपाठ तो एक सीमित क्षेत्र तक ही था। लेकिन पिता दशरथ ने मुझे इससे कहीं अधिक विशाल व विराट राज्य की वागडोर दी है। और वो राज्य है 'वनों का राज्य।' वे कहते हैं कि-

पिता दीन्ह मोहि कानन राजू।
जहं सब भाँति मोर बड़ काजू।।

पिता दशरथ ने वनों का राज्य देकर मुझ पर कृपा ही की है। क्योंकि वहीं पर वास्तव में मेरे समस्त कार्य सिद्ध होने हैं।

सज्जनों श्रीराम जी के समग्र जीवन में देखेंगे तो पाएँगे कि क्रोध तो उन्हें किसी पर आता ही नहीं। वे तो अपने परम शत्रु पर भी दया लुटाने को तत्पर हो उठते हैं। लेकिन सुग्रीव जब कहते हैं कि प्रभु मुझे बालि के प्रति अब रोष व शत्रुता नहीं है तो आप उन्हें मत मारें। और अब तो मुझे राजपाठ व धन परिवार की भी चाहना नहीं। क्योंकि सर्वस्व त्याग कर मैं तो आपकी सेवा करने चला हूँ। तो फिर यह झगड़ा झंझट क्यों। तो यह सुन श्रीराम जी को अवश्य ही बालि को मारने की योजना स्थगित कर देनी चाहिए थी। क्योंकि पीड़ित ही अगर आरोपी को दण्डित नहीं करना चाहता तो श्रीराम जी क्यों बलपूर्वक बालि को दंड देना चाहते हैं? इसके पीछे बहुत से सूक्ष्म, अनिवार्य व न्याय संगत कारण हैं। प्रथम कारण बालि का अहंकार था। वानरों की इतिहास गाथा वास्तव में कुछ और ही संदेश समेटे हुए है। वानर जाति का उदय यूं ही अस्तित्व में नहीं आया था। हुआ यूं था कि जब पृथ्वी रावण के पापों व अत्याचारों से त्रास्त थी, तो देवगणों ने ब्रह्मा जी को जाकर प्रार्थना की आप प्रभु को मृत्यु लोक पर अवतरित होने के लिए मनाइए। प्रभु दुष्टों के संहार व धर्म की स्थापना हेतु इस धरा धाम पर अवतार धारण करने हेतु सहमति प्रदान कर देते हैं। देव गणों को लगा कि अब अपना काम तो हो गया। प्रभु अवतार लेंगे और राक्षसों का वध करेंगे। अब हमारा क्या काम! हम जाकर विषय भोग भोगते हैं। देवगण जैसे ही वापिस पलटने लगे तो ब्रह्मा जी ने सबको रोक लिया कि प्रभु से केवल स्वार्थ का रिश्ता रखना कदापि यथोचित नहीं है। आप सबको भी प्रभु की सेवा में धरा पर देह धारण करनी होगी। प्रभु नारायण से नर बनने का साहस रखते हैं तो आप लोगों को कम से कम देवता से वानर रूप धरण करना ही चाहिए-

बानर तनु धरि धरि महि हरि पद सेवहु जाइ।

सभी देवता वानर रूप धारण कर प्रभु के वन आगमन की प्रतीक्षा कर रहे थे। बाकी सभी वानर तो ठीक निर्वाह कर रहे थे लेकिन बालि को अपने बल का इतना अहंकार हो गया कि वह स्वयं को ईश्वर से भी अधिक बलशाली मान चुका था। वानर देह तो इसलिए धारण की थी कि प्रभु की सेवा करनी है एवं रावण वध में उनका सहयोग करना है। लेकिन कृत्य देखिए कि वह रावण से ही मित्रता किए बैठा है। क्योंकि एक प्रसंग में जब बालि रावण को पराजित कर अपने कांख में दबाकर समस्त विश्व का भ्रमण करता है तो रावण क्षमा याचना करता हुआ बालि की अनेकों स्तुतियां कर उसे रिझाकर अपने पक्ष में कर लेता है। बालि भी आत्म प्रशंसा के वशीभूत होकर उसे अभय दान दे देता है। यद्यपि होना तो यह चाहिए था कि ऐसे दुष्ट को दंडित करे लेकिन बालि को तो धुन थी कि उसके बल व सामर्थ्य का पूरी दुनिया लोहा माने। प्रभु का यश फैले या न फैले इससे उसे कोई सरोकार नहीं था। परंतु अपना यश व कीर्ति सर्वत्र फैलनी चाहिए इसकी उसे बहुत चिंता थी। बल व सामर्थ्य की ही बात की जाए तो हनुमान जी के सामने उसकी क्या बिसात थी। लेकिन श्री हनुमान जी ने भी कभी अपने बल का प्रदर्शन व अहंकार नहीं किया। अपितु इसी प्रतीक्षा में लगे रहे कि हमें प्रभु की सेवा में अपना सर्वस्व लगाना है। बालि एक नहीं अपितु दो-दो गलतियां एक साथ करता है। रावण से तो मित्रता की लेकिन साथ में अपने ही भाई सुग्रीव के साथ शत्रुता पूर्ण व्यवहार करने लगा। प्रभु भला अपने सेवकों व भक्तों के प्रति किसी का शत्रु भाव कैसे स्वीकार कर सकते हैं।

लिहाजा प्रभु ने अपना निर्णय यथावत रखा कि मैं बालि को जरूर मारूंगा। मारूंगा भी उसी बाण से जिससे मैंने ताड़ के वृक्षों को काटा था। मानों कह रहे हों कि बालि भी ताड़ के वृक्षों की तरह सीधा अकड़ा खड़ा है। किसी को छाया भी नहीं देता। तो क्यों न व्यर्थ के इस बोझ से पृथ्वी के भार को कम किया जाए। बालि को मारने का दूसरा कारण था वह कारण भी उसके बल के साथ ही जुड़ा था। क्या था वह कारण?

पेड़-पौधे लगाने को लेकर क्या कहता हैं वास्तुशास्त्र? इन नियमों को जरूर जानें, होगी तरक्की

अगर आपके ऊपर चंद्रमा की पीड़ा है, या चंद्रमा का कष्ट है, तो इस कष्ट को दूर करने के लिए आपको अपने घर के पास 'गूलर' का पौधा लगाना चाहिए। ऐसा करने से चंद्रमा के दुष्प्रभाव का असर आपके ऊपर कम हो जाता है।

प्राचीन समय से ही पेड़ पौधों की पूजा करना हमारी संस्कृति का हिस्सा रहा है और आज भी हम किसी न किसी रूप में पेड़ पौधे की पूजा अवश्य ही करते हैं। वह चाहे पीपल हो, तुलसी हो, समी हो या फिर बरगद का ही पेड़ क्यों ना हो, हमारे लिए काफी महत्त्व रखते हैं। हमारे शास्त्रों में यह भी कहा गया है कि हर मनुष्य को अपने जीवन काल में एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। इतना ही नहीं, शास्त्र यह भी कहते हैं कि अगर किसी कारण वश कोई मनुष्य एक पेड़ काटता है, तो उसे 10 पेड़ लगाकर उनका पालन करने के उपरांत ही एक पेड़ काटने के पाप से मुक्ति मिल पाएगी। ऐसे में पेड़ लगाने की महत्ता कितनी है, इसे आप सहज ही समझ सकते हैं।

अगर आप भी पेड़ लगाने का विचार अपने मन में ला रहे हैं, तो वास्तु में इसके कुछ नियम बताए गए हैं, जिनका पालन करते हुए अगर वृक्षारोपण किया जाए, तो इसका सकारात्मक असर हमारे जीवन में देखने को मिलता है।

आईये जानते हैं ...

पेड़ लगाने का सही समय

वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर आप पेड़ लगाने जा रहे हैं या बगीचे का निर्माण करने जा रहे हैं, तो इसके लिए आपको कुछ विशेष नक्षत्रों का इंतजार करना होगा। जिनमें स्वाति, उत्तरा, हस्त, रोहिणी और मूल नक्षत्र को सबसे सर्वोत्तम बताया गया है। अगर आप इन नक्षत्रों में पेड़ लगाते हैं तो यह पेड़ आपके जीवन में खुशहाली लेकर आएंगे।

पेड़ लगाते समय दिशा का ध्यान

अगर आप वृक्षारोपण करने जा रहे हैं, तो आपको यह जानना अत्यंत आवश्यक है कि वह वृक्ष सही दिशा में लगें। अगर आपके घर में बगीचे के लिए जगह छोड़ी जा रही है, तो आप को ध्यान रखना चाहिए कि वह जगह वाम पार्श्व होना चाहिए। नेत्रत्व या अग्नि कोण में बगीचे का निर्माण करना अशुभ बताया जाता है और कहा जाता है कि इसका दुष्प्रभाव पूरे घर के ऊपर पड़ता है।

इसके साथ ही ध्यान देने वाली बात यह है कि घर के पूर्व दिशा में कभी भी बड़े और विशाल पेड़ पौधों को नहीं लगाना चाहिए। अगर भूलवश आपसे ऐसा हो गया है तो इस भूल के दुष्परिणाम को कम करने के लिए आपको घर के उत्तर दिशा में आंवला, हरश्रृंगार, तुलसी और अमलतास के पौधों का रोपण करना चाहिए।

वृक्ष फल नहीं दे रहे हों तो करें यह उपाय

अगर आपके घर के आस-पास फलदार वृक्ष लगे हुए हैं और वह फल नहीं दे रहे हैं, तो वास्तु शास्त्र के अनुसार इन पौधों या पेड़ों की जड़ों में मूंग, उड़द, कुलथी, तिल और जौ मिलाकर पानी तैयार करना चाहिए और इस पानी को वृक्षों की जड़ों में डालना चाहिए।

जमीन संबंधी परेशानी दूर करने के लिए

जिस जमीन पर आपका आवास बना हुआ है, उस पर यदि कोई दोष है, तो इस दोष को दूर करने के लिए आपको 'आंवले' का पौधा अपने आवास के आसपास जरूर लगाना चाहिए।

चंद्रमा की पीड़ा को दूर करने के लिए

अगर आपके ऊपर चंद्रमा की पीड़ा है, या चंद्रमा का कष्ट है, तो इस कष्ट को दूर करने के लिए आपको अपने घर के पास 'गूलर' का पौधा लगाना चाहिए। ऐसा करने से चंद्रमा के दुष्प्रभाव का असर आपके ऊपर कम हो जाता है।

मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए

माता लक्ष्मी की कृपा आपके ऊपर बनी रहे, इसके लिए आपको अपने घर के पास बेल यानी कि बिल्व का पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। कहा जाता है कि बेल के पेड़ पर माता लक्ष्मी का निवास होता है और घर के आस-पास इस पेड़ को अगर लगाया जाए, तो माँ लक्ष्मी आपसे प्रसन्न रहती हैं।

घर के आसपास इन पेड़ - पौधों को लगाने से बचें

- अगर आपके घर के आसपास केला, बेर और बाँझ अनार के वृक्ष हों तो आपके ऊपर इनका नकारात्मक असर पड़ता है। कहा जाता है कि इन तीनों वृक्षों की वजह से आपकी संतान के ऊपर हमेशा कष्ट बना रहता है।

- इसके अलावा कैक्टस के पौधों को भी कभी भी अपने आवासीय परिसर में नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से आप हमेशा शत्रु बाधा से गिरे रह सकते हैं और आपके ऊपर धन हानि का योग भी बना रहेगा।

- अपने आवासीय परिसर में कभी भी कंचन, पलाश, अर्जुन के पेड़ नहीं लगाने चाहिए। इन पेड़ों से नकारात्मक शक्ति निकलती है और यह अशांति के कारक होते हैं।

हालाँकि पेड़ -पौधे हमारे जीवन दाता हैं। इनसे मिलने वाली ऑक्सीजन से ही हम जिंदा रहते हैं, इसलिए अपने आसपास अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाएं। लेकिन वास्तु के इन नियमों का ध्यान अवश्य रखें।

क्यों 'स्वाहा' बोले बिना नहीं मिलता है यज्ञ का फल

ऐसी ही एक कथा के अनुसार कहा जाता है कि 'स्वाहा' राजा दक्ष की पुत्री थीं, जिनका विवाह अग्निदेव के साथ संपन्न कराया गया था। इसीलिए अग्नि में जब भी कोई चीज समर्पित करते हैं, तो बिना स्वाहा का नाम लिए जब वह चीज समर्पित की जाती है, तो अग्निदेव उसे स्वीकार नहीं करते हैं।

भारत शुरू से ही ऋषि-मुनियों का देश रहा है। यहां होने वाले धार्मिक क्रियाकलाप का आयोजन ऋषि परंपरा की ही देन है।

पहले के समय में तमाम ऋषि -धर्मात्मा यज्ञ, हवन जैसे धार्मिक अनुष्ठान के द्वारा मानवता के कल्याण के उपाय करते ही रहते थे। आज भी हम अपने घर में जब भी कोई शुभ कार्य होता है, तो यज्ञ- हवन जरूर कराते हैं। कहते हैं कि कोई भी पूजा-पाठ बिना हवन के संपन्न नहीं होता है। वहीं जब भी आप अपने घर में या कहीं भी हवन होते हुए देखते होंगे तो आपने एक बात पर गौर जरूर किया होगा कि हवन कुंड में हवन सामग्री डालने के बाद 'स्वाहा' शब्द बोलना अनिवार्य बताया जाता है।

अगर आपको लगता है कि पंडित जी यूं ही 'स्वाहा' बोलने को कह रहे हैं, तो हम आपकी जानकारी के लिए बता दें, कि किसी भी यज्ञ में अगर 'स्वाहा' बोले बगैर यज्ञ सामग्री डाली जाती है तो वह यज्ञ सामग्री देवताओं को प्राप्त नहीं होती है। और हमारा यज्ञ अधूरा रह जाता है।

आइये जानते हैं इसके पीछे का रहस्य...

हवन के समय 'स्वाहा' बोले के पीछे की प्राचीन कथा

हमारे धार्मिक ग्रंथों में 'स्वाहा' को लेकर तमाम तरह की किवदंती प्रचलित हैं।

ऐसी ही एक कथा के अनुसार कहा जाता है कि 'स्वाहा' राजा दक्ष की पुत्री थीं, जिनका विवाह अग्निदेव के साथ संपन्न कराया गया था। इसीलिए अग्नि में जब भी कोई चीज समर्पित करते हैं, तो बिना स्वाहा का नाम लिए जब वह चीज समर्पित की जाती है, तो अग्निदेव उसे स्वीकार नहीं करते हैं।

ऐसे ही एक और कथा प्रचलित है, जिसमें कहा जाता है कि प्रकृति की एक कला के रूप में स्वाहा का जन्म हुआ था, और स्वाहा को भगवान कृष्ण से यह आशीर्वाद प्राप्त था कि देवताओं को ग्रहण करने वाली कोई भी सामग्री बिना स्वाहा को समर्पित किए देवताओं तक नहीं पहुंच पाएगी। यही वजह है कि जब भी हम अग्नि में कोई खाद्य वस्तु या पूजन की सामग्री समर्पित करते हैं, तो 'स्वाहा' का उच्चारण करना अनिवार्य होता है।

ऐसी ही एक अन्य कथा का वर्णन मिलता है, जिसमें यह बताया गया है कि एक बार देवताओं के पास अकाल पड़ गया और उनके पास खाने-पीने की चीजों की कमी पड़ने लग गई। इस विकट परिस्थिति से बचने के लिए भगवान ब्रह्मा जी ने यह उपाय निकाला कि धरती पर ब्राह्मणों द्वारा खाद्य-सामग्री देवताओं तक पहुंचाई जाए।

इसके लिए अग्निदेव का चुनाव किया गया, क्योंकि यह ऐसी चीज है जिसमें जाने के बाद कोई भी चीज पवित्र हो जाती है।

वैज्ञानिकों ने चेताया, तेजी से बढ़ रहे ओमिक्रॉन के मामले

फरवरी में आ सकती है तीसरी लहर, रोजाना आ सकते हैं एक से दो लाख तक मामले

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के नए वैरिएंट की दस्तक के बीच नेशनल सुपरमॉडल कमेटी ने अंदेशा जताया है कि ओमिक्रॉन वैरिएंट की वजह से अगले साल की शुरूआत में देश में तीसरी लहर आ सकती है। अभी देश में रोजाना करीब कोरोना वायरस के 7500 मामले सामने आ रहे हैं। घातक डेल्टा वायरस की जगह अब ओमिक्रॉन लेता जा रहा है। कमेटी के अध्यक्ष विद्यासागर ने कहा कि भारत में ओमिक्रॉन वायरस की तीसरी लहर आएगी लेकिन ये दूसरी लहर के मुकाबले कम घातक होगी। उन्होंने कहा कि अगले साल फरवरी की शुरूआत में तीसरी लहर आने का अंदेशा है। हालांकि ये दूसरी लहर के मुकाबले हलका होगा लेकिन ये आएगा जरूर। आईआईटी हैदराबाद में प्रोफेसर विद्यासागर ने कहा कि इसके कम ही आसार हैं कि देश में दूसरी लहर से अधिक दैनिक मामले सामने आएंगे। सरकार की तरफ से सभी व्यस्कों को मार्च से ही टीका लगाने का अभियान जारी है जब डेल्टा वैरिएंट ने दस्तक दी थी। डेल्टा वायरस ने तभी लोगों पर हमला कर दिया था जब टीका लगने की शुरूआत ही हुई थी। टीकाकरण से उन्होंने कहा कि सीरो सर्वे के मुताबिक, एक छोटा हिस्सा डेल्टा वायरस के संपर्क में नहीं आया था। अब हमारे पास 75 से 80 फीसदी सीरो प्रीवेलेंस है। करीब 85 फीसदी व्यस्कों को पहला टीका लग चुका है और 55 फीसदी व्यस्क दोनों डोज ले चुके हैं। प्रो. विद्यासागर ने कहा, इसलिए तीसरी लहर में दूसरी लहर की तरह बड़ी संख्या में दैनिक मामले सामने नहीं आएंगे। हमारे पास अब इससे निपटने के लिए अधिक अनुभव भी है इसलिए हमें ज्यादा दिक्कत नहीं आएगी। इस संबंध में और जानकारी देते हुए प्रो. विद्यासागर ने कहा कि संक्रमण की संख्या दो तथ्यों पर निर्भर करेगी, पहला ये कि ओमिक्रॉन नेचुरल इम्युनिटी को कितना भेदने में सक्षम होगा जिसे डेल्टा से लड़ाई में हासिल किया गया था। दूसरा, वैक्सीनेशन के बाद भी ओमिक्रॉन किस स्तर तक इम्युनिटी को प्रभावित करने में सक्षम होगा। ये दोनों ही तथ्य अभी सामने नहीं आए हैं। इसलिए अभी तरह तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बुरी से बुरी स्थिति में भी भारत में 2 लाख से अधिक दैनिक मामले सामने नहीं आएंगे। पैनल के एक और सदस्य मनिंदा अग्रवाल ने एएनआई से कहा कि भारत में एक से दो लाख तक दैनिक मामले आ सकते हैं जो दूसरी लहर से कम ही है। *एजेंसी*

केजरीवाल के हमले के बाद सिद्धू का पलटवार

चंडीगढ़। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल पंजाब में चुनाव से पूर्व सक्रिय हो गए हैं और कांग्रेस को निशाना बना रहे हैं। पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिद्धू भी उनके हमले को लेकर पलटवार करने से नहीं चूक रहे हैं। दोनों के बीच शाब्दिक जंग तेज हो गई है। केजरीवाल के ट्वीट के बाद नवजोत सिद्धू ने जवाबी हमला बोला है। सिद्धू ने कहा है कि पंजाब माडल आपके जैसे खाली वायदों और अनुमानों पर नहीं बल्कि जरूरी उद्देश्यों पर बनाया गया है। रेत माइनिंग में 20,000 करोड़ नहीं बल्कि 2000 करोड़ की सामर्थ्य है जबकि शराब में 30,000 करोड़ की संभावना है, जिसका उन्होंने दिल्ली में निजीकरण किया है और दीप मल्होत्रा और चड्ढा जैसे लोगों को मुफ्त दी हुई है। सिद्धू ने कहा कि सिर्फ मतदान में दिखाई देने वाला राजनीतिक सैलानी पंजाब की जमीनी हकीकत को कभी नहीं जान सकता। 5 वर्ष जब 'आप' पंजाब से दूर थी तो उन्होंने रेत माइनिंग नीति बनाई, इसको माइनिंग माफिया विरुद्ध लागू करने के लिए लड़ा और लोगों के मुद्दे उठाए तब आप सिर झुका कर ड्रग माफिया से माफी मांगते रहते थे।

'स्पाइडर मैन: नो वे होम' की टिकिट मांगने पर ट्रोल हुई शिल्पा

नई दिल्ली। शिल्पा शेट्टी सोशल मीडिया पर 'स्पाइडर मैनः नो वे होम' की टिकिट मांगने पर ट्रोल हो गई हैं। शिल्पा ने अपने अकाउंट से एक रील पोस्ट करी है, इस पोस्ट में शिल्पा स्पाइडर मैन की कॉस्ट्यूम पहने एक शख्स से फिल्म की टिकिट मांग रही है। उनकी एक्टिंग को देख नेटिजन्स ने ट्रोल करना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, ओवरएक्टिंग का पैसा काट इसका। वहीं दुसरे यूजर ने लिखा, कुंद्रा जी बाहर आ गए क्या मैम। *एजेंसी*

खास खबर

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस नानावटी का निधन

नई दिल्ली। 1984 के सिख विरोधी और 2002 के गोधरा दंगों की जांच करने वाले सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस गिरीश ठाकोरलाल नानावटी का शनिवार को निधन हो गया। परिजनों के मुताबिक, 86 साल के नानावटी का गुजरात में शनिवार दोपहर करीब सवा एक बजे हृदय गति रुकने से निधन हो गया। जस्टिस नानावटी का जन्म 17 फरवरी 1935 को हुआ था। उन्होंने साल 1958 में बॉम्बे हाई कोर्ट से अपनी लीगल प्रैक्टिस शुरू की थी। साल 1979 में उन्हें गुजरात हाई कोर्ट का जज नियुक्त किया गया था। इसके बाद 1993 में उन्हें उड़ीसा हाई कोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। 6 मार्च 1995 को सुप्रीम कोर्ट में जज बनने से पहले उन्होंने उड़ीसा, गुजरात और कर्नाटक हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस का भी पद संभाला। वे 16 फरवरी, 2000 को सुप्रीम कोर्ट से रिटायर हुए थे।

नवी मंबई के एक स्कूल के 18 छात्र कोरोना संक्रमित

नवी मुंबई। नवी मुंबई के घणसोली इलाके में स्थित एक स्कूल के 18 छात्र कोरोना संक्रमित पाए गए हैं. सभी छात्र 8 वीं से 11वीं कक्षा में पढ़ते हैं. इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के संक्रमित होने के बाद हडकंप मच गया है. नवी मुंबई मनपा आयुक्त ने एक हफ्ते के लिए स्कूल को बंद करने का आदेश दिया है. सूत्रों के मुताबिक इस स्कूल में पढ़ने वाले एक छात्र के पिता कुछ दिन पहले कतर से भारत लौटे थे. अहतियायत के तौर पर विदेश से लौटे इस शख्स समेत उनके पूरे परिवार का कोविड टेस्ट किया गया है. इस टेस्ट में शख्स की कोविड रिपोर्ट निगेटीव आई लेकिन जांच में बेटा पॉजिटिव पाया गया है. बच्चा जिस स्कूल में पढ़ता था, वहां के करीब 650 विद्यार्थीयों का कोविड टेस्ट किया गया. इसमें 18 विद्यार्थियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है. शनिवार को 102 स्कूली शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों का कोरोना टेस्ट किया गया। वहीं स्कूल में पढ़ने वाले सभी छात्रो तथा उनके अभिभावकों का भी परीक्षण किया जा रहा है।

अब राहुल गांधी बन सकते हैं प्रधानमंत्री

पलटूराम बने प्रशांत किशोर

नई दिल्ली। बीते कुछ दिनों से कोई ऐसा मौका नहीं रहा जब चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कांग्रेस पर प्रहार नहीं किया हो, कांग्रेस और उसके नेतृत्व पर लगातार सवाल उठाने वाले पीके अपने ही बयान से पलटते नजर आ रहे हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री बन सकते हैं। इसके साथ ही यूपी चुनाव को लेकर भी पीके ने भविष्यवाणी की है। यूपी चुनाव को लेकर पीके ने कहा कि बीजेपी 2017 के मुकाबले प्रदेश में अधिक सीटें ला सकती है।साथ ही कहा कि लेकिन यह कोई गारंटी नहीं है, कि जो साल 2022 में जीतेगा वहीं 2024 में भी जीतेगा। प्रशांत किशोर फिर बिहार के सीएम नीतीश कुमार के साथ काम करना चाहते हैं।उनके बयान के बाद फिर बिहार के सियासी गलियारों में अटकलें तेज हो गई। दरअसल, प्रशांत किशोर से ये पूछा गया कि देश में सबसे बेहतर नेता कौन हैं? इस सवाल का जवाब तब उन्होंने नहीं दिया। लेकिन जब प्रशांत किशोर के सामने ये विकल्प दिया गया कि किन नेताओं के साथ वहां फिर काम करना पसंद करने वाले हैं, जिसमें विकल्प के रूप में पीएम मोदी, सीएम नीतीश कुमार और पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह में से किसी एक चुनना था। पीके ने सीएम नीतीश कुमार को चुना। बातचीत में प्रशांत किशोर ने आगामी लोकसभा चुनाव और विपक्ष की मजबूती पर राय रखते हुए कहा कि पीएम मोदी को हराने के लिए 4 एम की जरूरत है। *एजेंसी*

कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा विवाद से बेलगावी में बढ़ा तनाव, धारा 144 लागू

बेलागवी। कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच चल रहे सीमा विवाद ने हालात चिंताजनक कर दिए है। बढ़ते तनाव के बीच बेलागवी में बड़ी सभाओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। बता दें कि बुधवार रात बेंगलुरु में छत्रपति शिवाजी की एक मूर्ति पर स्याही फेंक दी गई थी। इससे पहले गुरुवार को कोल्हापुर में उपद्रवियों ने कन्नड़ झंडे को जला दिए थे। बढ़ते तनाव को देखते हुए शहर में धारा-144 लगा दी गई है। बता दें, कि बेलगावी का महाराष्ट्र में विलय करने की मांग की जाती रही है। इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में मराठी भाषी लोग रहते हैं। महाराष्ट्र समर्थक कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार रात बेलगावी के संभाजी सर्किल में विरोध प्रदर्शन किया और शिवाजी की प्रतिमा को स्याही से दागने में शामिल लोगों की गिरफ्तारी की मांग की। विरोध हिंसक हो गया और पथराव में एक दर्जन से अधिक सरकारी वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। बेलगावी में स्वतंत्रता सेनानी संगोली रायन्ना की प्रतिमा को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। कर्नाटक के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने कहा, मैंने पुलिस को निर्देश दिया है कि यहां बेलगावी में सांगोली रायन्ना की प्रतिमा को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

सभी मित्र देशों को बता गया हैं कि सैन्य हार्डवेयर का उत्पादन देश में करना होगा: राजनाथ

रक्षामंत्री ने कहा कि अमेरिका, रूस और फ्रांस सहित दुनिया के ज्यादातर देश भारत के मित्र हैं

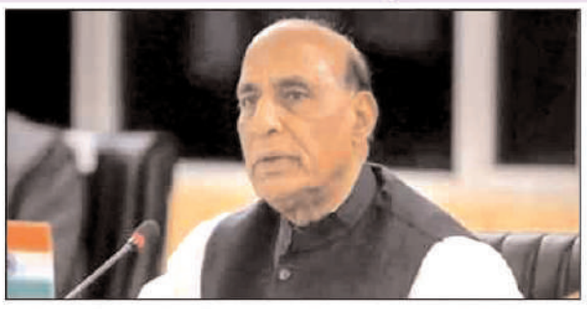

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत ने अमेरिका, रूस, फ्रांस और अपने कई सहयोगी देशों को स्पष्ट बता दिया है कि कई सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए, भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा आवश्यक सैन्य मंच (प्लेटफॉर्म) और उपकरण देश में निर्मित किए जाने हैं। क्षेत्रीय भू-राजनीतिक घटनाक्रमों का जिक्र कर सिंह ने कहा कि ईश्वर ने भारत को कुछ इसतरह के पड़ोसी दिए हैं, जो इसकी वृद्धि को देखकर अच्छा महसूस नहीं करते हैं और जो विभाजन से पैदा हुआ वह भारत के विकास की चिंता में कमजोर होता जा रहा है। रक्षामंत्री ने कहा कि अमेरिका, रूस और फ्रांस सहित दुनिया के ज्यादातर देश भारत के मित्र हैं। इस संदर्भ में, उन्होंने कहा भारत ने साथ ही उन्हें यह स्पष्ट कर दिया कि भारतीय सशस्त्र बलों के लिए आवश्यक सैन्य हार्डवेयर का उत्पादन देश में करना होगा। उन्होंने कहा, ह्यह्यहमने हर मित्र देश से कहा है कि हम देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारत में ही सैन्य मंच, हथियार और गोला-बारूद का उत्पादन करना चाहते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि सैन्य उपकरण बनाने वाले देशों को संदेश दिया गया है कि कम मेक इन इंडिया, कम मेक फॉर इंडिया और कम मेक फॉर द वर्ल्ड। एक उदाहरण का हवाला देकर राजनाथ सिंह ने कहा कि फ्रांस की रक्षा मंत्री फ्लोरेंस पार्ली के साथ बातचीत के बाद सहमति बनी थी कि एक प्रमुख फ्रांसीसी कंपनी रणनीतिक साझेदारी मॉडल के तहत भारतीय कंपनी के साथ मिलाकर भारत में एक इंजन का उत्पादन करेगी। हालांकि उन्होंने इस संबंध में विस्तार से नहीं बताया। सिंह ने कहा कि भारत इन देशों के साथ दोस्ती बनाए रखेगा लेकिन साथ ही भारतीय धरती पर प्रमुख 'प्लेटफार्म' के उत्पादन पर जोर देने से नहीं हिचकिचाएगा। उन्होंने कहा, हम दोस्ती बनाए रखने वाले हैं, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट कर दें कि जो भी सैन्य उपकरण, हथियार और गोला-बारूद की जरूरत है, वह भारत में उत्पादित किया जाना है। उन्होंने कहा, मैं इस बहुत स्पष्ट और विश्वास के साथ बताता हूं। आपको यह जानकर खुशी होगी कि मुझे उनकी ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। रक्षामंत्री ने घरेलू रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए 209 सैन्य उपकरणों का आयात नहीं करने के सरकार के फैसले का भी उल्लेख कर संकेत दिया कि सूची के तहत इन वस्तुओं की संख्या लगभग 1,000 को छू सकती हैं। उन्होंने कहा, जब मैं 'इंडिया बियॉन्ड 75' की बात करता हूं, तो मेरा मानना है कि यह सकारात्मक सूची इस दशक में लगभग 1000 वस्तुओं की होगी। मैं इसे लेकर बहुत सकारात्मक हूं। रक्षा मंत्री ने निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के बीच निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता के बारे में भी बात की और 200 साल से अधिक पुराने आयुध निर्माणी बोर्ड के निगमीकरण को स्वतंत्रता के बाद रक्षा क्षेत्र में सबसे बड़ा सुधार बताया।

गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने राजनीति में आने का किया ऐलान

संयुक्त संघर्ष पार्टी का नाम

चंडीगढ़। किसान आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने संयुक्त संघर्ष पार्टी के नाम से पार्टी बनने का ऐलान कर दिया है। चंडीगढ़ में पार्टी की घोषणा करते हुए चढ़ूनी ने कहा कि राजनीति प्रदूषित हो गई है। पूंजीवाद को बढ़ावा देने वाले नीति निमार्ताओं, पूंजीपतियों के पक्ष में नीतियां बनाई जा रही हैं। आम आदमी, गरीबों के लिए कुछ नहीं किया,इसकारण हम अपनी नई पार्टी लांच कर रहे हैं। चढ़ूनी किसान आंदोलन खत्म होने के बाद सियासी जमीं पर हाथ आजमाएंगे। चढ़ूनी ने राजनीति में आने की घोषणा कर दी थी। हालांकि इस बात का खंडन भी लगातार करते रहे।लेकिन शनिवार को उन्होंने चंडीगढ़ से अधिकारिक रूप से पार्टी का ऐलान कर दिया है। तीन कृषि कानूनों को रदद करने के बाद भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। चढ़ूनी ने कहा कि तानाशाही को खत्म करने के लिए राज बदलना होगा।इसतरह के लोगों को राजनीति में आगे लाना होगा जो सही मायने में देश व जनता का भला कर सकें। उन्होंने कहा कि अगले दो चार दिनों में ही पंजाब में अपनी पार्टी की घोषणा करुंगा। उन्होंने कहा कि अगर प्रदेश में टोल टैक्स में बढ़ोतरी की गई,तब भारतीय किसान यूनियन इसका डटकर विरोध करेगी। *एजेंसी*

दिल्ली से बनारस के बीच दौड़ेगी बुलेट ट्रेन! बजट में हो सकता है ऐलान

अगले साल से देश में शुरू हो सकता है दो और बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का काम

नई दिल्ली। मोदी सरकार अपने महत्वाकांक्षी बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का विस्तार करने के मूड में है। मुंबई-अहमदाबाद के बीच प्रस्तावित पहले बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का काम भले ही धीमी रफ्तार से चल रहा हो लेकिन सरकार दो और बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को जल्द ही मंजूरी दे सकती है। अंग्रेजी अखबार हिंदुस्तान टाइम्स ने सरकारी सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है। देश की राजधानी दिल्ली और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के बीच भी बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट शुरू करने का ऐलान अगले बजट में हो सकता है। न्यूज रिपोर्ट में सरकार की योजना से वाकिफ दो अधिकारियों के हवाले से बताया है कि अगले साल से दो और बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की शुरूआत हो सकती है। अधिकारियों ने नाम जाहिर न करने की शर्त पर बताया है कि 2022-23 के बजट में नई दिल्ली-वाराणसी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का ऐलान हो सकता है। इसके अलावा मुंबई से नागपुर के बीच भी बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का ऐलान किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, नई दिल्ली-वाराणसी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए रेलवे को डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट मल चुकी है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड नवंबर में ही इससे जुड़ी डीपीआर रेलवे को सौंप चुकी है। न्यूज रिपोर्ट में नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रवक्ता के हवाले से बताया है कि मुंबई-नागपुर कॉरिडोर की सीडीआर अंतिम चरण में है और अगले वित्त वर्ष के शुरूआती महीनों में ये रेलवे को सौंपी जा सकती है। शुरूआती अनुमानों के मुताबिक दिल्ली-वाराणसी बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये की लागत आएगी। वहीं मुंबई-नागपुर कॉरिडोर पर इससे थोड़ी कम लागत आएगी। *एजेंसी*

राम रहीम पूछताछ में नहीं कर रहा सहयोग, दोबारा हिरासत जरूरी, एसआईटी ने हाईकोर्ट को बताया

चंडीगढ़। हरियाणा के सिरसा डेरा प्रमुख राम रहीम की परेशानी बढ़ सकती है। दरअसल, श्री गुरु ग्रंथ साहिब के पावन स्वरूप की बेअदबी के मामले में राम रहीम द्वारा प्रोडक्शन वारंट के खिलाफ दाखिल अपील पर सुनवाई के दौरान एसआईटी ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में कहा कि राम रहीम से जेल में पूछताछ की गई थी, लेकिन वह जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। इसके साथ कहा कि वह सवालों को टाल रहा था और सही जवाब नहीं दे रहा था। ऐसे में अब उसे हिरासत में लेकर दोबारा पूछताछ जरूरी है। इसके साथ एसआईटी ने हाईकोर्ट में कहा, गवाहों के बयान के मुताबिक डेरे में साजिश रची गई थी, लेकिन राम रहीम पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहा है। इसलिए फिर से पूछताछ करनी पड़ेगी। इसके लिए वह राम रहीम को कस्टडी में लेना चाहती है। वहीं, एसआईटी ने अपने जवाब गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के मामले का भी जिक्र करते हुए कहा कि जब बिश्नोई को प्रोडक्शन वारंट पर लाया जा सकता है तो राम रहीम को भी लाया जा सकता है।

बता दें कि बुर्ज जवाहर सिंह वाला गुरुद्वारा से गुरु ग्रंथ साहिब की प्रति चोरी, बरगाड़ी और बुर्ज जवाहर सिंह वाला में हाथ से लिखे हुए अपवित्र पोस्टर लागना और बरगाड़ी में पवित्र किताब के फटे हुए पन्ने मिलने से जुड़े तीन मामलों को तब भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल की सरकार ने सीबीआई को सौंप दिया था। हालांकि पंजाब सरकार ने सितंबर 2018 में जांच एसआईटी को दी थी। यह मामला करीब साढ़े पांच साल पुराना है।

हिमाचल- शिमला शीत लहर की चपेट में, तोड़ा 5 साल का रिकॉर्ड

हिमपात से जगी व्हाइट क्रिसमस की आस

शिमला। हिमाचल प्रदेश शीत लहर के कहर से जूझ रहा है यहां ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात ने लोगों की मुश्किलें बढ़ादी हैं। शनिवार को ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात के चलते पूरा प्रदेश शीत लहर की चपेट में आ गया है। शिमला जिले के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल कुफरी और नारकंडा में भी बर्फ के फाहे गिरे। शिमला में ठंड प्रचंड है, न्यूनतम तापमान माइनस 0.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के निदेशक सुरेंद्र पॉल के अनुसार, ठंड ने पिछले 5 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है। दिसबंर 2015 में इस तरह की ठंड महसूस की गई थी। ताजा बर्फबारी के चलते राजधानी शिमला में सैलानियों आमद में बढ़ोतरी की उम्मीद है। वीकेंड पर पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से सैलानी शिमला पहुंच रहे हैं। शिमला के होटलों में 60 फीसदी से ज्यादा बुकिंग चल रही है। क्रिसमस और न्यू ईयर पर शिमला के होटल पूरी तरह से पैक होने का अनुमान है। एडवांस बुकिंग का सिलसिला भी जारी है।

मौसम विभाग के अनुसार 18 से 22 दिसबंर तक मौसम साफ रहने का पूवार्नुमान है। 23 दिसंबर से पश्चिम विक्षोभ के सक्रिय होने से हिमपात की संभावना है। उम्मीद है कि 25 दिसंबर को व्हाइट क्रिसमस की आस पूरी हो सकती है। शुक्रवार को चंबा, कांगड़ा, शिमला, लाहौल-स्पीति और किन्नौर जिले के कई इलाकों में हिमपात हुआ। मौसम विभाग ने राजधानी शिमला, कांगड़ा और चंबा जिले में ठंडी हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है। शिमला समेत हिमाचल प्रदेश के 6 शहरों में न्यूनतम पारा माइनस में पहुंच गया है। केलांग, कल्पा, डलहौजी और कुफरी में तापमान शून्य से नीचे चल रहा है।

बर्फबारी के बाद पैदा होने वाले हालात से निपटने के लिए राज्य सरकार ने कमर कस ली है। सड़कों को खोलने और फिसलन से निपटने के लिए तैयारियों की जा रही हैं। शिमला की जिन सड़कों पर कोहरा जमने और फिसलन बढ़ने की समस्या है, उन स्थानों पर सड़क किनारे रेत के ढेर लगा दिए गए हैं। सरकार ने लोक निर्माण विभाग के साथ जिला उपायुक्तों को जरूरी निर्देश जारी कर दिए हैं।

कराची के प्राइवेट बैंक में जोरदार धमाका 12 की मौत

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कराची शहर के परचा चौक के नजदीक हुए एक ब्लास्ट में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई है। इस विस्फोट में 12 लोग घायल हो गए हैं जिन्हें नजदीकी हॉस्पिटल ले जाया गया है। घायलों में 4 लोगों की हालात नाजुक बताई जा रही है। फिलहाल खोज और बचाव अभियान जारी है और ऐसे में मरने वालों की संख्या अधिक हो सकती है। पुलिस अधिकारी जफर अली शाह ने जानकारी दी है कि विस्फोट एक प्राइवेट बैंक के नीचे एक नाली में हुआ। जिसे परिसर खाली करने के लिए नोटिस दिया गया था ताकि नाले को साफ किया जा सके। शाह ने कहा कि विस्फोट में बैंक की इमारत और पास का एक पेट्रोल पंप क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारी ने कहा कि ऐसा संदेह है कि इमारत के नीचे नाले में गैसों के जमा होने से विस्फोट हुआ। पुलिस प्रवक्ता ने बाद में बताया है कि विस्फोट स्थल की जांच के लिए एक बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वाड को बुलाया गया था। स्क्वाड द्वारा रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद ब्लास्ट के पीछे का कारण निर्धारित किया जा सकता है। पुलिस ने एक बयान में कहा कि इससे पहले अधिकारी विस्फोट स्थल पर पहुंचे और इलाके की घेराबंदी कर दी। विस्फोट के फुटेज में क्षतिग्रस्त इमारत और जमीन पर मलबा दिखाई दे रहा है। मलबा हटाने की कोशिश में स्थानीय लोग भी सहयोग कर रहे हैं।

यूपी चुनाव : हिंदुत्व, हिंदुस्तान की बात कर सत्ता का 'कॉरिडोर' तैयार करते रहे भाजपा दिग्गज

झांसी। विधानसभा चुनाव से पहले जनसमर्थन जुटाने के लिए शुरू हुई जन विश्वास यात्रा से पहले जनसभा में भाजपा दिग्गज हिंदुत्व और हिंदुस्तान की बात कर सत्ता का कॉरिडोर तैयार करते रहे। रक्षामंत्री से लेकर उप मुख्यमंत्री तक के भाषणों में नए भारत, सुरक्षित सीमाएं, आक्रामक सैन्य कार्रवाइयों से लेकर सनातन धर्म पर भी बात हुई। जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान पर भारत द्वारा की गई सर्जिकल और एयर स्ट्राइक की बात कर बदले हुए हिंदुस्तान की तस्वीर पेश की। दो टूक कहा कि भारत को तोड़ने, कमजोर करने की साजिश करने वाले पाकिस्तान को आगे भी मुंहतोड़ जवाब दिया जाता रहेगा। चीन पर बोले कि देश का मस्तक कभी झुकने नहीं देंगे, चाहें जितनी कुबार्नी क्यों न देनी पड़े। लोगों को समझाने की कोशिश करते रहे कि विकास के साथ-साथ देश के स्वाभिमान की रक्षा भी सरकार बखूबी कर रही है। सिंह ने संघ से लेकर भाजपा बनने तक एजेंडे में शामिल रहे धारा 370 हटाने, अयोध्या में भव्य राम मंदिर

बनाने का वादा पूरा कर देने की बात कहते हुए लोगों का ये विश्वास जीतने की कोशिश की कि भाजपा की कथनी-करनी में फर्क नहीं है। हुंकार भरी कि अनजाने में हमसे कोई चूक हो सकती है, मगर कोई माई का लाल भाजपा की नीयत, ईमान पर सवाल नहीं उठा सकता। वहीं, उप मुख्यमंत्री भीड़ से जातियों में न बंटने का आह्वान करते दिखे। कहा कि अब क्षेत्रवाद, परिवारवाद, जातिवाद, संप्रदायवाद नहीं, भाजपा का विकासवाद चलने वाला है। अयोध्या में दिवाली पर दीपोत्सव, मथुरा में रंगोत्सव, भव्य कुंभ के आयोजनों का जिक्र कर हिंदुत्व को धार देते रहे। चुनावी मंच पर भाजपा की सोशल इंजीनियरिंग भी देखने को मिली। अगड़े, पिछड़े, अनुसूचित जाति का प्रतिनिधित्व करने वाले दिग्गज नेताओं ने एक साथ रैली को संबोधित किया। भाजपा ने वैसे भी खासकर बुंदेलखंड में सभी जातियों को प्रतिनिधित्व देकर संतुलन बैठाने का काम किया है।

86 लाख बुजुर्गों व महिलाओं को एक जनवरी से दोगुनी पेंशन, हर महीने मिलेंगे 1000 रुपये

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 86 लाख गरीब बुजुर्गों और निराश्रित महिलाओं को एक जनवरी से दोगुनी यानी एक हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन मिलने लगेगी। वहीं, 11 लाख दिव्यांगों को एक दिसंबर से ही इस सुविधा का लाभ मिलेगा। सभी को एक-एक हजार रुपये पेंशन मिलेगी। अभी 500 रुपये प्रतिमाह पेंशन मिलती थी। इसका शासनदेश जारी हो गया है। अनुपूरक बजट में पेंशन राशि बढ़ाए जाने की घोषणा की गई थी। समाज कल्याण विभाग के शासनादेश में कहा गया है कि कोविड महामारी के दौरान महंगाई और मुद्रा स्फीति संबंधी मुद्दों को ध्यान में रखते हुए वृद्धावस्था पेंशन बढ़ाए जाने का निर्णय लिया गया है। अभी 56 लाख बुजुर्गों को इसका लाभ मिल रहा है। वहीं, महिला कल्याण विभाग की प्रमुख सचिव अनीता सी मेश्राम की ओर से जारी शासनादेश में बताया गया है कि 20 लाख निराश्रित महिलाओं को पेंशन देने के लिए 425.25 करोड़ रुपये अतिरिक्त राशि की जरूरत होगी।

बफीर्ली हवाओं से उत्तर प्रदेश में शीतलहर का कहर जारी

लखनऊ। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के चलते उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में शीतलहर का कहर जारी है। बफीर्ली हवाओं के चलने के बाद मौसम विभाग ने आने वाले तीन दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी कर दिया है। आने वाले दिनों में धीरे धीरे ठंड बढ़ने वाली है। लखनऊ के आंचलिक मौसम विज्ञान विभाग के निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, अवध और बुंदेलखंड क्षेत्र के कुछ जिले मेरठ, सहारनपुर, शामली, बागपत, औरैया, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, हमीरपुर, महोबा, झांसी और आस पास के इलाकों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। आने वाले तीन दिनों के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेशमें दिन और रात दोनों में तापमान सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस तक कम रहेगा। राजधानी लखनऊ का न्यूनतम तापमान 6.7 डिग्री सेल्सियस तो वहीं अधिकतम तापमान 19.8

डिग्री सेल्सियस पर दर्ज हुआ है। वहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों सोनभद्र, मिजार्पुर, वाराणसी, प्रयागराज, चित्रकूट, बांदा, कौशांबी, गोंडा के आस पास ठंडी हवाओं का असर देखा जा सकता है। इस दौरान छोटे स्कूली बच्चों का खास ध्यान रखा जाना जरूरी है। वहीं, बड़े बुजुर्ग भी सावधानी बरतें। पश्चिमी विक्षोभ का असर उत्तर प्रदेश में नहीं है पश्चिमी विक्षोभ के कारण देश के पूर्वी राज्यों में बारिश की संभावना है। सर्द हवा के कारण रात के तापमान में गिरावट आई है। यूपी के दूसरे बड़े शहरों की तरह कानपुर में भी सुबह में कोहरा और धुंध का प्रकोप रहेगा लेकिन बाद में आसमान साफ हो जाएगा। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी सर्दी प्रदेश को लोगों को बहुत सताएगी। हालांकि इस दौरान मौसम साफ रहेगा लेकिन ठंड से कोई भी राहत मिलने की संभावना नहीं है। श्रीनगर और कश्मीर के कई हिस्सों में बर्फबारी हो रही है। तापमान भी शून्य से कई डिग्री नीचे दर्ज किया गया है।

एक क्लिक में मिले सरकार के सारे कानूनों की जानकारी : इलाहाबाद हाईकोर्ट

इलाहाबाद। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के कानूनों को सरकारी वेबसाइट पर अपलोड करने के मामले में उठाए गए कदमों को लेकर असंतोष जताया है। कोर्ट ने कहा कि सरकार ने जो संशोधन किए हैं वे पर्याप्त नहीं है। नए संशोधनों के साथ पुराने कानून की जानकारी नहीं दी गई है जिससे यह नहीं पता चल पाता है कि संशोधन क्या हुआ है। कोर्ट ने कहा कि ऐसी व्यवस्था की जाए जिससे एक ही क्लिक में सभी जानकारियां मिल जाएं। यह आदेश मुख्य न्यायमूर्ति राजेश बिंदल एवं न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल की खंडपीठ ने इस मामले में स्वतः कायम जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। इससे पूर्व कोर्ट ने राज्य सरकार को अपने कानूनों और उनमें किए गए संशोधनों को सरकारी वेबसाइट पर अपलोड करने का निर्देश? दिया था। कोर्ट ने कहा कि सरकार के बनाए कानून और उन कानूनों में हुए संशोधन का प्राइवेट प्रकाशकों द्वारा सही प्रकाशन न करने से न्यायिक व्यवस्था से जुड़े लोगों को परेशानी होती है। गलत प्रकाशित कानूनों के कारण कोर्ट को भी मुकदमों की सुनवाई के दौरान सही जानकारी नहीं मिल पाती है। कोर्ट ने कहा कि सरकार का यह दायित्व है कि वह अपने बनाए किसी भी कानून को सरकारी वेबसाइट पर अपलोड करे ताकि आम जनता व कानून के क्षेत्र से जुड़े लोगों को कानून की सही जानकारी मिल सके। कोर्ट के आदेश के अनुपालन में राज्य सरकार ने हलफनामा दाखिल कर बताया कि कानूनों को वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

आगरा दोहरा हत्याकांड: चंबल के बीहड़ से तीन आरोपी गिरफ्तार, 72 घंटे बाद मिले हत्यारोपी

आगरा। आगरा में खेड़ा राठौर के चित्तरपुरा गांव में गुरुवार को जमीन की रंजिश में चचेरे भाइयों महेश सिंह और दिनेश सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसमें कल्यान सिंह उर्फ कल्लू समेत 14 लोग नामजद हैं। घटना के 72 घंटे बाद रविवार को चंबल के बीहड़ से तीन आरोपियों को पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपियों में चित्तरपुरा के कल्यान सिंह उर्फ कल्लू, शिव कुमार और अशोक हैं। पुलिस के मुताबिक आलू के खेत की सिंचाई के लिए लेजम बिछाने और मेड़ काटे जाने के विवाद में दोहरा हत्याकांड हुआ था। मामले में 14 लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया गया था। एसएसपी सुधीर कुमार सिंह ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें गठित की थी। रविवार को नंदगवां तिराहे पर एसओ चित्राहाट महेंद्र सिंह भदौरिया, एसओ खेड़ा राठौर प्रेम सिंह भदौरिया के नेतृत्व वाली टीमों ने नंदगवां के चंबल के बीहड़ से तीन आरोपियों को पकड़ लिया। पुलिस ने उनके पास से दो तमंचा, पांच कारतूस और एक बल्लम बरामद की है। क्षेत्राधिकारी बाह रविंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने अपना गुनाह

कबूल कर लिया है। सीओ ने बताया कि फरार चल रहे 11 अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। जमीन की रंजिश में हुई दिनेश और महेश सिंह की हत्या के बाद पत्नी और बच्चे बेहाल है। घटना के बाद से ही दिनेश की पत्नी ममता और महेश की पत्नी कलावती ने अन्न जल छोड़ रखा है। इससे रविवार की सुबह दिनेश की पत्नी ममता अचेत हो गई। हालत बिगड़ने पर उसे इलाज के लिए बाह सीएचसी पर भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि ब्लड प्रेशर बढ़ने से तबियत खराब हुई है। दोहरे हत्याकांड के चौथे दिन रविवार को भी चित्तरपुरा गांव की गलियां सूनी पड़ी रहीं। वहीं अपने बेटों को खोने वाले दोनों परिवार अब भी अनहोनी की आशंका से चिंतित हैं। दिनेश सिंह के पिता अतर सिंह और महेश सिंह के पिता कमल सिंह ढांढस बधाने पहुंचने वालों से यही कहते हैं कि दो बेटे खो दिए हैं। पुलिस सभी आरोपियों को गिरफ्तार करे, जिससे उनके परिवार पर जान का खतरा न रहे। एसपी प्रोटोकॉल शिवराम यादव के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला है कि दिनेश और महेश को नजदीक से गोलियां मारी गई थीं। दिनेश को तीन गोली लगी हैं।

ग्रेटर नोएडा की 10 लाख आबादी को नए साल में मिलेगा गंगाजल

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के 10 लाख लोगों का 15 साल से गंगाजल मिलने का इंतजार नए साल में खत्म हो जाएगा। गंगाजल पहुंचाने के लिए सारी बाधाएं दूर हो गई हैं। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के नीचे से पाइप लाइन को पार कराने का काम रुक गया था। अब इस काम को पूरा कर लिया गया है। देहरा से लेकर ग्रेनो तक गंगाजल की सभी पाइप लाइन जोड़ दी गई हैं। देहरा स्थित प्लांट से टेस्टिंग सात अक्तूबर को शुरू हो चुकी है। फाइनल जांच जल्द शुरू हो जाएगी। ग्रेनो में 2005 गंग नहर के जरिए 85 क्यूसेक गंगाजल लाने की योजना शुरू हुई थी। 800 करोड़ रुपये की इस परियोजना से अभी तक लोगों को गंगाजल नहीं मिल पाया है। देहरा स्थित प्लांट में सात अक्तूबर से टेस्टिंग शुरू हो चुकी गई थी लेकिन ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के नीचे से पाइप लाइन को पार कराने में दिक्कत आई। एनएचएआई ने कुछ आपत्ति लगाई थी। इससे काम बाधित हो गया। बाद में एनएचएआई की सहमति से प्राधिकरण ने ट्रंचलेस विधि से काम करके पाइपलाइन को एक्सप्रेसवे पार कराने पर काम शुरू किया। पाइप लाइन जोड़ने से मात्र तीन मीटर पहले एक बड़ा पत्थर आ गया। प्राधिकरण के एसीईओ अमनदीप डुली ने बताया कि वरिष्ठ प्रबंधक जल व उनकी की टीम दिन-रात काम करके इसको पूरा किया। शनिवार को यह काम पूरा हो गया। साथ ही ग्रेनो तक पाइप लाइन को जोड़ने का काम पूरा हो गया है। पूर्व में देहरा से बिसाहड़ा तक लाइन की टेस्टिंग हो गई थी। अब आगे की टेस्टिंग शीघ्र शुरू होगा। उम्मीद है कि नए साल में ग्रेटर नोएडावासियों को गंगाजल मिलने लगेगा।

स्कूल प्रबंधक ने लगवाया प्रियंका गांधी का नारा 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं'

फतेहपुर। यूपी के फतेहपुर जिले में स्कूली बच्चों को भी अब राजनीतिक मुद्दों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। देश का भविष्य कहे जाने वाले जिन बच्चों के हाथों में कलम-किताब होनी चाहिए, उन बच्चों के हाथों में स्कूल प्रबंधक ने कांग्रेस पार्टी की प्रचार सामग्री थमाकर उनसे राजनीतिक नारा लगवाया। हैरानी की बात यह है कि स्कूली बच्चों से राजनीतिक नारा लगवाने का वीडियो सामने आने के बाद भी जिला विद्यालय निरीक्षक ने स्कूल प्रबंधक के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। मामला हुसैनगंज थाना क्षेत्र के श्याम सुंदर तिवारी इंटर कॉलेज का है। रविवार की शाम से स्कूली छात्राओं का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देख सकते हैं कि स्कूल प्रांगण में खड़ी इन सैकडों छात्राओं के हाथों में कांग्रेस पार्टी की प्रचार सामग्री थमाई गई है। छात्राओं के पास खड़ा एक शख्स उनसे प्रियंका गांधी वाड्रा के नारे लड़की हूं लड़ सकती हूं का नारा लगवा रहा है।

लखीमपुर खीरी केस में तकनीकी कमी से आशीष मिश्रा की जमानत अर्जी वापस, साथियों की खारिज

लखीमपुर खीरी। देश में बेहद चर्चित लखीमपुर खीरी हिंसा कांड को लेकर लोकसभा के साथ राज्यसभा में जहां केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा की बर्खास्तगी की मांग हो रही है, वहीं जिला जज की कोर्ट में इस केस के मुख्य आरोपित मंत्री के पुत्र आशीष मिश्रा मोनू की जमानत अर्जी तकनीकी खामी के कारण वापस हो गई। इसके साथ ही इस मामले में उसके साथियों की जमानत अर्जी खारिज कर दी गई। लखीमपुर खीरी हिंसा के मामले में मुख्य आरोपित आशीष मिश्रा मोनू के खिलाफ बढ़ी धाराओं के मामले में सोमवार को जिला जज की कोर्ट में जमानत पर सुनवाई थी। खीरी हिंसा कांड के मुख्य आरोपित आशीष मिश्र मोनू के खिलाफ बढ़ी हुई धाराओं में उनके अधिवक्ता अवधेश कुमार सिंह ने शनिवार को जिला जज मुकेश मिश्रा की कोर्ट में दूसरी जमानत अर्जी दाखिल कर दी है। इस अर्जी पर आज सुनवाई हुई, लेकिन आशीष मिश्रा की अर्जी तकनीकी खामी के कारण वापस कर दी गई। इस केस में आशीष मिश्रा के साथ जेल में बंद उसके

साथियों अंकित दास, लतीफ ,सत्यम व नन्दन की जमानत अर्जी खारिज हो गई है। लखीमपुर खीरी के तिकुनियां हिंसा के मामले में किसानों की तरफ से दर्ज कराए गए केस में केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा मोनू समेत 13 लोग जेल में हैं। विवेचना में उस समय नया मोड़ आ गया जब 13 दिसंबर सोमवार को मामले के विवेचक विद्याराम दिवाकर ने सीजेएम कोर्ट में अर्जी देकर 279, 338, 304ए, आइपीसी की धाराओं को विलोपित करने व धारा 307, 326 आइपीसी, 3/25/30 सह पठित धारा 35 आर्म्स एक्ट की बढ़ोतरी की मांग की। सीजेएम ने सभी आरोपितों को 14 दिसंबर को जेल से तलब किया था। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद देर शाम सीजेएम चिंताराम ने खीरी हिंसा मामले में विवेचक की अर्जी स्वीकार करते हुए अनुमति दे दी। धाराओं की बढ़ोतरी के बाद आशीष मिश्र के अधिवक्ता ने 17 दिसंबर को सीजेएम कोर्ट में दूसरी जमानत अर्जी दाखिल की थी, जिसे सीजेएम ने खारिज कर दी थी। इसके बाद शनिवार को फिर दाखिल याचिका पर सुनवाई की गई।

लखनऊ में 2 दिन में कोरोना के 16 नए केस, 43 हुए एक्टिव केस

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर से कोरोना संक्रमण बढ़ने लगा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदेश में कोरोना के 43 नए मामले दर्ज हुए हैं। जिसमें लखनऊ में दो दिन में सर्वाधिक 16 मरीज मिलने से एक्टिव केस की संख्या 43 पहुंच गई है। वहीं, कोरोना के बढ़ते मरीजों और नए वेरिएंट ओमिक्रोन को देखते हुए लखनऊ जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। जिसके चलते रविवार से सभी डॉक्टरों, प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियों को निरस्त कर दिया है। कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए लखनऊ के आलमबाग, अलीगंज, सिल्वर जुबली और सरोजनी नगर क्षेत्रों को रेड जोन में रखा गया है। इन क्षेत्रों में सघन सर्विलांस, सैनिटाइजेशन और बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है। साथ ही रविवार से सभी अस्पतालों के कोविड वार्ड भी शुरू किए जाएंगे।

सपा नेताओं के हो रहे फोन टैप शाम को खुद रिकॉर्डिंग सुनते हैं योगी : अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव शुरू होने में अब करीब दो महीने का वक्त शेष है। ऐसे में तमाम पार्टियों ने अपनी जोर आजमाइश तेज कर दी है। रविवार को समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि योगी आदित्यनाथ सरकार उनकी पार्टी के नेताओं के फोन टैप करवा रही है और मुख्यमंत्री खुद शाम के वक्त इन रिकॉर्डिंग्स को सुनते हैं। यूपी में भाजपा सरकार के खिलाफ अखिलेश यादव का आरोप तब

आया है जब आयकर विभाग ने मऊ में सपा के राष्ट्रीय सचिव राजीव राय सहित उनके कुछ करीबी सहयोगियों के आवास पर छापेमारी की। लखनऊ में रविवार के दिन अखिलेश यादव ने सीएम योगी आदित्यनाथ पर गंभीर आरोप लगाए। अखिलेश यादव ने कहा, "मैं आपको बताना चाहता हूं कि हमारे सभी फोन सुने जा रहे हैं। एसपी कार्यालय और हमारे साथ जुड़े लोगों के फोन सुने जा रहे हैं।" उन्होंने मीडिया को आगाह भी किया, "यदि आपका हमारे साथ संबंध है, तो जान लें कि आपकी कॉल रिकॉर्डिंग भी वहां है। फोन टैपिंग में प्रशासनिक अधिकारियों का कथित रूप से इस्तेमाल के सवाल पर यादव ने कहा कि उनमें से कुछ ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वे असहाय हैं और कुछ सरकार के 'आखिरी दिनों' में भी सरकार को खुश करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि टैपिंग और छापेमारी कोई नई घटना नहीं है। उन्होंने कहा जहां भी चुनाव होते हैं, भाजपा इस तरह के कदम उठाती है।

छह महीने के लिए यूपी में लगाया गया हड़ताल पर प्रतिबंध

लखनऊ। योगी सरकार ने यूपी में छह माह के लिए हड़ताल पर प्रतिबंध लगा दिया है। अपर मुख्य सचिव कार्मिक डा देवेश कुमार चतुवेर्दी ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। इसमें कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के राज्य कार्य-कलापों से संबंधित किसी लोक सेवा, निगमों और स्थानीय प्राधिकरणों में हड़ताल पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है। इसके बाद भी हड़ताल करने वालों के खिलाफ विधिक व्यवस्था के तहत कार्रवाई की जाएगी। बता दें इसी साल मई में यूपी सरकार ने छह महीने के लिए हड़ताल पर प्रतिबंध लगाया था। उस दौरान कोरोना संकट जारी था। सीएम योगी ने कोविड की समस्याओं को देखते हुए एम्सा एक्ट लागू करके हड़ताल पर प्रतिबंध लगा दिया था। योगी सरकार के इस फैसले के बाद लोक सेवाएं, प्राधिकरण, निगम समेत सभी सरकार विभागों में काम कर रहे कर्मचारियों की ओर से होने वाली हड़ताल पर रोक लगा दी गई थी।

भव्य और दिव्य रहा आजादी का अमृत महोत्सव

मऊ। आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का समापन जनपद मऊ के अंबेडकर स्टेडियम में राष्ट्र गायन के साथ संपन्न हुआ। स्टेडियम के मैदान में विशाल जनसमुदाय के द्वारा सामुहिक वंदे मातरम का गायन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता प्रांत प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सुभाष जी ने कहा कि भारत को ऋषि-महर्षियों एवं राजा-महाराजाओं तथा महान क्रांतिकारियों ने वैभवशाली बनाने का काम किया है जिस पर अंग्रेजों एवं मुगलों ने कुठाराघात किया हमने वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देकर विश्व को अपना परिवार माना परंतु विश्व ने हमको अपना बाजार माना है, जब अरस्तु खगोल विज्ञान में विश्व को भ्रमित कर रहा था तो उसके वर्षों पूर्व आर्यभट्ट ने बता दिया था कि सूर्य पृथ्वी का नहीं अपितु पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है हमें भारतीय जीवन मूल्यों के साथ जीना होगा स्वदेशी अपनाना होगा भारत में विश्व को संदेश देने वाली स्वामी

विवेकानंद ने विश्व में भारत का पताका फहराया क्रांतिकारियों ने देश को स्वतंत्रता दी 75 वर्ष स्वतंत्रता के हो गए यह स्वतंत्रता का अमृत हमें युवा बच्चे को खिलाना होगा, तथा स्वतंत्रता का स्वर्णिम महोत्सव मनाने की तैयारी करनी होगी अपने भावपूर्ण ओजस्वी संबोधन में सुबाष जी ने एक साथ देश के कोने-कोने के क्रांतिकारियों की वीरगाथा का विस्तृत वर्णन कर सामने उपस्थित भारी भीड़ का मन मोह लिया उनका संबोधन सुन लोगों ने जहाँ एक ओर सुबाष जी के ज्ञान एवं विद्वता की तारीफ कर रहे थे वहीं सबको अपने गौरवशाली इतिहास को जानने का मौका मिला जिसको अमूमन किताबों में नहीं मिलता। कार्यक्रम में भारी भीड़ एक साथ हाथ में तिरंगा लेकर झूम रही थी जिससे कार्यक्रम को दिव्य एवं भव्य बना दिया।कार्यक्रम यह अध्यक्षता ब्रिगेडियर प्रभुनाथ सिंह ने किया कार्यक्रम में अभियान संयोजक प्रवीण राय ने सबका आभार व्यक्त किया।अतिथियों का सम्मान उमेश बांसफोर आत्म प्रकाश राय, प्रमोद साहनी ने शाल एवं मोमेंटो देकर किया कार्यक्रम की प्रस्तावना जिला कार्यवाहक विनोद वर्मा ने किया कार्यक्रम में जिले से 25 पूर्व सैनिकों का सम्मान में मोमेंटम एवं तिरंगा देकर किया गया जिस का संचालन जिला प्रचार प्रमुख मुकेश श्रीवास्तव ने किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंकज तिवारी देवेंद्र मोहन सिंह प्रांत कार्यवाहक सुरेश जी सह प्रांत कार्यवाहक विनय जी उपस्थित रहे वंदे मातरम का गायन चंद्रपीड़ मिश्रा विशाल पांडे, आशीष राय द्वारा किया गया। इस अवसर पर सत्यमित्र सिंह दिनेश, पवन राय, आत्मप्रकाश मोनू, धर्मेंद्र राय, अभिषेक, सन्तोष बरनवाल, विकास सिंह, सुनील दुबे, विशाल पांडेय, राजेश पाण्डेय, उत्तम सिंह, पंकज तिवारी, वीरेंद्र, विनोद वर्मा, राम विलास आदि की कार्यक्रम संचालन में मुख्य भूमिका रही। इस अवसर पर पंकज प्रखर, सचिन्द्र सिंह, सीता राय, मधु राय, नुपुर अग्रवाल, विजयप्रताप सिंह, शक्ति सिंह, आदि हजारों की संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

घोषणा पत्र महिलाओं के जीवन स्तर को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी- पूजा

मऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा के ड्रीम प्रोजेक्ट महिलाओं के लिए अलग से घोषणा पत्र तैयार किया गया। बुनकर कॉलोनी स्थित जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर विधिवत प्रेस कॉन्फ्रेंस करके प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव डॉ जनक कुशवाहा, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंतखाब आलम एवं महिला नेता पूजा राय, सीमा, परवीन, चंपा भारद्वाज, मनसा राजभर, शिखा चैहान, रिंकी चैहान, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष संजय यादव, धर्मेंद्र सिंह एवं पूर्व विधायक नसीम अहमद ने महिला घोषणा पत्र को जारी किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंतखाब आलम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही महिलाओं के लिए अलग से घोषणा पत्र जारी कर सकती है और यह घोषणा पत्र इतिहास के लिए मील का पत्थर साबित होगी। उत्तर प्रदेश में महिलाओं की जो स्थिति वर्तमान सरकार ने कर रखा है उसकी लड़ाई प्रियंका गांधी के नेतृत्व में

कांग्रेस पार्टी लड़ रही है और महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार होगा। महिला जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चंपा भारद्वाज ने कहा कि महिला की भागीदारी सुनिश्चित करना कांग्रेस का प्रथम लक्ष्य है। महिला नेता पूजा राय ने कहा कि प्रियंका गांधी का नारा लड़की हूं लड़ सकती हूं महिलाओं में चर्चा का विषय बना हुआ है और वास्तव में अलग से घोषणा पत्र महिलाओं के जीवन स्तर को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस दौरान विमली राजभर, शिखा चैहान, शशि चैहान, शाहजहां सिद्दीकी, सरोज पांडे, शीला राजभर, अंशु राजभर, जरीना खातून, तरन्नुम बानो, शबनम खातून, आयशा खातून सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सिल्वर जीतने वाले पहले भारतीय बने श्रीकांत

विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में मिली हार, उपविजेता बनकर भी रचा इतिहास

हुएल्वा, स्पेन। भारत के किदाम्बी श्रीकांत सिंगापुर के लोह कीन यीयू के खिलाफ बीडब्लूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में रविवार को 15-21, 20-22 से हार गए और उन्हें उपविजेता रहकर संयोष करना पड़ा।

यीयू इस जीत के साथ विश्व खिताब जीतने वाले सिंगापुर के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं श्रीकांत प्रतियोगिता में सिल्वर जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने हैं। हमवतन लक्ष्य सेन को हराकर फ़ाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बने श्रीकांत सेमीफाइनल के प्रदर्शन को खिताबी मुकाबले में नहीं दोहरा सके और उन्हें लगातार गेमों में पराजय का सामना करना पड़ा। श्रीकांत को प्रतियोगिता में रजत पदक मिला जबकि उनसे सेमीफाइनल में हारने वाले लक्ष्य सेन को कांस्य पदक मिला। फ इनल में पहले गेम में श्रीकांत ने 9-3 की बढ़त बनायी लेकिन यीयू ने वापसी करते हुए श्रीकांत को 11-11 की बराबरी पर जा पकड़ा। यीयू ने 12-12 की बराबरी के बाद बढ़त बनाने का जो सिलसिला शुरू किया उसे फिर 21-15 पर जाकर ही समाप्त किया। दूसरे गेम में श्रीकांत ने 9-6 की बढ़त बनायी। लेकिन यीयू ने लगातार छह अंक लेकर 12-9 की बढ़त बना ली। श्रीकांत 18-16 से आगे थे और लग रहा था कि वह मैच को निर्णायक गेम तक ले जाएंगे लेकिन सिंगापुर के खिलाड़ी लगातार चार अंक लेकर 20-18 से आगे हो गए। श्रीकांत ने स्कोर को 20-20 से बराबर किया मगर यीयू ने फिर दो अंक लेकर खिताब जीतने की जोरदार हुंकार लगाई। यीयू नेट खेल में श्रीकांत पर भारी पड़े और नेट पर बटोरे गए अंकों ने ही अंत में मैच का फैसला कर डाला।

लक्ष्य सेन कांस्य जीतने वाले तीसरे भारतीय

28 वर्षीय श्रीकांत 43 मिनट में मिली इस हार के बाद विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए। प्रकाश पादुकोण (1983), एचएस प्रणय 2019 और लक्ष्य सेन 2021 ने विश्व प्रतियोगिता से कांस्य पदक जीते। श्रीकांत का 22वीं रैंकिंग के सिंगापुर के खिलाड़ी के खिलाफ अब 1-1 का रिकॉर्ड हो गया है। इससे पहले 12वीं सीड श्रीकांत ने हाई क्लास सेमीफाइनल में लक्ष्य की चुनौती पर एक घंटे नौ मिनट तक चले मुकाबले में 17-21, 21-14, 21-17 से काबू पाया। श्रीकांत ने पहला गेम हारने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए अगले दोनों गेम जीते।

दक्षिण अफ्रीका में भारतीय टीम का पहला पूर्ण अभ्यास, द्रविड़ ने दिए टिप्स

सेंचुरियन। भारतीय क्रिकेट टीम का पहला पूर्ण ट्रेनिंग सेशन शुरू हो चुका है। सुपरस्पोर्ट पार्क में कप्तान विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम को मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कोचिंग के गुण सिखाए।

भारत यहां 26 दिसंबर से शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में मेजबान दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा, जिससे यहां सबसे लंबे प्रारूप में टीम को अपनी पहली सीरीज जीत हासिल करने की उम्मीद होगी। लेकिन अभ्यास मैच नहीं होने के कारण टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों को जल्द पिचों के साथ अच्छा तालमेल करना होगा। रविवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम इंडिया का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें मैदान पर कोच द्रविड़, कप्तान कोहली और स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को देखा गया। यह टीम का पूर्ण ट्रेनिंग सत्र था, जहां उन्होंने मैदान में उतरने से पहले जॉगिंग और स्ट्रेचिंग का अभ्यास किया। वहां कोच द्रविड़ द्वारा कोली को बल्लेबाजी के टिप्स देते हुए देखा गया, जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए आराम करने के बाद टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए तैयार हैं। मोहम्मद शमी, अश्विन और अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने भी नेट्स पर गेंदबाजी की। वीडियो पोस्ट करते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने ट्वीट किया, टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम तैयार।

तेज गेंदबाज जिताएंगे अफ्रीका में पहली सीरीज

भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा बेशक फॉर्म में नहीं चल रहे हैं लेकिन उन्हें भरोसा है कि इस बार भारत के पास दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जीतने का सुनहरा मौका है। इसके लिए उन्हें अपने तेज गेंदबाजों से सबसे ज्यादा उम्मीदें हैं। वह मानते हैं कि भारतीय तेज गेंदबाज प्रत्येक टेस्ट में 20 विकेट लेने के काबिल हैं। अपने चौथे दक्षिण अफ्रीका दौरे पर पहुंचे पुजारा ने कहा, दोनों ही टीमों के बीच जो बड़ा अंतर है, वे हमारे तेज गेंदबाज ही हैं। अगर आप ऑस्ट्रेलिया या फिर इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट सीरीज पर नजर डालें तो आप महसूस करेंगे कि हम एक गेंदबाजी यूनिट के तौर पर काफी शानदार थे। मुझे पूरा भरोसा है कि दक्षिण अफ्रीका में भी यही तस्वीर नजर आएगी। तेज गेंदबाज ही हमारी ताकत हैं, मुझे विश्वास है कि इन कंडीशंस का भरपूर फायदा उठाते हुए हर टेस्ट में तेज गेंदबाज 20 विकेट ले सकते हैं। चोट की वजह से रोहित शर्मा टेस्ट सीरीज से बाहर हैं, लिहाजा उनकी जगह केएल राहुल के कंधों पर उप-कप्तानी की जम्मिदारी होगी। रोहित को इससे पहले अजिंक्या रहाणे की जगह भारतीय टेस्ट टीम का उप-कप्तान बनाया गया था। इस समय रोहित बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में चोट से उबर रहे हैं।

त्रिपुरा को हराकर विदर्भ क्वार्टरफाइनल में

जयपुर। अथर्व तायड़े (51) और यश राठौड़ (57) के शानदार अर्धशतकों से विदर्भ ने त्रिपुरा को विजय हजारे ट्रॉफी एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के प्री क्वार्टरफाइनल में रविवार को 34 रन से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। विदर्भ ने 50 ओवर में सात विकेट पर 258 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया और त्रिपुरा को 49.2 ओवर में 224 रन पर निपटा दिया। त्रिपुरा की तरफ से ओपनर विक्रम कुमार दास ने 100 गेंदों में तीन चौकों के सहारे 61 रन बनाये। विदर्भ की तरफ से यश ठाकुर ने 45 रन पर चार विकेट और दर्शन नालकंडे ने 41 रन देकर तीन विकेट झटके। त्रिपुरा ने दो विकेट पर 154 रन की अच्छी स्थिति के बाद अपने आखिरी आठ विकेट 70 रन जोड़कर गंवा दिए। इससे पहले सलामी बल्लेबाज फैज फज़ल का विकेट दूसरे ही ओवर में एक रन के स्कोर पर गिरने के बाद अगले बल्लेबाजों ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। अथर्व तायड़े ने 58 गेंदों में सात चौकों की मदद से 51, गणेश सतीश ने 70 गेंदों में चार चौकों के सहारे 40 रन, यश राठौड़ ने 63 गेंदों में पांच चौकों से 57 और अक्षय वाडकर ने 59 गेंदों में तीन चौकों के सहारे 41 रन बनाये।

गोवा व हैदराबाद का मुकाबला ड्रा

नई दिल्ली। एफसी गोवा ने शनिवार को फॉर्म में चल रहे हैदराबाद एफसी को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। लेकिन बैम्बोलिन स्थित जीएमसी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए हीरो इंडियन सुपर लीग आईएसएल 2021-22 के इस लीग मुकाबले के ड्रा रहने के कारण ये दोनों ही टीमें जीत की हैट्रिक पूरी नहीं कर सकी।

शनिवार को दिन के दूसरे मुकाबले में हैदराबाद के लिए जोएल चिआनेसे ने गोल दागा जबकि एयरन काब्रेरा ने एफसी गोवा को बराबरी दिलाई। इस ड्रा के बाद स्पेनिश कोच मैनोलो मार्क्यूएज की टीम हैदराबाद एफसी दूसरे स्थान पर है। उसके छह मैचों में तीन जीत और दो ड्रा से 11 अंक हैं। वहीं, स्पेनिश कोच जुआन फर्नांडो टीम गोवा छह मैचों से सात अंक लेकर तालिका में आठवें से सातवे स्थान पर आ गई है। उसके दो जीत और एक ड्रा से सात अंक हैं। दूसरे हाफ में मैच का पहला गोल हैदराबाद एफसी के फॉरवर्ड जोएल चिआनेसे ने हैडर से दागा। 54वें मिनट में दाहिने फ्लैंक से बने एक हमले में निखिल पुजारी ने बॉक्स के बाहर से सेकेंड पोस्ट की तरफ क्रॉस डाला और जोएल ने हैडर से गेंद को गोलपोस्ट की दिशा दिखा दी। इस गोल से हैदराबाद 1-0 से आगे हो गया।62वें मिनट में एयरन काब्रेरा ने गोल करके एफसी गोवा को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। देवेंद्र मुर्गांवकर ने हैदराबाद के गोलकीपर कट्टिमनी को छकाने के बाद शॉट लगाए लेकिन गेंद पोस्ट रिबाउंड हुई और पीछे से दौड़ते हुए आ रहे स्पेनिश फॉरवर्ड एयरन ने लेफ्ट फुटर शॉट से गोल कर दिया।

वेस्टइंडीज ने हार्पर को प्रमुख चयनकर्ता पद से हटाया

टी20 विश्वकप में टीम चयन को लेकर हुई थी आलोचना

पोर्ट ऑफ स्पेन। वेस्टइंडीज के प्रमुख चयनकर्ता रोजर हार्पर जिनका दो साल का कार्यकाल 31 दिसंबर को खत्म होने जा रहा था, उन्हें उनके पदभार से हटा दिया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज उनके कार्यकाल को बढ़ाना नहीं चाहता था। हार्पर ने 2019 के अंत में कार्यभार संभाला था, हार्पर ने जिन टीमों का चयन किया था उसने 16 टेस्ट में पांच जीत दर्ज की, जबकि 21 वनडे में 11 जीत और 39 टी20 अंतर्राष्ट्रीय में 21 जीत हार्पर द्वारा चयनित टीम को मिली थी। हाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्वकप में वेस्टइंडीज के चयन ने काफी सुर्खियां बटोरीं थीं, जब शुरुआती 15 सदस्यीय दल में जेसन होल्डर को जगह नहीं मिली थी जबकि दल में रवि रामपॉल की वापसी हुई थी। विश्वकप टीम चुने जाने के ठीक पहले वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान होल्डर का इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में प्रदर्शन शानदार रहा था, उस दौरान उन्होंने 7.75 की इकॉनमी के साथ 16 विकेट झटके थे। हालांकि टी20 विश्वकप के दौरान रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल होल्डर को मुख्य दल में भी खेलने का मौका मिल गया था, क्योंकि ओबेद मकॉए चोटिल हो गए थे। साथ ही साथ क्रिस गेल के चयन ने भी विवाद को जन्म दिया था।

यामागुची विश्व महिला चैंपियन

हुएल्वा, स्पेन। दूसरी सीड जापान की अकाने यामागुची ने टॉप सीड चीनी ताइपे की ताई जू यिंग को रविवार को लगातार गेमों में पराजित कर विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में महिला एकल खिताब जीत लिया। यामागुची ने जू यिंग को हराने में मात्र 39 मिनट का समय लगाया। उन्होंने खिताबी मुकाबला 21-14, 21-11 से जीता। मिश्रित युगल खिताब थाईलैंड के हिस्से में और महिला युगल खिताब चीन के हिस्से में गया।

फुटबाल में रीवा तो क्रिकेट में भोपाल की शानदार जीत

भोपाल। मध्य प्रदेश सिंचाई जल संसाधन विभाग क्षेत्रीय स्पोर्ट्स क्लब, भोपाल के तत्वावधान में खेली जा रही 31वीं अंतर क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता के चौथे दिन प्रतियोगिता के द्वितीय चरण का मैच प्रारंभ हुए, जिसमें सर्वप्रथम कबड्डी का मैच होशंगाबाद व जबलपुर खेला गया जिसमें होशंगाबाद विजयी रहा। कबड्डी का द्वितीय मैच भोपाल व इंदौर खेला गया, जिसमें इंदौर विजयी रहा। फुटबाल का प्रथम मैच भोपाल व रीवा खेला गया जिसमें रीवा विजयी रहा। फुटबाल का द्वितीय मैच जबलपुर व ग्वालियर खेला गया जिसमें जबलपुर विजयी रहा। क्रिकेट का प्रथम मैच जबलपुर व इंदौर खेला गया जिसमें जबलपुर विजयी रहा एवं द्वितीय मैच भोपाल व ग्वालियर के बीच खेला गया जिसमें भोपाल 9 विकेट से विजयी रहा। भोपाल की तरफ से प्रवीण मालवीय ने 56 रन एवं वीरेन्द्र शाह ने 66 रन बनाये एवं नॉट आउट रहे।

एशेज: इंग्लैंड पर हार का खतरा

एशेज के दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए चाहिए छह विकेट

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी रविवार को चौथे दिन नौ विकेट पर 230 रन पर घोषित कर इंग्लैंड के सामने दूसरा दिन रात्रि एशेज टेस्ट जीतने के लिए 468 रन का बेहद मुश्किल लक्ष्य रख दिया जिसका पीछा करते हुए इंग्लैंड ने स्टंप्स तक चार विकेट 82 रन तक खो दिए।

इंग्लैंड को सोमवार को आखिरी दिन जीत के लिए 386 रन की जरूरत है जबकि मेजबान ऑस्ट्रेलिया को सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाने के लिए छह विकेट की दरकार है। मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और ओपनर हसीब हमीद खाता खोले बिना दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर झाय रिचर्डसन का शिकार बन गए। रोरी बर्न्स और डेविड मलान ने दूसरे विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी की। माइकल नेसर ने मलान को पगबाधा कर ऑस्ट्रेलिया को दूसरी सफलता दिलाई। मलान ने 52 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 20 रन बनाये। रिचर्डसन ने बर्न्स को टीम के 70 के स्कोर पर आउट कर ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। बर्न्स ने 95 गेंदों पर पांच चौकों के सहारे 34 रन बनाये। स्टंप्स से कुछ पहले मिशेल स्टार्क ने इंग्लिश कप्तान जो रुट को आउट कर इंग्लैंड को बड़ा झटका दे दिया। रुट ने 67 गेंदों में एक चौके की मदद से 24 रन बनाये।

लाबुशेन व ट्रेविस के अर्धशतक

कप्तान स्टीवन स्मिथ छह रन बनाकर ओली रॉबिन्सन का शिकार बन गए और ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 55 रन हो गया। इन हालात में मार्नस लाबुशेन और ट्रेविस हैड ने पांचवें विकेट के लिए 99 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों ने 51-51 रन बनाये। हैड का विकेट 144 और लाबुशेन का विकेट 173 के स्कोर पर गिरा। कैमरून ग्रीन ने 43 गेंदों पर नाबाद 33 और मिशेल स्टार्क ने 20 गेंदों पर 19 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को 230 तक पहुंचाया। इस स्कोर पर झाय रिचर्डसन का विकेट गिरते ही ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी घोषित कर इंग्लैंड के सामने 468 रन का बेहद मुश्किल लक्ष्य रख दिया। इंग्लैंड की तरफ से कप्तान जो रुट, ओली रॉबिन्सन और डेविड मलान ने दो-दो विकेट लिए जबकि एंडरसन और ब्रॉड के हिस्से में एक-एक विकेट आया।

मप्र को यूपी ने हराया

क्वार्टरफाइनल में पहुंचा उत्तर प्रदेश

नई दिल्ली। अक्षदीप नाथ (78) और रिंकू सिंह (नाबाद 58) के शानदार अर्धशतकों से उत्तर प्रदेश ने मध्य प्रदेश को रविवार को पांच विकेट से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। मप्र ने तीसरे नंबर बल्लेबाज शुभम शर्मा की 83 रनों की पारी की बदौलत प्री क्वार्टरफाइनल में 49.2 ओवर में 234 रन बनाये जबकि उत्तर प्रदेश ने 49.1 ओवर में पांच विकेट पर 237 रन बनाकर जीत अपने नाम की।

लक्ष्य का पीछा करते हुए उत्तर प्रदेश के तीन विकेट 43 और चार विकेट 101 रन पर गिर गए थे लेकिन अक्षदीप और रिंकू ने पांचवें विकेट के लिए 97 रन जोड़कर टीम को जीत के करीब ला दिया। अक्षदीप ने 92 गेंदों पर 78 रन में सात चौके और एक छक्का लगाया। उनका विकेट 198 के स्कोर पर गिरा। लेकिन इसके बाद रिंकू ने भुवनेश्वर कुमार के साथ यूपी को पांच गेंद शेष रहते जीत की मंजिल पर पहुंचा दिया। रिंकू ने 64 गेंदों पर नाबाद 58 रन में पांच चौके लगाए जबकि भुवनेश्वर ने 13 गेंदों पर नाबाद 16 रन में दो चौके लगाए। इससे पहले शुभम शर्मा ने 99 गेंदों में 10 चौकों की मदद से 83 रन की सर्वाधिक पारी खेली। रमीज खान ने 35, रजत पाटीदार ने 46 , वेंकटेश अय्यर ने 30 ने 19 रन बनाये। उत्तर प्रदेश की तरफ से यश दयाल ने 35 रन पर तीन विकेट लिए जबकि भुवनेश्वर कुमार और शिवम मावी ने 2-2 विकेट लिए।

विजय हजारे ट्रॉफी की क्वार्टरफाइनल लाइनअप

रविवार को प्री क्वार्टरफाइनल मैचों का फैसला हुआ। जो मंगलवार 21 दिसंबर और बुधवार 22 दिसंबर को खेले जाएंगे। 21 दिसंबर को तमिलनाडु बनाम कर्नाटक का मैच केएल सैनी ग्राउंड जयपुर, हिमाचल प्रदेश बनाम उत्तर प्रदेश का मैच सवाई मान सिंह स्टेडियम जयपुर, वहीं 22 दिसंबर को सौराष्ट्र बनाम विदर्भ का मुकाबला सवाई मान सिंह स्टेडियम जयपुर और केरल बनाम सर्विसेस का मैच केएल सैनी ग्राउंड जयपुर में खेला जाएगा।

राजस्थान को हराकर कर्नाटक क्वार्टरफाइनल में

जयपुर। कृष्णमूर्ति सिद्धार्थ (नाबाद 85), कप्तान रविकुमार समर्थ (54) और मनीष पांडे (नाबाद 52) के शानदार अर्धशतकों से कर्नाटक ने राजस्थान को विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के प्री क्वार्टरफाइनल में रविवार को आठ विकेट से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया।

आईपीएल की लखनऊ फ्रेंचाइजी ने गौतम गंभीर को टीम मेंटोर नियुक्त किया

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 से पहले शनिवार को नयी लखनऊ फ्रेंचाइजी का मेंटोर नियुक्त किया गया। दिल्ली के सांसद गंभीर अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को दो आईपीएल खिताब दिला चुके हैं। गंभीर ने एक बयान में कहा, डा (संजीव) गोयंका और आरपीएसजी ग्रुप का मुझे अपनी टीम में यह शानदार मौका देने के लिये शुक्रिया। गंभीर (40 वर्ष) भारत के लिये 58 टेस्ट, 147 वनडे और 37 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। उन्होंने कहा, मुकाबला जीतने का जज्बा अब भी मेरे अंदर बरकरार है, एक विजेता की विरासत छोड़ने की इच्छा अब भी मेरे अंदर चौबीस घंटे बनी रहती है। मैं ड्रेसिंग रूम के लिये नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश की टीम के लिये मुकाबला करूंगा। इस टीम का अभी तक नाम तय नहीं किया गया है। इस फ्रेंचाइजी के मालिक संजीव गोयंका ने गंभीर का आरपीएसजी परिवार में स्वागत किया। गंभीर ने भारत के लिये 58 टेस्ट, 147 वनडे और 37 टी20 मैच खेले हैं।

यश धुल अंडर 19 विश्व कप टीम के कप्तान

आंध्र के एसके रशीद उपकप्तान होंगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने वेस्ट इंडीज में 14 जनवरी से पांच फरवरी तक होने वाले अंडर 19 विश्व कप के लिए 17 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की है जिसका कप्तान दिल्ली के बल्लेबाज यश धुल को बनाया गया है। आंध्र के एसके रशीद को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। टीम में दो विकेटकीपरों हरियाणा के दिनेश बाना और उत्तर प्रदेश के आराध्य यादव को जगह दी गयी है। चयनकर्ताओं ने पांच वैकल्पिक खिलाड़ियों की भी घोषणा की है जिनमें रिषित रेड्डी, उदय सहरण, अंश गोसाई, अमृत राज उपाध्याय और पीएम सिंह राठौर शामिल हैं। चार बार चैंपियन रह चुका भारत अपने अभियान की शुरुआत 15 जनवरी को गयाना में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच से करेगा। भारत का इसके बाद त्रिनिदाद एन्ड टोबेगो में आयरलैंड और युगांडा से क्रमशः 19 और 22 जनवरी को मुकाबला होगा। कुल

16 टीमें इस टूर्नामेंट में 48 मैच खेलेंगी। टीमों को चार चार टीमों के ग्रुपों में बांटा गया है और हर ग्रुप से दो टीम टूर्नामेंट के सुपर लीग चरण में प्रवेश करेंगी जहां से विजेता का फैसला होगा।

टीम इस प्रकार है:

यश धुल , हरनूर सिंह, अंगकृश रघुवंशी, एसके रशीद, निशांत सिंधु, सिद्धार्थ यादव, अनीश्वर गौतम, दिनेश बाना (विकेटकीपर), आराध्य यादव (विकेटकीपर), राज अंगद बावा, मानव परख, कौशल ताम्बे, आरएस हंगरगेकर, वासु वत्स, विकी ओस्तवाल, रविकुमार, गर्व सांगवान।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भारत

जापान को 6-0 के बड़े अंतर से हराया, हरमनप्रीत ने दागे डबल गोल

नई दिल्ली। भारतीय हाकी टीम का बेहतरीन प्रदर्शन एशियन चैंपियंस ट्राफी 2021 में लगातार जारी रहा और इस टीम ने अपने आखिरी लीग मैच में जापान को 6-0 के बड़े अंतर से हरा दिया। भारतीय टीम की तरफ से हरमनप्रीत सिंह ने सबसे ज्यादा दो गोल किए तो वहीं टीम के गोलकीपर सूरज करकेरा का प्रदर्शन काबिले तारीफरहा।

सूरज ने बेहतरीन गोलकीपिंग करते हुए विरोधी टीम को एक भी गोल नहीं करने दिया। मनदीप सिंह की कप्तानी में भारतीय टीम जापान पर पूरे खेल के दौरान हर विभाग में हावी रही और इस टीम की एक नहीं चली। हरमनप्रीत सिंह ने बेहतरीन खेला का प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे तो वहीं दिलप्रीत सिंह, जरमनप्रीत सिंह, सुमित और शमशेर के नाम पर एक-एक गोल रहा। इस तरह भारतीय टीम ने टाप पर रहते हुए लीग चरण खत्म किया। भारत और जापान के बीच टेक्यों ओलिंपिक में भिड़ंत हुई थी, जहां टीम इंडिया ने 5-3 से जीत दर्ज की थी और उसके बाद अब जापान को फिर से 6-0 से हार मिली। भारतीय टीम शुरूआत से ही इस मैच में हावी नजर आई थी और खेल के पहले 10 मिनट में ही भारत को तीन पेनाल्टी कार्नर मिले जिसमें से एक गोल में भी तब्दील हुआ। 10वें मिनट में मिले पेनाल्टी कार्नर को हरमनप्रीत सिंह ने अपने दमदार हिट से गोल में बदल दिया। पहले क्वार्टर में भारत ने जापान पर 1-0 की बढ़त ले ली थी। इस दौरान जापान को भी मौके मिले, लेकिन वो उसे गोल में नहीं बदल पाए। इसके बाद 23वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने दूसरा गोल दाग दिया जबकि जरमनप्रीत सिंह ने 34वें मिनट में भारत की ओर से तीसरा गोल लगाया। यह फील्ड गोल रहा और इसके बाद सुमित ने 46वें, हरमनप्रीत ने 53वें और शमशेर ने 54वें मिनट में एक के बाद एक तीन गोल दागते हुए स्कोर 6-0 कर दिया। इस तरह आखिरी क्वार्टर में भारत ने तीन गोल दागे। भारत का प्रदर्शन इस टूर्नामेंट में अब तक काफी अच्छा रहा है।

ऑनलाइन कंपनियों पर लगाम लगाने व व्यापारिक आयोग के गठन को लेकर लखनऊ मे प्रदेश भर के व्यापारियों का हुआ सम्मेलन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। खुदरा व्यापार बचाने ऑनलाइन कंपनियों पर लगाम लगाने ,पेट्रोल डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने, व्यापारिक आयोग के गठन, व्यापारिक सुरक्षा अधिनियम तथा अन्य व्यापारिक मुद्दों को लेकर लखनऊ में प्रदेश भर व्यापारियों का सम्मेलन आयोजित हुआ ।आईटी सेल अध्यक्ष श्री संतोष सिंह द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के अध्यक्ष अमित गुप्ता तथा वरिष्ठ संगठन मंत्री एवं वाराणसी व्यापार मंडल अध्यक्ष श्री अजीत सिंह बग्गा के तत्वाधान में इस सम्मेलन का आयोजन किया गया ` जिसमें वाराणसी से 400 के लगभग व्यापारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई । सम्मेलन में जीएसटी विसंगतियों , ऑनलाइन व्यापार से खुदरा व्यापार को हो रही क्षति, व्यापारी आयोग ,एससी एसटी एक्ट के तर्ज पर व्यापारिक एक्ट व्यापारी सुरक्षा गारंटी जैसे मुद्दों पर खुलकर बात हुई` व्यापारिक नेताओं ने आने वाले विधानसभा चुनाव में उन्हीं नेताओं को वोट देने की अपील व्यापारियों से कि जो व्यापारिक मांगों को अपने घोषणापत्र में शामिल करें इस अवसर पर बोलते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित गुप्ता ने व्यापारियों से अपील की कि वे अपनी आवाज को दिल्ली तक पहुंचाने के लिए एकजुट हो जाए तथा इन सभी मुद्दों पर आने वाले इलेक्शन में नेताओं से चर्चा करें और लिखित में लें । उन्होंने सभी व्यापारिक नेताओं संगठनों व्यापारियों से अपील की इस मुद्दे पर सभी एकजुट होकर आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हो जाए `वाराणसी व्यापार मंडल अध्यक्ष तथा राष्ट्रीय वरिष्ठ संगठन मंत्री श्री अजीत सिंह बग्गा ने सभी को चेताया की यह समय एकजुटता का है और सबको अपने शहर -अपने अपने संगठन तथा इलाके में मिलकर मजबूती से अपनी बातों को रखना होगा` जरूरत पड़ने पर सभी को सड़क पर भी उतरना होगा अभी नही संभले तो वर्तमान परिस्थितियो में संभलने का मौका मिलने वाला नहीं है । उन्होंने कहा कि जिस तरह से किसान अन्नदाता है उसी तरह व्यापारी देश का भाग्य विधाता है । अगर देश के किसान एकजुट हो सकते हैं तो व्यापारी क्यों नहीं ? उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि व्यापारिक हित मे सभी को एकजुट हो लंबी लड़ाई लड़नी पड़ेगी` वाराणसी ,चित्रकूट, लखनऊ सोनभद्र , मिजार्पुर ,आगरा, सुल्तानपुर,दिल्ली, गाजियाबाद, हमीरपुर, आदि भिन्न भिन्न जिलों से आए हुए व्यापारियों ने इन सभी मांगो का समर्थन किया` इस अवसर पर लखनऊ की सड़कों पर हजारों की संख्या में व्यापारियों ने रोष मार्च निकाला तथा अपनी मांगों को लेकर अधिकारियों को प्रधानमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा। सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित गुप्ता, राष्ट्रीय वरिष्ठ संगठन मंत्री अजीत सिंह बग्गा, प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश निरंकारी,संतोष सिंह, युवा अध्यक्ष संजय गुप्ता ,मनीष गुप्ता , कविंद्र जयसवाल रामअचल , चांदनी श्रीवास्तव सुनीता सोनी, प्रीति जायसवाल प्रकाश राजभर, आनंद, अंबे सिंह शाहिद कुरेशी , सुजीत , सुशील लखवानी , बबलू आदि व्यापारिक नेताओं के साथ सैकड़ों व्यापारियों ने भाग लिया ।

अमृत महोत्सव में शहीदों के परिवार को सम्मानित किया गया

प्रखर जौनपुर। भारत माता पूजन व सामूहिक वंदे मातरम गायन कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को टीडीपीजी कॉलेज के मैदान में हुआ इस दौरान आयोजक समिति ने भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलन में माल्यार्पण करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया मुख्य अतिथि नासा के वैज्ञानिकों भारत सरकार के पूर्व वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर ओमप्रकाश पांडे ने भारत व स्वाधीनता के विषय में विस्तार से बताया उन्होंने अपने देश के संविधान में राष्ट्र को पूरे विश्व में सर्वोत्तम बताया उन्होंने भारतीय संविधान के प्रस्तावना और राष्ट्र के प्रति अगाध प्रेम का वर्णन किया विशिष्ट अतिथि प्रांत प्रचारक काशी प्रांत रमेश ने भारत माता को अमृत महोत्सव के बारे में मधुर वर्णन किया मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि ने शुभ सेठ राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू एकता संगठन सहित 40 क्रांतिकारी परिवार को अंग वस्त्र से सम्मानित किया इससे स्टेडियम में भीड़ की तरफ से भारत माता की जय वंदे मातरम की गूंज से पूरा प्रांगण राष्ट्र भक्ति में डूब गया इस मौके पर प्रांत कार्यवाहक मुरली पाल जिला संघचालक डॉ वेदप्रकाश विभाग प्रचारक जगदीश मनोज अतुल राजीव अरविंद मीडिया विभाग प्रमुख संतोष सिंह डॉक्टर कीर्ति सिंह कार्यक्रम संयोजक डॉ उदय सिंह एवं संगठन से निखिल सेठ. चंचल सिंह. राजवीर सिंह अनमोल पाठक विशाल सिंह आदि रहे।

संक्षिप्त खबरें

नहर पर बने रेलिंग विहीन पुल से गिरकर बाइक सवार की मौत

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर । थाना क्षेत्र के खोराडीह गांव निवासी बाइक सवार एक अधेड़ व्यक्ति की नहर पर बनाये गए रेलिंग विहीन पुल पार करते समय नहर में गिरने से मौत हो गई। अधेड़ की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। क्षेत्र में सिंचाई के लिए निकली मुख्य घाघर नहर सहित अन्य राजबाहों पर सैकड़ों वर्ष पुराना पुल जीर्ण अवस्था में हो चुके हैं। जो दुर्घटना को दावत दे रहे हैं।बीती रात खोराडीह गांव निवासी विनय मोहन तिवारी 68 वर्ष पुत्र स्वर्गीय सच्चिदानंद तिवारी अपनी बाइक से अपने घर जा रहे थे।कि मुख्य घाघर नहर से निकली तालर राजबहा पर बनाए गए रेलिंग बिहीन पुल पार करते समय मोटरसाइकिल सवार विनय मोहन तिवारी अनियंत्रित होकर नहर में गिर गए।नहर काफी गहरी होने से गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने घायल विनय मोहन तिवारी को वाराणसी इलाज के लिए ले जा रहे थे। कि रास्ते में ही मौत हो गई। अधेड़ की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

विपिन गुप्ता बने जिलाध्यक्ष

प्रखर जौनपुर। स्थानीय बाजार के प्रतिष्ठित व्यवसाई विपिन कुमार गुप्ता (कक्कू) को अखिल भारतीय मद्धेशिय वैश्य सभा का प्रदेश इकाई की तरफ से जौनपुर जिला का अध्यक्ष मनोनीत होने से बाजार के लोगों ने खुशी जाहिर की है। अखिल भारतीय मद्धेशिय वैश्य सभा का "समन्वयन एकीकरण" समागम समारोह व प्रांतीय सम्मेलन के वाराणसी महासंगम कार्यक्रम में राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष मनोज मद्धेशिया के नेतृत्व में विपिन गुप्ता को जौनपुर जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया। उनके अध्यक्ष बनने पर उनके आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।इस अवसर पर सूरज गुप्ता,सुनील गुप्ता,अविनाश गुप्ता,प्रदीप गुप्ता,त्रिलोकी गुप्ता ,डॉ प्रमोद कुमार,अखिलेश कुमार सहित अन्य लोग रहे।

बालपन में उठा पिता का साया, अठारह वर्ष का युवा होने पर मिला "बृजेश" को पिता, गांव में खुशी की लहर

प्रखर तरवां आजमगढ़। कहा जाता है की यदि भूमि से भारी माता हैं तो आकाश से ऊंचे पिता होते हैं। और पिता का हाथ जिस बच्चे के सर पर रहता है उसे हर जगह छांव मिलती है।ऐसे में कल्पना कीजिए की यदि किसी के पिता अचानक बाल्यावस्था में उस बच्चे को छोड़कर कहीं चले जाएं तो उस पर क्या बीतेगी? उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के तरवां थाना अंतर्गत ग्राम जोलबरियां के एक नन्हे बच्चे को जो की करीब एक साल का था तभी उसके पिता सन- 2002 में राम दुलार चौहान उर्फ गुड्डू अपना घर छोड़कर चले गए थे।जिसके बाद नन्हा बच्चा बृजेश चौहान बिना पिता के, धीरे धीरे मां के सहारे लोगों के ताने सुनते हुए,अपने आप को विकसित किया , उसकी मां ने जब देखा की बच्चे को पढ़ना लिखना मुश्किल हो रहा है तो उसने अपने मायके(बृजेश को उसके ननिहाल) भेज दिया।और किसी तरह से जीविका भी चलाने लगी।किंतु उसकी मां ने आस नहीं छोड़ी वह अपने धर्म और वसूल को जिंदा रखते हुए अपने प्रियतम(पति) के आस में अपने ससुराल में ही झोपड़ी रखकर जीवन यापन करने लगी। और ऐसे में वह धनंजय चौहान के घर रहकर अपना भोजन पानी करती थी।जब लगभग 18 साल बाद सोशल मीडिया नेटवर्क के माध्यम से पता चला की बृजेश चौहान के लापता पिता आज भी जिंदा हैं ,तो लोगों ने किसी प्रकार से उन्हें सकुशल घर लाने का प्रयास किया।आज यानी की 20 दिसंबर 2021 सोमवार को सरकारी एंबुलेंस के सहारे दिल्ली के फरीदाबाद से उनके गृह उचहुवां जोलबरियां सकुशल लाया गया। जिसके बाद उनका बेटा ननिहाल से घर आया और अपने पिता को देख जिसे बचपन में पहचानने की भी शक्ति नहीं थी,आज देखकर अश्रुपूरित नेत्रों से पिता को अपलक अनंत निगाहों से देखता रह गया।मौके पर समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

नवसाधना कला केन्द्र में 'राष्ट्रीय एकता, शांति और न्याय' शिविर का समापन

प्रखर वाराणसी। तीन दिन तक 'प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण' शिविर के समापन पर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ता इस नारे के साथ अपने घरों को लौट गये कि 'हम होंगे कामयाब एक दिन, मन में है विश्वास...'। साझी विरासत और मेल-जोल की भारतीय संस्कृति का विस्तार करने की शपथ लेने के साथ ही उन्होंने माना कि सतरंगी भारतीय संस्कृति को एकरंगी बनाने की कोशिश ही मुल्क के लिए सबसे बड़ा खतरा है जिससे मुल्क को बचाने की जरूरत है. तरना स्थित नवसाधना कला केन्द्र में 'राइट एंड एक्ट' संस्था की तरफ से आयोजित प्रशिक्षण शिविर में चले तीन दिनी मंथन में वक्ताओं ने कहा कि साझी विरासत और मेल-जोल की जो संस्कृति भारत में है वह दुनिया के किसी देश में नहीं है।भारतीय समाज हमेशा से सतरंगा रहा है आज कुछ ताकते उसे एकरंगा बनाने की कोशिश कर रही है जिससे हमें सतर्क रहना होगा. वक्ताओं ने कहा कि आजादी का आंदोलन रहा हो या फिर उसके पहले काल,उस दौर के नायकों को भी एक दूसरे के खिलाफ लड़ाने की कोशिश हो रही है.नये नायक और प्रतीक स्थापित कर के सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने की कोशिश की जा रही है. मुफ्ती-ए-बनारस मौलाना अब्दुल बातिन नोमानी ने कहा कि खुदा और बंदों का ध्यान रखना ही हर धर्म का मूल है जो ऐसा नहीं करता समाज उसे अधर्मी मानता है. इसलिए प्यार-मोहब्बत से जीना और सबका ख्याल रखना चाहिए. काशी विश्वनाथ मंदिर के पूर्व महंत राजेन्द्र तिवारी ने कहा कि आज धर्म को सियासत की चासनी में लपेटकर सरकार बनाने और बिगाड़ने का दौर शुरू है.ये किसी लोकतांत्रिक देश के लिए सबसे बड़ा खतरा है.उन्होंने कहा कि आज धर्माधिकारियों और धर्म के व्यापारियों में समाज को बांट दिया गया है.इससे हमें सावधान होना चाहिए. फादर आलोक नाथ ने कहा कि 'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना' इस गीत को ही केंद्र में रखकर हम सभी को समाज निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए.उन्होंने कहा कि विभिन्न धर्मों में खुलापन का दौर काफी विलंब से शुरू हुआ. इसके बावजूद आज हम सभी दूसरे धर्मों की अच्छाइयों को देखने-सुनने के बाद उसे अपने धर्म का हिस्सा बनाते हैं।

सपा का सामाजिक भाई चारा सम्मेलन संपन्न, निशाने पर रही भाजपा

प्रखर दुल्लहपुर गाजीपुर। समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में सपा लाओ-प्रदेश बचाओ सामाजिक भाई-चारा सम्मेलन का आयोजन महर्षि भारद्वाज बाबा रामदास किशोर इंटर कॉलेज भैरोपुर में किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री व कद्दावर नेता रामअचल राजभर ने कहा कि आज वह दौर नहीं जब तीर-तलवार के बल पर सत्ता हासिल की जाए। सत्ता में परिवर्तन के लिए अब हथियार नहीं, बल्कि बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर द्वारा संविधान में दिए हुए मतदान के अधिकार का सही इस्तेमाल करने की जरूरत है। भाजपा चुनाव में बेरोजगारी, महंगाई,व युवाओं के नौकरी पर नहीं मंदिर मस्जिद गाय गोबर पर चुनाव लड़ने का काम करती है।वर्तमान सरकार पूरी तरह निरंकुश होकर सुनियोजित व संगठित तरीके से आरक्षण व्यवस्था पर आघात पहुंचाने का काम किया। इसे लेकर षड्यंत्र व साजिशें हो चुकी हैं अब केवल उसका क्रियान्वयन शेष रह गया है।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार नौकरी, शिक्षा, सुरक्षा व भ्रष्टाचार के मुद्दे पर पूरी तरह से विफल रही है। योगी सरकार मंच से मजबूत कानून व्यवस्था का दंभ भरती है और प्रदेश का कोई भी ऐसा जिला नहीं, जहां बेटियों के आबरू के साथ खिलवाड़ न हुआ हो। पूर्व सांसद तूफानी सरोज ने कहा कि यह सरकार जब से सत्ता में आयी है भर्ती परीक्षाओं के पेपर एक के बाद एक लीक हो रहे हैं। सरकार के इस विफलता से पढ़े-लिखे नौजवानों के नौकरी का अवसर छिना जा रहा है। कहा कि यह ऐसी सरकार है जिसने मां गंगा के सफाई के नाम पर बड़ा भ्रष्टाचार व घोटाला करने का काम किया है।

अहरौरा डोंगिया बांध समिति की बैठक अहरौरा जलाशय पर संपन्न

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। अहरौरा डोंगिया बांध समिति की बैठक सोमवार को अहरौरा बांध स्थित अतिथि गृह पर हुई । बैठक में अहरौरा बांध से संबंधित नहरों का संचालन करने एवं नहरो के रखरखाव सहित अन्य विषयों पर किसानों ने चर्चा किया । बैठक में डोगिया बांध से 5 फिट पानी अहरौरा बांध में छोड़ने की मांग किसानों ने किया । इसके साथ ही मेन कैनाल की तीनों नहरों का संचालन एक साथ करने की रणनीति भी तय की गई । मेन कैनाल की नहरों का संचालन 24 दिसंबर से करने का भी प्रस्ताव पारित किया गया अहरौरा बांध समिति के अध्यक्ष सिद्धनाथ सिंह ने बताया कि नहरों का संचालन 31 दिसंबर तक किया जाएगा । गराई प्रणाली से संबंधित नहरों का संचालन 1 जनवरी से करने का निर्णय लिया गया । बैठक में किसानों ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को समस्त नहरो एवं जर्जर पटरियों का मरम्मत 23 दिसंबर तक कराने का अनुरोध किया । इसके साथ ही बैठक में सिंचाई विभाग के साथ सहमति बनी कि नहरों के संचालन के समय सींचपाल नहरों की मानिटरिंग करें और समस्त अधिकारी नहरों के संचालन पर अपना सहयोग दें ।चौकिया माइनर में सिंचाई विभाग के कुलावा नंबर 17 को अवैध लोगों द्वारा कब्जा कर लिया गया है । जिससे लगभग 300 बीघा जमीन की सिंचाई नहीं हो पा रही है । किसानों ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से कुलावा को तत्काल चालू कराने की मांग किया । बैठक में भारतीय किसान यूनियन के पूर्व प्रदेश सचिव सिद्धनाथ सिंह , राजेश कुमार सिंह , नाहर सिंह , दल सिंगार सिंह , प्रभात ,मनोज सिंह ग्राम प्रधान सोनपुर ,राम प्रसाद सिंह, स्वामी दयाल सिंह ,दूधनाथ सिंह , सुरेश सिंह ,के साथ ही सिंचाई विभाग के एसडीओ के के सिंह , जे ई नरसिंह मौर्य , आनंद बिंद,योगेश सिंह, कल्याण, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे ।

सिद्धनाथ सिंह को पूर्वी जोन का प्रदेश अध्यक्ष बनाने की मांग- अहरौरा जलासय पर किसानों की समस्याओं को लेकर हो रही बैठक में किसानों ने वरिष्ठ किसान नेता पूर्व प्रदेश सचिव किसान सिद्धनाथ सिंह पटेल को उत्तर प्रदेश के पूर्वी जोन का प्रदेश अध्यक्ष बनाने को लेकर जोरदार तरीके से किसानों के नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष से मांग की।

ग्राम प्रधानों एस एम सी अध्यक्षों एवं प्रधानाध्यापकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। शिक्षा क्षेत्र जमालपुर स्थित प्राथमिक पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापकों एवं विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्षों ग्राम प्रधानों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कमपोजिट विद्यालय फत्तेपुर एवं बीआरसी जमालपुर पर सोमवार को संपन्न हुआ । एक दिवसीय प्रशिक्षण के माध्यम से ग्राम प्रधानों विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्षों एवं प्रधानाध्यापकों को प्रशिक्षित करते हुए एसआरजी सरिता तिवारी ने बताया कि विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक प्रत्येक माह की पहले बुधवार को किया जाता है । बैठक में विद्यालय संबंधित योजनाओं एवं बच्चों की उपस्थिति पर विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों एवं अध्यक्ष के साथ विचार विमर्श किया जाता है । बैठक के माध्यम से यह प्रयास किया जाता है कि गांव का कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित न रहने पाए । ए आर पी सूर्य नारायण सिंह ने बताया कि बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम के तहत गठित विद्यालय प्रबंध समिति के माध्यम से बच्चों के

अभिभावकों को विद्यालय की आवश्यकताओं एवं क्रियान्वयन में सहयोग लिया जाता है । विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं ग्राम प्रधान का भी दायित्व है कि जो भी बच्चा विद्यालय नहीं आ रहा है उसको प्रेरित कर विद्यालय भेजें ।विद्यालय की सुरक्षा एवं विकास में अपना सहयोग प्रदान करें । ए आर पी जितेंद्र शर्मा ने बताया कि प्रत्येक विद्यालय में 15 सदस्य विद्यालय प्रबंध समिति का गठन किया गया है । जिनके माध्यम से विद्यालय के विकास की कार्य योजना तैयार की जाती है । खंड शिक्षा अधिकारी डॉक्टर अरुण कुमार सिंह ने प्रशिक्षण में उपस्थित लोगों से कहा कि विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक नियमित करते हुए एक दूसरे के सहयोग से विद्यालय के विकास में अपना योगदान प्रदान करें । एवं प्रयास करें कि गांव के छः से 14 वर्ष का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहने पाए । प्रशिक्षण में विकासखंड के समस्त विद्यालयों के प्रधानाध्यापक ,प्रधानाध्यापिकाए सहित ग्राम प्रधान विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष उपस्थित रहे ।

ट्रेन से उतरते समय युवक घायल

प्रखर दुल्लहपुर (गाजीपुर)। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर सोमवार की सुबह कानपुर से गोरखपुर जा रही डाउन चौरी चौरा एक्सप्रेस से उतरते समय एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया । घायल युवक को लेकर स्वजन इलाज के लिए बीएचयू ट्रामा सेंटर चले गये। जानकारी के अनुसार यूसुफपुर (हंसराजपुर) निवासी आनंद सिंह(32) पुत्र अवधनरायण सिंह चौरी चौरा एक्सप्रेस ट्रेन से भोर में लगभग तीन बजे स्थानीय रेलवे स्टेशन पर उतरते समय गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्रेन गुजर जाने के बाद घायल को देखकर किसी ने ड्यूटी पर तैनात स्टेशन मास्टर को इसकी सूचना दी। सूचना पर घायल युवक के परिजन रोते बिलखते मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस से लेकर इलाज के लिए रवाना हो गए। संभवत आनंद नीद में रहे होगें ट्रेन खुलने के बाद हडबडी में उतरते समय घायल हो गये होगे। सुबह घटना स्थल पर काफी खून गिरा था।

तीन आरोपितों के घर कुर्की का नोटिस चस्पा

लालगंज (आजमगढ़)। क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में हत्या के प्रयास आदि मुकदमों में वांछित तीन आरोपितों के घर पर कुर्की का नोटिस चस्पा किया गया। जौनपुर जनपद के थाना केराकत क्षेत्र के ग्राम घूरहूपुर निवासी विजेंद्र सिंह, यहीं के औचित्य सिंह उर्फ सोमू सिंह व इसी थाना क्षेत्र के ग्राम अहन निवासी आकाश सिंह पर थाना बरदह में मुकदमा दर्ज है, जिसमें तीनों फरार चल रहे हैं।

जब तक ध्येय पूरा नहीं होगा तब तक पग की गति नहीं रुकेगी- सह सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर

प्रखर प्रयागराज। एक महीने से चल रहे अमृत महोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला मे आज प्रयागराज में तन समर्पित मन समर्पित और यह जीवन समर्पित के भाव को लेकर एक लाख देशभक्तों ने सामूहिक वंदे मातरम गीत गाकर प्रयाग की धरती पर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया । चंद्रशेखर आजाद,रमेश मालवीय त्रिलोकीनाथ कपूर जैसे बलिदानियों की धरती प्रयाग में रविवार को स्वाधीननता के 75वें वर्ष में 75 बालिकाओं के नेतृत्व मेंवंदे मातरम के गीत से गुंजायमान हो उठी। अमृत महोत्सव समिति प्रयाग के तत्वावधान में केपी ग्राउंड में एक लाख देशभक्तों के विशाल समूह ने समवेत स्वरों में वंदे मातरम गीत का गायन कर देश पर मानो सर्वस्व न्योछावर करने के संकल्प का शंखनाद कर दिया।इस ऐतिहासिक अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह रामदत्त चक्रधर ने मुख्य वक्ता के रूप में स्वावलंबन से शक्तिशाली भारत के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया।उन्होंने उपस्थित विशाल जनसमुदाय से आह्वान किया कि सभी लोग शक्तिशाली भारत बनाने का संकल्प लें। 'जब तक ध्येय न पूरा होगा तब तक पग की गति न रुकेगी' का उद्धरण देते हुए उन्होंने कहा की भारत की आध्यात्मिक शक्ति और इसकी प्राचीन संस्कृति इसका प्राण है । आध्यात्मिक शक्ति से देश को बलशाली बनाये जाने की जरूरत है। लगभग एक महीने से चल रहे अमृत महोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला मे आज छोटे बच्चों से लेकर वयस्कों माता बहनो विभिन्न सामाजिक संगठनों ने मिलकर देशभक्ति की धारा प्रवाहित की। अवकाश होने के बावजूद नगर के सभी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अपनी पूर्ण सहभागिता करते हुए यह संदेश दिया की देश के लिए जब कुछ कर गुजरने की बेला आएगी तो वे किसी से पीछे नहीं है। 28 फीट ऊंचे बने विशाल सुसज्जित मंच से उन्होंने अत्यंत ओजस्वी स्वरों में कहा कि स्वत्व का जागरण कर भारत को शक्तिशाली तथा विश्व गुरु के पद पर आसीन किया जा सकता है। इसके लिए स्वदेशी तकनीक अपनी भाषा का प्रयोग तथा स्वधर्म का अनुगमन करना होगा। स्व के आधार पर देश को विकसित करने पर ही देश विश्व गुरु बन सकेगा। इसके लिए उन्होंने सभी से अपनी मातृभाषा में हस्ताक्षर करने तथा निमंत्रण पत्र मे अपनी भाषा का प्रयोग करने की जरूरत पर बल दिया। सह सरकार्यवाह ने जोर देकर कहा किराष्ट्रभक्ति के ज्वार को जन-जन में फैलाना आज समय की सबसे बड़ी जरूरत है ।

रामदत्त चक्रधर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत के स्वत्व को बचाना है तो आध्यात्मिक शक्ति को बचाना ही होगा। स्वेतलाना के अनुभवों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रयाग की धरती आध्यात्मिक शक्ति से भरपूर है। विदेशियों को भी यहां से आध्यात्मिक ऊर्जा मिलती है।भारत रामकृष्ण शिवाजी राणा प्रताप गुरु नानक गुरु गोविंद सिंह गंगा और गीता कि अध्यात्म भूमि है।आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित कर देश की सांस्कृतिक धारा को मजबूत बनाने से श्रेष्ठ भारत का निर्माण हो सकेगा। इस संदर्भ में कवि रसखान का उल्लेख करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत और सनातन धर्म एक है। उन्होंने कहा कि भारत तो प्रयाग के अक्षयवट की तरह है। तमाम विदेशी हमलावरो ने कई बार इस वृक्ष को काटकर पिघली धातु से ढक कर इसे नेस्तनाबूत करने की चेष्टा की फिर भी अपनी मजबूत जड़ों के कारण यह नए रूपों में पल्लवित पुष्पित हो गया। जिस देश की जड़े मजबूत होती हैं उसे कोई नष्ट नहीं कर सकता। यह अमृत महोत्सव देश को अपनी जड़ों की पहचान कराने तथा उसे मजबूत बनानेका उत्सव है ।उन्होंने याद दिलाया कि स्वाधीनता किसी एक परिवार की बदौलत नहीं मिली बल्कि इसके लिए किसानों मजदूरों नौजवानों माताओं बहनों को अपना बलिदान देना पड़ा। काकोरी कांड के क्रांतिकारियों का बलिदान दिवस होने के कारण उन्होंने कहा कि आज के दिन बलिदानियों से प्रेरणा लेने का दिन है। बलिदानों की प्रेरणा से ही प्रखर देशभक्ति का जागरण हो सकेगा जो अमृत महोत्सव का मूल उद्देश्य है।

इस अवसर पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति शेखर यादव ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि एकता की कमी से हमें गुलाम होना पड़ा और विदेशियों ने हम पर शासन किया। उन्होंने कहा कि राम,कृष्ण, गंगा,गीता,शिवाजी राणा प्रताप के प्रति देशवासियों में सम्मान का भाव बना रहेगा तो देश को गुलाम बनाने की कोई जुर्रत नहीं कर सकेगा। इसके पूर्व अमृतमहोत्सव समिति काशी प्रांत के संयोजक डॉ आनंद शंकर सिंह ने काशी प्रांत में पूरे महीने भर चले अमृत महोत्सव की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री ने 12 मार्च 2021 को अमृत महोत्सव मनाए जाने की घोषणा की थी। उसी क्रम में अपना राष्ट्रीय दायित्व मानते हुए सरकार के अतिरिक्त सामाजिक संगठनों ने भी अमृत महोत्सव मनाया । इस क्रम में काशी प्रांत के गांव-गांव में भारत माता की झांकी सामूहिक आरती विशाल तिरंगा यात्रा तथा शहीदों के याद के लिए दीपदान के आयोजन हुए। मंच पर फलाहारी बाबा की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। वैदिक मंगलाचरण से शुरू हुए इस समारोह कासंचालन अधिवक्ता परिषद के महामंत्री शीतल ने तथा धन्यवाद ज्ञापन आशीष जी ने किया। समारोह स्थल पर 75 कलश से सजावट 75 फुट की रंगोली 75 महापुरुषों की अलग-अलग परिधानों में झांकी आकर्षण का केंद्र बनी थी। इस अवसर पर प्रांत प्रचारक रमेश जी प्रोफेसर राज बिहारी लाल,डॉक्टर के पी सिंह ,डॉक्टर पीयूष, शासकीय अधिवक्ता शिव कुमार पाल, संजीव ,घनश्याम, वीर कृष्ण,अजय ,महोत्सव समिति के सह संयोजक मुरार त्रिपाठी, विभाग प्रचार प्रमुख वसु , रामकुमार जल संसाधन मंत्री महेंद्र सिंह,विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, महापौर अभिलाषा गुप्तानंदी, महेश चंद्र चतुर्वेदी, कमिश्नर आशीष गोयल आदि प्रमुख रूप से उपस्थिति उल्लेखनीय रहे।

अखिल भारतीय विद्वत परिषद के विद्वत अलंकरण समारोह का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। श्री दक्षिणेश्वर विश्वनाथ मंदिर भदवर बाईपास वाराणसी मे अखिल भारतीय विद्वत परिषद के विद्वत अलंकरण समारोह का शुभारंभ वैदिक एवं पौराणिक मंत्रों से हुआ कार्यक्रम में सर्वप्रथम मंचासीन अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलित किया गया` विद्वत अलंकरण समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि व देश विदेश से पधारे विद्वानों का वाक्य पुष्प द्वारा स्वागत एवं सम्मान प्रोफेसर राम पूजन पांडेय द्वारा किया गया इसके उपरांत राष्ट्रीय महासचिव आचार्य कामेश्वर उपाध्याय ने विद्वत परिषद का वृत्त निवेदन किया तथा प्रकाशित ग्रंथों के ऊपर प्रकाश डाला संस्था के उपाध्यक्ष प्रोफेसर डीपी चतुर्वेदी एवं प्रोफेसर कैलाश नाथ तिवारी ने मंचासीन अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया परिषद के युवा प्रभारी आचार्य धवल उपाध्याय ने समस्त विद्वानों को स्फटिक एवं रुद्राक्ष की माला से सम्मानित किया` सभा का संचालन अपराजिता ने किया वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रोफेसर जय शंकर लाल त्रिपाठी ने

किया सन 2020 एवं सन 2021 कालखंड के मध्य विद्वत परिषद के मृत विद्वानों को श्रद्धांजलि समर्पित की गई इस वर्ष के कार्यक्रम में अनेक ऐसे समाजसेवियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने कोरोना काल में आगे बढ़कर नियमन से लोगों की सेवा की शंकराचार्य परिषद के अध्यक्ष स्वामी आनंद स्वरूप महाराज का अग्रपूजन किया गया तथा उन्हें यतिशिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया गया एवं मुख्य अतिथि महामहिम निलेश रोनील कुमार (फिजी)को राजनय शिरोमणि सम्मान से आचार्य नमन कृष्ण भगवत्किकर को धर्ममार्तंड सम्मान से प्रोफेसर उपेंद्र पांडेय को राष्ट्रभक्त कवि सम्मान से एवं प्रोफेसर लल्लन मिश्र को रसायन शिरोमणि सम्मान से डॉक्टर अजय सिंह को विशिष्ट सम्मान से सम्मानित किया गया` अन्य विदद विभूतियों में प्रोफेसर बृज कुमार द्विवेदी (आयुर्वेद), समाजसेवी पंकज अग्रवाल,प्रोफेसर रूद्र प्रकाश मलिक (भौतिक विज्ञान), प्रोफेसर संजय कुमार शर्मा (माईनिंग),प्रोफेसर चंदन उपाध्याय (पदार्थविज्ञान), प्रोफेसर महेंद्र पांडेय (वेद), प्रोफेसर अरविंद कुमार जोशी (समाजविज्ञान), प्रोफेसर धर्मदत्त चतुर्वेदी (संस्कृत व्याकरण), आचार्य गंगाधर पंडा (अथर्वेद),डॉ वीरेंद्र कुमार मिश्र (ग्रंथालय) , डॉ विजय कुमार शर्मा (वेद), डाक्टर अशोक राय (बाल चिकित्सा),डॉक्टर शिवज्योति मुखर्जी (आयुर्वेद),डॉक्टर रजनीश नाथ (नेत्र चिकित्सा),डॉक्टर नीरज खन्ना (चिकित्सा एवं संस्कृति) तथा डॉक्टर श्रीमती उषा शुक्ला (धर्मागम) ,डॉक्टर ओपन विनायक सहस्त्रबुद्धे सुधीर चंद्र मेहरोत्रा पंकज सिंह मदन मोहन पंकज अग्रवाल नागेंद्र द्विवेदी प्रोफेसर स्मिता द्विवेदी आदि लोग शामिल रहे।

ईकोब्रिक्स बनाएं, पर्यावरण बचाएं जागरूकता कार्यक्रम

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। शिवाजी यूथ ब्रिगेड एवं राष्ट्रवादी विचार मंच वाराणसी इकाई द्वारा लक्ष्मी कुंड लकसा में ईकोब्रिक्स बनाएं प्रकृति के पंच तत्व को बचाए अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुई` कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित कृष्ण मोहन

(प्रांतीय संयोजक पर्यावरण संरक्षण गतिविधि) ने कहा कि ईकोब्रिक्स बना करके हम मिट्टी पानी और हवा की शुद्धता को बनाए रख सकते हैं । कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने ईको ब्रिक्स बना करके पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया` श्री कार्यक्रम में बोलते हुए शिवाजी यूथ ब्रिगेड के श्री अजीत कुमार जी ने कहा कि प्लास्टिक रूपी जटिल समस्या से संसार को बचाने के लिए हमें महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी` कार्यक्रम के अंत में ईकोब्रिक्स बनाएंगे, पर्यावरण बचाएंगे, स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत बनाएंगे के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ कार्यक्रम संपन्न होने के पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने ईकोब्रिक्स बनाने के कार्य में स्वयं लगने के साथ-साथ और लोगों को भी प्रेरित करने की योजना रचना पर विचार विमर्श किया।

बीएचयू में तीन दिवसीय आयोजित ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप में प्रतियोगी छात्रों को ग्राम प्रधान ने किया सम्मानित

प्रखर केराकत जौनपुर। क्षेत्र केराकत के डेहरी गाँव के पंचायत भवन पर आज सभी बच्चों को ग्राम प्रधान द्वारा सम्मानित किया गया और ग्राम प्रधान ने सभी खिलाडियों व प्रतिभागियों को उत्साह पूर्वक जीत की बधाई दिये जिसमें बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में आयोजित आल इंडिया ओपेन कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता दिनांक 16.12.21 से 18.12.21 तक तीन दिवसीय प्रतियोगिता में के0 डी0स्पोर्ट्स कराटे डेहरी केराकत जौनपुर की बी टीम कुल 8 मेडल के साथ विजयी रही कराटे प्रतियोगिता में कुल 8 खिलाडियों ने भाग लेकर समस्त क्षेत्रवासियों अकबरपुर,डेहरी, डेडुवाना, सिझवारा व बासबारी गांव का नाम रोशन किया और अपने अपने

गांव को एक नई पहचान दिलाई है मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों की सूची गोल्ड मेडलिस्ट किशन मौर्य,चंदन विश्वकर्मा,पायल चौहान सिल्वर मेडलिस्ट,सूर्यांशी यादव, आयुषी यादव ब्रांज मेडलिस्ट खुशी कुमारी,प्रिंस मौर्या,कृष यादव इन सभी खिलाड़ियों को सभी ग्रामीणों ने ढेर सारी बधाईयाँ दी इस मौके पर ग्राम प्रधान फरहान अहमद के0डी0 स्पोर्ट कराटे के कोच सोनू यादव पूर्व प्रधान संतोष कुमार वीरेंद्र प्रताप यादव प्रिंसिपल जगपत यादव मटरू यादव लालता प्रसाद विश्वकर्मा राजेंद्र राय अजय कुमार यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

बी एड विभाग द्वारा पांच दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रखर केराकत जौनपुर। कुटीर पीजी कॉलेज चक्के के बीएड विभाग द्वारा दिनांक 20:12 2021 दिन सोमवार से पांच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम की शुरूआत हुई । योग प्रशिक्षण शिविर में योग प्रशिक्षक ने प्रथम दिन बीएड विभाग के छात्र-छात्राओं को योग के औचित्य और योग के प्रार्रभिक विषय कि जानकारी प्रदान की जिस संदर्भ में योग प्रशिक्षक ने बताया कि योग दैनिक जीवन में स्वस्थ एवं संतुलित रहने का सबसे सरल साधन है। उक्त कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत शिविर के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य मेजर डॉ रमेश मणि त्रिपाठी और विशिष्ट अतिथि जैव प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षक एवं पत्रकार पंकज कुमार मिश्रा के द्वारा सरस्वती जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पण और दीप प्रज्वलन करके किया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य और मुख्य अतिथि ने कहा कि योग से निरोग रहता है । बी एड विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ सी बी पाठक जी ने भी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षण संस्थाओं में ऐसे योग प्रशिक्षण कार्यक्रम

का पूरा कॉन्सेप्ट मनोवैज्ञानिक वातावरण में एक स्वस्थ्य चिंतन उत्पन्न करता है जिसके बाद व्यक्ति समस्त ऐच्छिक कार्यों को निर्बाध कर सकता है। योग से ना सिर्फ शारीरिक पुष्टता बनी रहती है अपितु मन भी शांत और एकाग्र वर्तमान समय की मांग है और यह विभाग में पाठ्यक्रम की विषयवस्तु है ऐसे शिविर से भविष्य के शिक्षक बहुत कुछ सीखते है कार्यक्रम में डॉ रामेश्वर नाथ मिश्र डॉ योगेश पाठक विकास सिंह एवं उपेंद्र दूबे उपस्थित रहे ।

प्राथमिक विद्यालय छोटा मिजार्पुर का जर्जर छज्जा गिरा बच्चे एवं अध्यापक बाल-बाल बचे

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। जमालपुर विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय छोटा मिजार्पुर का जर्जर कमरे के छज्जे का इट सोमवार को विद्यालय में रखें कुर्सी एवं मेज पर गिरने लगा संयोग रहा कि उस समय विद्यालय में तैनात सभी अध्यापक एवं अध्यापिका अपने-अपने क्लास रूम में थी । एवं ऑफिस में कोई मौजूद नहीं था । बता दें कि प्राथमिक विद्यालय छोटा मिजार्पुर का एक कमरा विगत काफी दिनों से जर्जर पड़ा हुआ है । जर्जर कमरे की सूचना विद्यालय के अध्यापकों द्वारा कई बार दिया जा चुका है । इसके बाद भी न जाने क्यों उसको गिरवाने का कार्य विभाग द्वारा नहीं किया गया जो विद्यालय में बच्चों के लिए खतरा बना हुआ है । गांव के ग्रामीणों का कहना है कि कभी भी यह कमरा बैठ सकता है जिसमें बच्चे घायल हो सकते हैं । बता दें की विद्यालय में लगभग 300 बच्चे नामांकित है एवं एक दर्जन के करीब

शिक्षिकाओं की नियुक्ति भी है । विद्यालय परिसर में जगह कम होने के कारण जर्जर कमरे में ही प्रधानाध्यापिका ने अपना कार्यालय बना रखा है । इस संबंध में प्रधानाध्यापिका ने बताया कि जर्जर कमरे की सूचना विभाग को दी जा चुकी है ।

टेम्पो पलटने से दो महिला घायल

प्रखर अहरौरा मीरजापुर। वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर स्थानीय थाना क्षेत्र के घाटमपुर के पास अनियंत्रित टेम्पो के पलटने से दो महिला गम्भरी रूप से घायल हो गई । प्राप्त जानकारी अनुसार रुक्मणि देवी पत्नी रामू 35 वर्ष ,सूशीला देवी पत्नी फूलचन्द्र उम्र 38 वर्ष निवासी दुबे के मूड़हुआ थाना जमालपुर ऑटो में सवार होकर सुकृत से अपने घर को जा रही थी कि अनियंत्रित होकर ऑटो वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर स्थित घाटमपुर के पास पलट गयी जिसमें महिला गम्भीर रूप से घायल हो गई । सूचना मिलते ही मौके पर पहुची पुलिस घायलों को एम्बुलेंस के सहयोग से अहरौरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुचाया । महिलाओ को गम्भीर चोट होने के कारण ट्रामा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया ।

सुधाकर महिला शिक्षण संस्थान समूह के छात्राओं द्वारा संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल में यूथ पार्लियामेंट में भागीदारी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पांडेयपुर स्थित सुधाकर महिला शिक्षण संस्थान समूह के छात्राओं द्वारा संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल कोइराजपुर में दो दिवसीय 18 और 19 दिसंबर को युवा संवाद राष्ट्रीय नीति 2021 प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय से सुधाकर महिला शिक्षण संस्थान समूह के संस्था प्रमुख डॉक्टर प्रभु नारायण दुबे, प्रबंध समिति के सदस्य श्री आशीर्वाद दुबे, महाविद्यालय के शिक्षाविद व व समन्यवक डॉ० अशोक कुमार पाण्डेय सभी छात्राओं को शुभ संदेशों के साथ यूथ पार्लियामेंट राष्ट्र नीति 2021 में भागीदारी के लिए बेहतरीन प्रदर्शन के लिए शुभ कामना किया। सुधाकर महिला विधि महाविद्यालय एलएलबी पंचम सेमेस्टर की छात्रा सुश्री पूजा तिवारी माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश सरकार की भूमिका में और सुश्री गार्गी गुप्ता वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की भूमिका में इसके साथ ही सुधाकर महिला पीजी कॉलेज से बीएससी तृतीय वर्ष से कोमल यादव, संग्राम सिंह यादव की

भूमिका में, बीएससी प्रथम वर्ष आयुषी दुबे, वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की भूमिका में, बीकॉम द्वतीय वर्ष से अंजली गुप्ता, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की भूमिका में, बी० ए० प्रथम वर्ष से जान्हवी सिंह, श्री ज्योतिराज सिंधिया की भूमिका में युवा संवाद राष्ट्र नीति 2021 में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कोमल यादव, संग्राम सिंह यादव की भूमिका में, और आयुषी दुबे, वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की भूमिका में, बेस्ट परफारमेंस का अवार्ड जीत कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। इस अवसर पर युवा संवाद राष्ट्र नीति 2021 में मुख्य अतिथि धर्मेंद्र कुमार सिंह प्राचार्य उदय प्रताप महाविद्यालय और कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री हंसराज सिंह विधान परिषद के सदस्य ,श्री विनोद राय जिला विद्यालय निरीक्षक भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सुधाकर महिला विधि महाविद्यालय की तरफ से प्रतिनिधित्व कर रहे हैं डॉक्टर राजकुमार श्रीवास्तव और सुधाकर महिला पीजी कॉलेज से प्रतिनिधित्व करते हुए डॉक्टर डिंपल गुप्ता, डॉ प्रीति सिंह के निर्देशन में छात्राओं ने युवा संवाद राष्ट्र नीति 2021 में भाग लिया।

'सारा' में एजुकेशनल कॉन्क्लेव 2021 संपन्न

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। संत अतुलानंद आवासीय विद्यालय होलापुर (सारा) के प्रांगण में दिनांक 19 दिसंबर 2021 को भव्य एजुकेशनल कॉन्क्लेव का आयोजन दीप प्रज्वलन व संत अतुलानंद जी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण के साथ प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर संगीत विभाग द्वारा गणेश वंदना तथा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। विद्यालय की निर्देशिका डॉक्टर दिव्या सिंह व प्रधानाचार्य श्री अविनाश पाण्डेय जी ने इस आयोजन में आए समस्त अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया। इस शिक्षा समारोह में मेडिकल, इंजीनियरिंग, प्रशासन, बैंकिंग, कानून, मीडिया, टेलीविजन टूरिज्म मैनेजमेंट, शिक्षा तथा अन्य विविध शिल्प और कौशल विशेषज्ञों के द्वारा मार्गदर्शन दिया गया साथ ही साथ इस आयोजन में देश और दुनिया के 40 से अधिक ख्यातिलब्ध विश्वविद्यालयों ने यहां आकर अपने संस्था के उद्देश्यों के बारे में बच्चों को अवगत कराया। इस अवसर पर विशेषज्ञों द्वारा 10 वीं

तथा 12वीं के बाद छात्रों व उनके अभिभावकों को विषय व क्षेत्र के चुनाव के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी गई। देश के विभिन्न विभागों में अपनी उत्कृष्ट सेवा प्रदान कर रहे 'सारा' के प्राचीन छात्र भी इस अवसर पर उपस्थित थे, जिन्होंने बच्चों व अभिभावकों से अपने अनुभवों को साझा करते हुए बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रदान की। इस विहंगम अवसर पर मुख्य अतिथियों में काशी के गौरव श्रीमती ममता शर्मा (प्रसिद्ध लोकगीत गायिका), नीलू मिश्रा (प्रसिद्ध एथलीट), सोनी चौरसिया (प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना) के अतिरिक्त प्रोफेसर अश्वनी, श्री जयंत मालवीय, श्री संतोष मिश्रा, डॉ प्रशांत श्रीमती सरोजिनी महापात्रा, श्री भामिनी कांत मिश्रा, श्री राम कुमार सिंह, श्रीमती रेनू पॉल, सुरेश वर्मा, डॉक्टर उद्भव मिश्रा, श्री रामेश्वर सिंह, प्रो० मनोज कुमार, श्री सुरेश नायर, श्री शाहिद, श्री रोहन विश्वकर्मा, श्री कुंज बिहारी आदि गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचारों को प्रकट किया। इस अवसर पर विद्यालय के मेंटर श्री विशाल सिंह तथा विद्यालय की निदेशिका डॉ. दिव्या अतिथियों को शॉल व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया` इस आयोजन में आये समस्त अतिथिगण, अभिभावक वृन्द तथा विभिन्न यूनिवर्सिटियों से आये प्रतिनिधियों का धन्यवाद ज्ञापन निदेशिका डॉ. दिव्या सिंह ने किया समस्त कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सौम्या पाण्डेय, निलम कुमारी, धर्मेन्द्र कुमार व बच्चों ने किया।

राष्ट्रवादी चिन्तक मंच के प्रधान कार्यालय में मनाया गया शहादत दिवस

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। अमृत महोत्सव की कड़ी में राष्ट्रवादी चिन्तक मंच के प्रधान कार्यालय पिशाच मोचन लहुराबीर में मनाया गया शहादत दिवस शहीद रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां,रौशन सिंह को एक साथ गोरखपुर जेल में फांसी दे दी गई, हंसते हंसते फांसी को गले लगा लिए। काकोरी कांड के प्रमुख थे।राजेंद्र नाथ लाहिड़ी को गोंडा जेल में फांसी दे दी गई।शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया है। काकोरी काण्ड में चंद्रशेखर आजाद को पकड़ ना सके। अंग्रेजो को बहुत बेइज्जती महसूस हो रही थी की खजाना का लूटना अंग्रेज शासन समझने लगी की अब वापस वतन लौटने का समय आ गया है।आज की गोष्ठी सभा की अध्यक्षता लोकतंत्र रक्षक सेनानी श्री रामकिशन जी ने बताया रामप्रसाद बिस्मिल को गोरखपुर जेल में 19 दिस को, असफाकुल्ला खां को समय से दो दिन पूर्व 17 दिस.को गोंडा जेल में फांसी दे दी गई। रौशन सिंह जी की

उम्र ज्यादा थी। इलाहाबाद के मलाका जेल में 19 दिसम्बर तड़के ही फांसी दे दी गई थी। इस सभा में प्रमुख रूप से सीए सज्जन कुमार,अनिमेष गुप्ता,प्रियंका राय,साक्षी मेहरोत्रा जी,संस्था के राष्ट्रीय महासचिव शैलेन्द्र श्रीवास्तव एडवोकेट दीवानी, समाजसेवी अरविंद सिंह ,राजेश राय आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

जिले के 5 विस क्षेत्र में श्रम प्रकोष्ठ के मण्डल अध्यक्ष हुए घोषित

प्रखर पिंडरा वाराणसी। खालिसपुर स्थित एक निजी स्कूल में सोमवार को भाजपा श्रम प्रकोष्ठ की जिला स्तरीय बैठक हुई। जिसमें जिले के 5 विस क्षेत्र के मण्डल अध्यक्षो का मनोनयन किया गया। श्रम प्रकोष्ठ के जिला संयोजक संरोज कुमार उर्फ मुन्ना चौबे की अध्यक्षता में पिंडरा विस क्षेत्र के सिंधोरा मण्डल से नितिन पांडेय,पिंडरा से अभिनव दीक्षित, बड़ागाँव से संजय दुबे व कठिराव से आकाश गोस्वामी तथा अजगरा विस क्षेत्र के हरहुआ मण्डल से अजय पांडेय, आयर से संतोष मिश्रा,चौबेपुर से विकास पांडेय,चोलापुर से राजीब कुमार तथा शिवपुर विस क्षेत्र के लोहता मण्डल से आनंद तिवारी, लमही से कीर्तिमान, शिवपुर से आलोक सिंह,चिरईगांव से श्रीकांत पाठक तथा रोहनिया विस क्षेत्र के शुल्कण्टेश्वर मण्डल से रवि मौर्य, करमेदेश्वर से प्रिंस केसरी, रोहनिया से शिवम पांडेय, रामेश्वर से गौरव पांडेय तथा सेवापुरी विस क्षेत्र के कालिकधाम से विजय पटेल, सेवापुरी दिवाकर मौर्य ,जंसा से संदीप राय, राजातालाब से सौरभ सिंह को मण्डल अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस दौरान दर्जनो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस ने नाजायज शराब के साथ एक बदमाश को किया गिरफ्तार

प्रखर खेतासराय जौनपुर । स्थानीय पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी । पुलिस के अनुसार काफी दिनों से चल रहा था अवैध शराब का कारोबार । जिसकी काफी दिनों से पुलिस कर रही थी तलाश । मुखबरी की खास सूचना मिलते ही हरकत में आई खेतासराय पुलिस ने नाजायज शराब के साथ एक आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित के पास से 10 लीटर नाजायज शराब बरामद हुआ है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद चालान न्यायालय भेज दिया। थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश राय ने बताया की रविवार शाम सोंगर ईट भट्टे के पास वह उपनिरीक्षक हरिशंकर यादव, कां.दिनेश यादव, का. रणजीत यादव , का. दिनेश सरोज के साथ क्षेत्र की देखभाल व गश्त पर थे। तभी एक युवक को संदिग्ध हालत में देख पुलिस ने रोककर पुछताछ किया तो वह खेतासराय का एक अभियुक्त निकला। उसने पुलिस को अपना नाम तबरेज पुत्र सरदार निवासी सोंगर बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से 10 लीटर नाजायज शराब बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपित पर स्थानीय थाना में विभिन्न धाराओं मुकदमें पंजीकृत हैं।

अशोक कुमार ने अम्बेडकर हॉस्टल से घर घर और जन जन तक पहुँचाया बाबा काशी विश्वनाथ जी का प्रसाद

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बाबा काशी विश्वनाथ जी का प्रसाद मोदी के संसदीय क्षेत्र में अशोक कुमार ने अम्बेडकर हॉस्टल से घर घर और जन जन तक पहुँचाया` विगत कई दिनों से भाजपा कार्यकताओं द्वारा मोदी जी के संसदीय क्षेत्र काशी में बाबा काशी विश्वनाथ जी का प्रसाद वितरण कार्यक्रम चल रहा है कोई भी घर न छुटे इस आस्था के साथ सभी काशीवासियों के यहाँ प्रसाद पहुचाने के संकल्प लिए` अधिवक्ता अशोक कुमार महानगर उपाध्यक्ष ने अपने टीम के एडवोकेट सत्यार्थ भारती (रिंकू),राजू गोंड, शोभनाथ मौर्य मोर्चा अध्यक्ष, अरविंद, पूर्व डायरेक्टर दूरदर्शन मुरारी, मनोज कुमार, विवेक सरोज के साथ छावनी में नदेसर अंबेडकर हॉस्टल, सेवा बस्ती दूरदर्शन कॉलोनियो में प्रसाद वितरण किया गया।

वृद्धाश्रम में कम्बल, शाल एवं भोजन का वितरण किया गया

प्रखर वाराणसी। आनन्दिता सेवा समिति की प्रबन्धक एवं ब्रह्मणोत्थान महासभा वाराणसी की जिलाध्यक्ष पूजा पाठक जी समाज कल्याण और गरीब बेसहारा महिलाओं के लिए हमेशा तत्पर रहने वाली सहृदयी पूजा पाठक जी समाज के लिए एक प्रेरणा बन गयी हैं,आज दिनांक 19/12/2021 रविवार को दुगार्कुण्ड वाराणसी स्थित वृद्धाश्रम में कम्बल,शाल एवं भोजन का वितरण किया गया और माताओं के स्वास्थ्य की जानकारी ली गई। पूजा पाठक ने बताया कि समाज कि सेवा ही मेरा जीवन उद्देश्य है।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं